फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 08 प्रभात जयपुर, सोमवार 8 अगस्त, 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

My Friend Sachi

Literary magazines died down due to lack of financial patronage and newspapers stopped publishing poems.

A Practical Guide To Scanning Old Photos

Protein Break....

Modern Engagement Ring Ideas

Say it loud with affection and love.....

महिला मुक्केबाज़ नीतू घंघस ने कॉमनवैल्थ गेम्स महिला 48 किग्रा मुकाबले में गोल्ड मैंडल हासिल किया। नीतू ने मुक्केबाजी प्रतियोगिता के फाइनल मैंच में मेज़बान इंगलैण्ड की मुक्केबाज़ डेमी जेड को जबरस्त तरीके से मात दी। दो बार की विश्व यूथ चैंपियन नीतू ने अपनी विपक्षी को 4-0 के एकतरफा फैसले से मात दी। नीतू ने जीत के बाद कहा, "मैं स्वर्ण पदक जीतने के बाद बेहद खुश हूं। मैं यह पदक अपने देशवासियों के नाम करना चाहती हूं। मैं भारत सरकार, भारतीय खेल प्राधिकरण और भारतीय मुक्केबाज़ी महासंघ के समर्थन के लिये उनकी शुक्रगुज़ार हूं। मैं अपने कोचों, और अपने परिवार की भी शुक्रगुज़ार हूं क्योंकि मैं उनके समर्थन के बिना यह स्वर्ण नहीं जीत सकती थी।"

चीन ने ताइवान के ऊपर 100 से ज्यादा लड़ाकू विमान तैनात किए

चीन की इन आक्रामक गतिविधियों से चीन, ताइवान युद्ध की आशंका और प्रबल हो गई है

- चीन ने अपने नई पीढ़ी के हवा में फ्यूल भरने वाले वाई.यू.-20 विमानों को भी तैनात कर दिया है।
- चीन की सरकारी मीडिया ने खुद चीन की इस मिलिटरी ड्रिल की वीडियो और तस्वीरें दुनियाभर में प्रसारित कर यह दिखाने का प्रयास किया है कि, चीन ताइवान के खिलाफ कुछ बड़ा करने के प्रयास में है।
- चीन के लड़ाकू विमान, नौसेना के जहाज इत्यादि, ताइवान से सिर्फ 20 किलोमीटर की दूरी पर तैनात हैं।

ताइपे/ नई दिल्ली, 7 अगस्त। अमेरिकी हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी की यात्रा के बाद चीन और ताइवान के बीच टेंशन बढ़ गई है। पेलोसी की यात्रा से तिलमिलाए चीन ताइवान के आसपास के इलाके में सैन्य अभ्यास तेज कर दिया है। ताइवान के आसपास उसने अपने 100 से अधिक युद्धक विमान तैनात कर दिए हैं। इसके साथ-साथ उसने अपने नई पीढ़ी के हवा में फ्यूल भरने वाले वाईयू-20 विमान को तैनात कर दिया है।

ताइवान के करीब ड्रैगन की गतिविधियां देखकर संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान ने चीन से अपने सैन्य अभ्यास को तुरंत बंद करने का आग्रह किया है। चीन की सरकारी मीडिया ग्लोबाल टाइम्स की ओर से ट्वीट किए गए वीडियो में यह दिखाने का प्रयास किया गया है कि कैसे चीनी सेना ताइवान के आसपास अपना पैर जमा रही है और सैन्य को अंजाम दे रही है।

ताइवान के साथ तनाव के बीच चीन की ओर से जारी किए गए वीडियो का मुख्य एजेंडा चीन की सैन्य ताकत को दिखाना है।

युद्धक विमानों से लेकर नई पीढ़ी के विमानों के शामिल किए जाने तक, संयुक्त नाकाबंदे अभ्यास ताइवान के लिए एक चेतावनी जैसा है। ताइवान पर बीजिंग पहले से ही अपना हक होने का दावा करते आ रहा है।

चीन का कहना है कि उसने ताइवान के आसपास के छह क्षेत्रों में युद्धक विमानों, नौसेना के जहाजों और मिसाइल हमलों से जुड़े अभ्यास शुरू कर दिए हैं।

वे द्वीप के तट से 20 किलोमीटर (12 मील) की दूरी पर स्थित हैं, जो संभावित रूप से ताइवान के जल क्षेत्र का उल्लंघन करते हैं।

चीन ने इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा के बाद यह कहते हुए सैन्य अभ्यास शुरू किया था कि उनकी यात्रा ने एक चीन नीति का उल्लंघन किया है। ताइवान पर चीन अपना दावा जताता है और उसने धमकी दी है कि जरूरत पड़ने पर वह बलपूर्वक इस द्वीप को अपने कब्जे में ले लेगा।

सबसे ज्यादा नियुक्तियां करने वाले देश के मुख्य न्यायाधीश हैं जस्टिस रमन्ना

जस्टिस रमन्ना ने अपने कार्यकाल में 105 से ज्यादा जजों की नियुक्तियां की हैं, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है

- अपने करीब 15-16 महीने के कार्यकाल में उन्होंने विभिन्न हाईकोर्टों में जजों की रिक्तियां 411 से घटाकर 380 कर दी है।
- उनके मुख्य न्यायाधीश बनने से पहले विभिन्न हाईकोर्टों में जजों की 40 फीसदी सीटें खाली थीं।
- जस्टिस रमन्ना ने कॉलेजियम की आखिरी बैठक 25 जुलाई 2022 को आयोजित की थी। उसमें उन्होंने छह हाईकोर्ट के लिए जजों के 35 नामों की संस्तुति सरकार को भेजी।
- जस्टिस ललित 26 अगस्त को देश के अगले मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे।

नई दिल्ली, 7 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एन.वी. रमना उच्च न्यायपालिका में जजों की सबसे ज्यादा नियुक्तियां करने वाले देश के मुख्य न्यायाधीश बन गए हैं। अपने एक वर्ष से थोड़ा ज्यादा के कार्यकाल में उन्होंने 100 से ज्यादा जजों की नियुक्तियां हाईकोर्ट में और पांच से ज्यादा नियुक्तियां सुप्रीम कोर्ट में की हैं। उच्च न्यायालयों में जजों की रिक्तियां 411 से घटकर 380 रह गई हैं।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एनवी रमना ने अप्रैल 24, 2021 को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एसए बोबडे का स्थान लिया था, उस समय देश के 24 हाईकोर्टों में जजों की 40 फीसदी (411) से ज्यादा रिक्तियां थीं। पटना हाईकोर्ट समेत कुछ हाईकोर्ट आधे से भी कम क्षमता के साथ काम कर रहे थे। लेकिन जस्टिस रमना ने आते ही कोलेजियम (न्यायाधीशों के चयन के लिए पांच वरिष्ठतम जजों का मंडल) में सर्वसम्मति बनाने के प्रयास किए और जजों की सिफारिशें स्वीकार होने लगीं।

केंद्र सरकार ने उनकी लगभग सभी सिफारिशें मानी और नियुक्तियां कीं। आज यह स्थिति है कि हाईकोर्ट में अब रिक्तियों की संख्या घटकर 380 रह गई है। दिलचस्प बात यह है कि जस्टिस रमना के पूर्ववर्ती जस्टिस एसए बोबडे अपने एक साल के कार्यकाल के दौरान एक भी नियुक्ति नहीं कर पाए थे। हालांकि, उनका पूरा कार्यकाल करोना महामारी के दौरान का रहा, लेकिन नियुक्तियों का करोना से कोई संबंध नहीं था। कोलेजियम की सर्वसम्मति ही इसमें महत्वपूर्ण मुद्दा था। जस्टिस रमना 26 अगस्त 2022 को सेवानिवृत्त हो जाएंगे।

जस्टिस रमना ने कॉलेजियम की आखिरी बैठक 25 जुलाई 2022 को आयोजित की थी। उसमें उन्होंने छह हाईकोर्ट के लिए जजों के 35 नामों की संस्तुति सरकार को भेजी। इनमें से आठ नाम न्यायिक अधिकारियों के हैं। इसके बाद उन्होंने एक और बैठक की जो सुप्रीम कोर्ट में तीन जजों को लाने के लिए थी, लेकिन इसमें सर्वसम्मति नहीं बन पाई। इसके बाद उन्होंने एक और प्रयास 1 अगस्त को किया, लेकिन अन्य चार जज इसके लिए तैयार नहीं हुए।

इस बीच केंद्र सरकार ने उन्हें एक पत्र भेजा और अपने उत्तराधिकारी का नाम संस्तुति करने का आग्रह किया। जस्टिस रमना ने अगले दिन अपने उत्तराधिकारी के लिए जस्टिस यूयू ललित का नाम सरकार को भेज दिया। सरकार को नाम भेजते ही वह कोलेजियम की बैठक से दूर हो गए। जस्टिस ललित 26 अगस्त को देश के अगले मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे।

रास्ते से भटक गया इसरो का सैटलाइट

- इसरो को आजादी की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर एस.एस.एल.वी. द्वारा लॉन्च किए गए सैटलाइट से निराशा हाथ लगी है।

नई दिल्ली, 7 अगस्त। आजादी के अमृत महोत्सव के मौके पर एस.एस.एल.वी. द्वारा लॉन्च किए गए सैटलाइट से निराशा हाथ लगी है। इसरो ने रविवार को बताया कि स्मॉल सैटलाइट लॉन्च वीइकल एस.एस.एल.वी.-डी-1 अब इस्तेमाल लायक नहीं रह गया है क्योंकि इसे पृथ्वी की सर्कुलर ऑर्बिट की जगह एलिप्टिकल ऑर्बिट में स्थापित कर दिया गया। बताया गया कि सेंसर फेल्योर की वजह से इसने अपनी दिशा बदल दी और यह गलत कक्षा में स्थापित हो गया

इसरो ने कहा है कि, इस बार हुई चूक को अनैलाइज किया जाएगा। इसके बाद सुधार के साथ जल्द ही एस.एस.एल.वी.-डी2 लॉन्च किया जाएगा। संगठन की ओर से कहा गया, एस.एस.एल.वी.-डी-1 ने सैटलाइट को 356 किमी. एलिप्टिल ऑर्बिट में प्लेस कर दिया जबकि इसे 356 किमी सर्कुलर ऑर्बिट में स्थापित किया जाना था। अब सैटलाइट इस्तेमाल में नहीं आ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विपक्ष पर जमकर भड़कीं मारग्रेट अल्वा

अल्वा ने कहा कि, विपक्षी दलों ने डायरैक्ट व इनडायरैक्ट तरीके से एन.डी.ए. को सपोर्ट किया है

- अल्वा ने चुनाव हारने के बाद ट्विटर पर अपनी बातें लिखीं। उन्होंने लिखा कि, यह चुनाव विपक्षी दलों के लिए एक शानदार अवसर की तरह था। उनके पास विपक्षी एकता की ताकत को जाहिर करने का पूरा मौका था। वह बीते हुए कल को पीछे छोड़कर एक-दूसरे के अंदर भरोसा पैदा कर सकते थे।

नई दिल्ली, 7 अगस्त। उपराष्ट्रपति चुनाव में संयुक्त विपक्ष की उम्मीदवार मारगरेट अल्वा शनिवार को हार के बाद अपने सहयोगियों पर भड़क उठीं। उन्होंने कहा कि कुछ विपक्षी दलों ने भी डायरेक्ट या इनडायरेक्ट तरीके से एन.डी.ए. उम्मीदवार का समर्थन किया है। गौरतलब है कि उपराष्ट्रपति चुनाव में मार्गरेट अल्वा को 200 से भी कम वोट मिले हैं। इससे पहले उन्होंने नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को जीत की बधाई दी। उन्होंने कहा कि चुनाव संपन्न होने के बा उपराष्ट्रपति पद के लिए लड़ाई तो खत्म हो चुकी है। हालांकि संविधान की रक्षा, लोकतंत्र की मजबूती और संसद की गरिमा को स्थापित करने का संघर्ष जारी रहेगा।

अल्वा ने चुनाव हारने के बाद ट्विटर पर अपनी बातें लिखीं। उन्होंने विपक्षी दलों की एकता में कमी पर निराशा जाहिर की। उन्होंने लिखा कि यह चुनाव विपक्षी दलों के लिए एक शानदार अवसर की तरह था। उनके पास विपक्षी एकता की ताकत को जाहिर करने का पूरा मौका था। वह बीते हुए कल को पीछे छोड़कर एक-दूसरे के अंदर भरोसा पैदा कर सकते थे। लेकिन दुर्भाग्य से कुछ विपक्षी दलों ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा का साथ देने का फैसला किया। इसके चलते विपक्ष की एकता की गाड़ी पटरी से उतर गई। इसके साथ ही देश का उपराष्ट्रपति चुने जाने पर जगदीप धनखड़ को बधाई। साथ ही उन्होंने विपक्ष के सभी नेताओं और खुद को वोट देने वाले सभी सांसदों और चुनाव के दौरान अपने अभियान में साथ देने वाले वॉलंटियर्स का भी शुक्रिया अदा किया।

गौरतलब है कि कई विपक्षी दलों- जनता दल (यूनाइटेड), वाई.एस.आर. सी. पी., बी.एस.पी., ए.आई.ए. डी. एम. के. और शिवसेना ने धनखड़ का समर्थन किया था। वहीं ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने विपक्षी दलों पर उम्मीदवार चुनने से पहले सलाह न लेने का आरोप लगाते हुए इस चुनाव से दूर रहने का फैसला किया था। इसके बावजूद टी.एम.सी. के दो सांसद वोट डालने पहुंचे थे। इस बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अल्वा को संयुक्त विपक्ष की भावना को शानदार ढंग से प्रदर्शित करने के लिए उनका शुक्रिया अदा किया।

श्रीकांत त्यागी भाजपा का नेता है?

नई दिल्ली, 7 अगस्त। नॉएडा सैक्टर-93बी स्थित ग्रैंड ओमैक्स सोसाइटी में महिला से बदसलूकी कर चर्चा में आए नेता श्रीकांत त्यागी का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। पूर्व क्रिकेटर और तृणमूल कांग्रेस के नेता कीर्ति आजाद ने रविवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के साथ श्रीकांत त्यागी की फोटो शेयर कर भाजपा पर चुटकी ली है। इस तस्वीर में श्रीकांत त्यागी भाजपा अध्यक्ष नड्डा को एक गुलदस्ता भेंट करता दिख रहा है। हालांकि, लाइव हिन्दुस्तान इस तस्वीर की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है।

इस फोटो की कैप्शन के तौर पर उन्होंने वायरल

- भाजपा महिला से बदसलूकी के आरोपी नॉएडा के नेता श्रीकांत त्यागी से पल्ला झाड़ने के लाख प्रयास कर रही है, लेकिन रोज़ उनके भाजपाई होने के नये-नये सबूत सामने आ रहे हैं।

हो रहे एक मीम की लाइन- देख रहे हो ना विनोद, श्रीकांत त्यागी का भाजपा से कोई लेना-देना नहीं है भी लिखी है। महिला के साथ बदसलूकी का वीडियो वायरल होने के बाद से श्रीकांत त्यागी फरार है। उसके खिलाफ एफ.आई.आर. भी दर्ज हो चुकी है और पुलिस की कई टीमें उसकी तलाश में जुटी हैं।

बता दें कि, कथित तौर पर खुद को भाजपा नेता बताने वाले श्रीकांत त्यागी का अपनी सोसाइटी में एक महिला से बदसलूकी करने का वीडियो वायरल होने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अयोध्या में जमीन घोटालेबाजों की लिस्ट में भाजपा विधायक व मेयर का नाम भी शामिल

अयोध्या विकास प्राधिकरण ने अवैध रूप से जमीन खरीद-फरोख्त करने वाले 40 लोगों की लिस्ट जारी की

- इस लिस्ट में अयोध्या के महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, भाजपा विधायक वेद प्रकाश गुप्ता और पूर्व क्षेत्रीय विधायक गोरखनाथ बाबा का नाम भी शामिल है।
- गौरतलब है कि, पिछले दिनों सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा था कि, "भाजपा के पापी नेताओं कम से कम अयोध्या को तो छोड़ दो।"
- अखिलेश यादव ने कहा था कि, भाजपा के नेताओं ने जिम्मेदार विभागों से सांठगांठ कर अब तक 30 अवैध कॉलोनियां बसाकर सरकार को अरबों रुपये के राजस्व का चूना लगाया।

अयोध्या, 7 अगस्त। अयोध्या विकास प्राधिकरण ने अपने क्षेत्र में अवैध रूप से जमीन बेचने और उन पर निर्माण कराने वाले 40 लोगों की लिस्ट जारी की है। इनमें अयोध्या के महापौर ऋषिकेश उपाध्याय और भाजपा विधायक वेद प्रकाश गुप्ता भी शामिल हैं। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विशाल सिंह ने मीडिया को बताया कि प्राधिकरण की ओर से शनिवार रात प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध रूप से जमीन की खरीद-फरोख्त और निर्माण कार्य कराने वाले 40 लोगों की एक लिस्ट जारी की गई। उन्होंने कहा कि इस लिस्ट में शामिल इन सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्राधिकरण की ओर से जारी लिस्ट में बीजेपी विधायक वेद प्रकाश गुप्ता और अयोध्या के मेयर ऋषिकेश उपाध्याय के नाम भी शामिल हैं। गुप्ता और उपाध्याय ने इसके जवाब में आरोप लगाया कि यह एक साजिश है और उन्हें गलत तरीके से इस मामले में फंसाया गया है। लिस्ट में मिल्कीपुर क्षेत्र से पूर्व बीजेपी विधायक गोरखनाथ बाबा का नाम भी शामिल है। गौरतलब है कि इस साल के शुरू में हुए विधानसभा चुनाव से पहले अयोध्या में गलत तरीके से जमीन की खरीद-फरोख्त किए जाने का मामला गर्माया था। क्षेत्रीय सांसद लल्लू सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर इस मामले की विशेष अनुसंधान दल से जांच कराने की मांग की थी। अयोध्या में जमीन की अवैध खरीद-फरोख्त का जब मामला गर्माया था तब यूपी के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक ट्वीट कर इस मामले पर कहा था, "हमने पहले भी कहा है, फिर दोहरा रहे हैं... भाजपा के भ्रष्टाचारी कम-से-कम अयोध्या को तो छोड़ दें।"

इससे पहले सपा ने अपने आधिकारिक हैंडल से किए गए ट्वीट में कहा था, "अयोध्या में भाजपाइयों का पाप! भाजपा के महापौर, नगर विधायक और पूर्व विधायक भू-माफियाओं के साथ मिलकर बसा रहे अवैध कॉलोनियां। जिम्मेदार विभागों से सांठगांठ कर अब तक 30 अवैध कॉलोनियां बसाकर सरकार को अरबों रुपये के राजस्व का लगाया चूना। मामले की हो जांच। दोषियों के खिलाफ हो कार्रवाई।"

गौरतलब है कि, कुछ महीने पहले इस मामले को उठाने वाले आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय सिंह ने भी अयोध्या विकास प्राधिकरण द्वारा लिस्ट जारी किए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए आरोप लगाया कि भाजपा के लोगों की आस्था भगवान श्रीराम में नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार में है। सिंह ने एक बयान में कहा कि प्रभु राम के नाम पर जमीन के घोटाले का खुलासा सबसे पहले उन्होंने किया था और उस वक्त भी अयोध्या के मेयर ऋषिकेश उपाध्याय का नाम आया था। उन्होंने कहा कि आज जमीन का घोटाला करने वाले लोगों की जो लिस्ट जारी हुई है, उसमें अयोध्या के मेयर ऋषिकेश उपाध्याय, अयोध्या नगर के भाजपा विधायक वेद प्रकाश गुप्ता और पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा का भी नाम शामिल है।

ज़वाहीरी का शव

काबुल, 7 अगस्त (वार्ता)। तालिबान ने कहा है कि, उसे अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में अमेरिकी मिसाइल हमले के स्थल से अल-कायदा आतंकवादी समूह के नेता अयमान अल-जवाहिरी का शव नहीं मिला।

इससे पहले सप्ताह में, तालिबान ने कहा था कि, उसे अल-जवाहिरी के काबुल में आने और रहने के बारे में कोई जानकारी नहीं है। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने शनिवार को कहा, हमें उस जगह पर कोई शव नहीं मिला जहां अमेरिकी ड्रोन ने हमला किया था।

वॉल स्ट्रीट जर्नल ने पहले अमेरिकी प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी का हवाला देते हुए बताया कि

- तालिबान ने कहा है कि, उसे काबुल में अमेरिकी मिसाइल हमले के स्थल से अल-कायदा आतंकवादी समूह के नेता अयमान अल-ज़वाहीरी का शव नहीं मिला।

अल-जवाहिरी हाल के महीनों में सिराजुद्दीन हक्कानी के परिसर के पास मध्य काबुल में रह रहा था। सूत्रों के अनुसार अल-जवाहिरी 2021 के अंत में काबुल चला गया और हक्कानी के संरक्षण में था।

व्हाइट हाउस ने पुष्टि की कि अमेरिका ने 30 जुलाई को काबुल में एक आतंकवाद विरोधी अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप ओसामा बिन लादेन की मौत के बाद आतंकवादी समूह का नेतृत्व करने वाले अल-जवाहिरी को एक ड्रोन के जरिये दो हेलफायर मिसाइलों से उसे ढ़ेर कर दिया गया।

विचार बिन्दु

कोयल दिव्य आम रस पीकर भी अभिमान नहीं करती, लेकिन मेंढक कीचड़ का पानी पीकर भी टर्राने लगता है। –प्रसंग रत्नावली

समर्थ को दोष क्यों नहीं?

परीक्षाएं पहले भी होती थीं, अब भी होती हैं, आगे भी होती रहेंगी। अपने लगभग साढ़े तीन दशकों के सेवा काल में और उसके बाद भी मैंने न जाने कितनी भूमिकाओं में परीक्षाओं के संचालन में सहभागिता की है। हर परीक्षा उससे जुड़े व्यक्ति की भी परीक्षा होती है। अब संतोष होता है कि सब कुछ ठीक–ठाक रहा, कोई प्रवाद नहीं हुआ। लेकिन समय के बदलने के साथ–साथ परीक्षा करवाना जटिल से जटिलतर होता जा रहा है। अब तो समय ऐसा आ गया है कि शायद ही कोई परीक्षा हो जो बिना किसी विवाद के संपन्न हो सकी हो। ऐसे में हाल में राजस्थान में रीट जैसी बड़ी परीक्षा का निर्विघ्न संपन्न हो जाना बहुत राहत की बात है।

परीक्षा भले ही निर्विघ्न संपन्न हो गई। कम से कम मेरे मन में बहुत सारी बातें छोड़ गई है। आज एक बात की ही चर्चा करूंगा। जैसे–जैसे परीक्षा कार्य संपन्न करवाना कठिन होता जा रहा है, उसे आयोजित करवाने वालों को दिए जाने वाले निर्देश भी बढ़ते जा रहे हैं। कभी इण्टरनेट बंद किया जाता है (जो पहले कभी नहीं किया जाता था। पहले तो होता भी नहीं था), तो कभी परीक्षार्थियों के लिए क्या पहनें और क्या न पहने की विस्तृत दिशा–निर्देशिका ज़ारी की जाती है। प्रश्न पत्र लीक हो जाने की आशंकाओं को ध्यान में रखते हुए इस आशय के निर्देश भी ज़ारी किए जाते हैं कि एक निश्चित समय के बाद परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश न दिया जाए। आज मैं ऐसे ही कुछ निर्देशों के बारे में चर्चा करना चाहता हूं। जिस दिन परीक्षा आयोजित होती है उस के अगले दिन के अखबार इस तरह की खबरों से भरे रहते हैं कि कोई परीक्षार्थी केवल पांच मिनिट देर से आया तो भी उसे परीक्षा केंद्र में नहीं घुसने दिया गया या किसी महिला परीक्षार्थी से उसका मंगलसूत्र तक उतरवा दिया गया। ऐसी ख़बरें हम हर परीक्षा के बाद पढ़ते हैं।

इस बार भी ये सब पढ़ने को मिलीं। ऐसी ख़बरों में सहानुभूति का एक अतिरिक्त तड़का भी मार दिया जाता है। मसलन यह कि दो दिन पहले ही मां बनी एक युवती को सिर्फ़ दस मिनिट देर से आने पर परीक्षा केंद्र में नहीं घुसने दिया गया। समझा जा सकता है कि मां बनने वाली बात उसके प्रति अतिरिक्त सहानुभूति पैदा करने के लिए लिखी गई है। उसके प्रति सहानुभूति और परीक्षा करवाने वालों की निर्ममता के प्रति नाराज़गी पैदा करने के लिए। माना जा सकता है कि अखबार का संवाददाता बेहद संवेदनशील है और उससे किसी का दुख देखा नहीं जाता है। लेकिन क्या बात केवल इतनी–सी है? क्या इस बात का कोई रिश्ता हमारे सोच की बनावट से भी जुड़ता है?

जैसा मैंने पहले कहा, आजकल परीक्षा आयोजित करना बहुत जटिल होता जा रहा है। परीक्षार्थी पहले से अधिक चालाक हो गया है, उसके साथ इस परीक्षा रूपी किले में सेंध लगाने के लिए अन्य अनेक ताकतें भी जुड़ गई हैं। इसलिए जो परीक्षा आयोजित करते–करवाते हैं उन्हें भी पहले से ज़्यादा सावधानी बरतनी पड़ती है। कुछ ख़ास तरह की वेशभूषा का आग्रह, समय की पाबंदी का कठोरता से निर्वाह ऐसी ही सावधानियां हैं। देखने की बात यह है कि इस तरह की सावधानियां और पाबंदियां जीवन के अन्य अनेक क्षेत्रों में भी बरती जाती हैं। क्या हम उनको लेकर भी ऐसी ही मानवीय करुणा से भरी ख़बरें लिखते और टिप्पणियां करते हैं? या कुछ के प्रति हम अधिक सहानुभूतिशील होते हैं और कुछ के प्रति हम ज़रूरत से ज़्यादा छिद्रान्वेषी हो जाते हैं? किनकी कड़ाई को हम सहज भाव से स्वीकार करते हैं और किनकी कड़ाई हमें दुखी करती है?

एक मामूली आदमी, मसलन कबाड़ी का रद्दी अखबार तोलने में डण्डी मारना हमारे लिए चर्चा का विषय बन जाता है। आप किसी पांच सितारा होटल में जाकर बाहर बीस रुपये में मिलने वाली पानी की बोतल के दो सौ रुपये सहर्ष दे देंगे, लेकिन जब एक साइकिल रिक्शा वाला आपको एक से दूसरी जगह ले जाने के दस रुपये मांगेगा तो आपको लगेगा कि वह आपको लूट रहा है।

जीवन के बहुत सारे क्षेत्र ऐसे हैं जहां कड़े फैसले होते हैं और तदनुरूप कार्यवाही भी की जाती है। पुलिस चोर को पकड़ती है, उसे दण्डित करती है। न्यायपालिका भी इसी तरह के काम करती है। कभी किसी को सपरिश्रम कारावास तो यदा–कदा किसी को मृत्यु दण्ड भी। इनके अलावा भी अनेक इलाके हैं जहां कठोर फैसले होते हैं। क्या तब भी हमारे पत्रकार मित्र इसी तरह कातर होते हैं? अगर पुलिस किसी को गिरफ्तार करती है तो कभी यह क्यों नहीं लिखा जाता कि इसने बस, एक छोटी–सी ग़लती ही तो की थी! और यही क्यों? अगर मैं जयपुर से सड़क मार्ग से दिल्ली जाते हुए ट्रैफिक जाम में फंस जाऊं और दिल्ली से मुझे विदेश ले जाने वाली फ्लाइट छूट जाए तो मुझे होने वाली असुविधा और आर्थिक क्षति पर एक बूंद भी आंसू क्यों नहीं टपकाया जाता? किसी एयरलाइंस पर उस समय कोई सवाल क्यों नहीं उठाया जाता जब वह एक निश्चित समय पर बोर्डिंग गेट बंद कर देती है? इन सबकी व्यवस्थाओं को हम बहुत सहज भाव से स्वीकार करते हैं, लेकिन जब शिक्षा की दुनिया में किसी व्यवस्था का पालन (वह भी मज़बूरी में) किया जाता है तो हमारी सहानुभूति के परनाले बहने लगते हैं!

मेरा ऐसा मानना है कि पूरे समाज के लिए शिक्षा और उससे जुड़े लोग सॉफ्ट टार्गेट हैं। जब भी किसी का जी चाहता है, इन्हें गरिया दिया जाता है। इसलिए कि ये ताकतवर नहीं हैं। बाबा तुलसीदास याद आते हैं: ***समरथ को नहिं दोष गुसाईं।*** पुलिस, न्यायपालिका, रेल, हवाई जहाज – ये सब समर्थ हैं। इसलिए हम इन पर कभी उंगली नहीं उठाएंगे। शिक्षक कमज़ोर है, उसे हर समय कटघरे में खड़ा करते रहेंगे।

यहां शिक्षक को अधिक व्यापक संदर्भ में लें – जो भी शिक्षा से जुड़ा काम कर रहा है, वह शिक्षक है।

परीक्षा से जुड़ा काम भी शिक्षा से जुड़ा काम है। वैसे, कमज़ोर और ताकतवर के बीच यह भेद यहीं नहीं, हमारे चारों तरफ नज़र आता है। आप चौराहे पर ट्रैफिक नियंत्रित करने वाले अल्प वेतन भोगी सिपाही के तथाकथित भ्रष्ट आचरण पर तो खूब टिप्पणी करेंगे लेकिन उसको ऐसा करने के लिए विवश करने वाली व्यवस्था पर चुप रहेंगे। तथाकथित का प्रयोग मैंने जान बूझकर और सोच समझकर किया है। इस बात पर ज़रूर विचार करें कि ज़्यादातर मामलों में वह आपसे पैसे नहीं मांगता है, आप खुद आगे बढ़कर उसे पैसे देते हैं। पांच सौ रुपये का चालान कटवाने की बजाय सौ रुपये उसके हाथ में देकर आप खुद ईमानदार बन जाते हैं और उसे चोर घोषित कर देते हैं। अपने चारों तरफ हमें भ्रष्टाचार नहीं दिखाई देता है। कभी हम इस बात पर ध्यान नहीं देते हैं कि लोग जो अनाप शनाप खर्चा कर रहे हैं वह आ कहां से रहा है। बीस तीस हज़ार की तनख़्वाह वाला बोलेरो में घूमता है लेकिन वह हमारी आंखों में नहीं खटकता है। ये सब हमारे लिए सदा सम्मानित बने रहते हैं। लेकिन एक मामूली आदमी, मसलन कबाड़ी का रद्दी अखबार तोलने में डण्डी मारना हमारे लिए चर्चा का विषय बन जाता है। आप किसी पांच सितारा होटल में जाकर बाहर बीस रुपये में मिलने वाली पानी की बोतल के दो सौ रुपये सहर्ष दे देंगे, लेकिन जब एक साइकिल रिक्शा वाला आपको एक से दूसरी जगह ले जाने के दस रुपये मांगेगा तो आपको लगेगा कि वह आपको लूट रहा है।

ऐसा नहीं है कि शिक्षा की दुनिया में सब साफ सुथरा है। बेशक वहां भी बहुत कुछ है जो धूसर है, और उस पर बात होनी भी चाहिए। लेकिन इस प्रसंग में तो यह भी देखा जाना चाहिए को जो कड़ाई बरती जा रही है वह समय की ज़रूरत है। एक प्रसंग का ज़िक्र करके इस बात को विराम दूंगा। स्वयं प्रकाश हिंदी के बड़े कथाकार हैं। कुछ समय पहले उनकी एक संस्मरणात्मक पुस्तक आई थी – ***धूप में नंगे पांव।*** इस पुस्तक में उन्होंने अपने जीवन से जुड़ा एक प्रसंग लिखा है। वे एम.ए. हिंदी की परीक्षा दे रहे थे। जहां वे रहते थे, परीक्षा केंद्र वहां से चालीस किलोमीटर दूर था। जिस दिन उनका आखिरी पेपर था, संयोग कुछ ऐसा बना कि वे ठीक समय पर परीक्षा केंद्र नहीं पहुंच सके। और वे सिर्फ़ पांच मिनिट लेट नहीं हुए थे। इस किताब के विवरण के अनुसार वे दो घण्टा देर से पहुंचे। (वैसे वे दो घण्टा नहीं कोई आधा घण्टा देर से पहुंचे थे। यह जानकारी इसलिए कि मैं खुद इस प्रसंग का एक किरदार था। किताब में ज़िक्र है। लेकिन कथाकार अतिशयोक्ति करने का हक़ रखता है!) और प्राचार्य ने उन्हें परीक्षा देने दी। (अगर आपके पास यह किताब हो तो देखें पृ 128–129)। लेकिन, जैसा मैंने कहा, वह समय अलग था। आज जैसा जटिल नहीं था। ऐसा नहीं है कि आज का पूरा शिक्षा तन्त्र अमानवीय हो गया है। मज़बूरी यह है कि आज अगर कोई परीक्षा कर्मचारी किसी को ज़रा भी छूट दे दे तो न जाने कितने प्रवाद उठ खड़े हों। और यह भी पता नहीं कि जिसे छूट दी जाए वह उसका सुपात्र है या कुपात्र! क्या पता कुछ देर से आने वाला बाहर से लीक हुए पर्चे के उत्तर लेकर भीतर आ रहा हो! क्या पता किसी महिला ने अपने किसी आभूषण में नकल करने की कोई डिवाइस छिपा रखी हो। क्या पता....क्या पता!

ऐसे में ज़िम्मेदार पत्रकारिता से, और समाज से भी, यह उम्मीद तो बनती ही है कि वह कमज़ोर के प्रति सहानुभूति रखते हुए उनके प्रति भी निर्मम न हो जो दिये हुए निर्देशों का पालन करके अपने कर्तव्य का समुचित निर्वहन कर रहे हैं।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,
(शिक्षाविद् और साहित्यकार)

अदालतों में मुकदमों के अंबार को कम करने पर हो मंथन

लाख प्रयासों के बावजूद देश की अदालतों में मुकदमों का अंबार कम होने का नाम ही नहीं ले रहा है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश की अदालतों में सात करोड़ से अधिक मुकदमे लंबित हैं। इनमें से करीब 87 फीसदी मुकदमे देश की निचली अदालतों में लंबित हैं तो करीब 12 फीसदी मुकदमे राज्यों के उच्च न्यायालयों में लंबित चल रहे हैं। देश की सर्वोच्च अदालत में एक प्रतिशत मुकदमे लंबित हैं। पिछले दिनों जयपुर में आयोजित एक समारोह के दौरान न्यायालयीय प्रक्रिया और सर्वोच्च न्यायालय में पैरवी करने वाले वकीलों की फीस को लेकार अच्छी खासी चर्चा हुई जो मीडिया की सुर्खियां भी बनी। वहीं अगस्त में कार्य भार संभालने वाले नए मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति यूयू ललित द्वारा अदालत में सुबह साढ़े नौ बजे सुनवाई आरंभ करने की पहल पर भी वाद–विवाद का दौर जारी है। उधर सरकार ने मानसून सत्र में कुछ बदलावों के साथ मध्यस्थता विधेयक लाने का संकेत दिया है तो दूसरी ओर न्यायाधीशों की भर्ती में एकरुपता लाने के केन्द्र के प्रयास लगभग विफल हो गए हैं।

हांलाकि इसमें कोई दो राय नहीं कि न्यायालयों में मुकदमों का अंबार लगा हुआ है तो दूसरी और सभी पक्ष इसे लेकर चिंतित भी हैं। सवाल यह है कि मुकदमों के इस अंबार को कम करने के लिए कोई ऐसी रणनीति बनानी होगी जिससे अदालतों का भार भी कम हो न्यायिक प्रक्रिया लंबी भी ना चले, लोगों को समय पर न्याय भी मिले। पिछले पांच साल में ही देश में लंबित मुकदमों की संख्या चार करोड़ से बढ़कर आज सात करोड़ हो चुकी है। हांलाकि लोक अदालत के माध्यम से मुकदमों में कमी लाने की सार्थक पहल अवश्य की गई है पर लोक अदालतों में लाखों प्रकरणों के निबटने के बावजूद हालात में ज्यादा बदलाव नहीं आया है। दरअसल लाखों की संख्या में इस तरह के मुकदमे हैं जिन्हें निपटाने के लिए कोई सर्वमान्य समाधान खोजा जा सकता है। मुकदमों की प्रकृति के अनुसार उन्हें विभाजित किया जाए और फिर समयबद्ध कार्यक्रम बनाकर उन्हें निपटाने की कार्य योजना बने तो समाधान कुछ हद तक संभव है। कुछ इस तरह के मुकदमे हैं जिन्हें आसानी से निपटाने की कोई योजना बन जाए तो मुकदमों की संख्या में कमी हो सकती है। इनमें खासतौर से यातायात नियमों को तोड़ने वाले मुकदमों की ऑनलाइन निपटान की कोई व्यवस्था हो जाए तो अधिक कारगर हो सकती है। इसी तरह से चैक बाउंस होने के लाखों की संख्या में मुकदमे हैं जिन्हें एक या दो सुनवाई में ही निस्तारित किया जा सकता है। इसी तरह से मामूली कहासुनी के मुकदमे जिसमें शांति भंग के प्रकरण शामिल हैं उन्हें भी तारीख दर तारीख के स्थान पर एक ही तारीख में निपटा दिया जाए तो हल संभव है। इसी तरह से राजनीतिक प्रदर्शनों को लेकर दर्ज होने वाले

डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

मुकदमों के निस्तारण की भी कोई कार्ययोजना बन जाए तो उचित हो। इससे कम ग्रेविटी के मुकदमों का सहज निस्तारण संभव होगा तो न्यायालयों का समय भी बचेगा।

देश में सबसे ज्यादा मुकदमे रेवेन्यू से जुड़े हुए हैं। गांवों में जमीन के बंटवारे या सीमा निर्धारण को लेकर देश की निचली अदालतों में अंबार लगा हुआ है। इस तरह के मुकदमों के निपटारे में ग्राम पंचायत की कहीं कोई भूमिका तय हो तो शायद कोई स्थाई समाधान संभव हो सकता है। पंच परमेश्वर की अवधारणा कहीं इस तरह के मुकदमों के निपटारे में अधिक सहायक हो सकती है। स्थानीय स्तर पर समझाइस से इस तरह के मुकदमों पर शीघ्र निर्णय की एक संभावना बनती है। हो यह रहा है कि रेवेन्यू के मुकदमें अपील दर

> ■ **कुल लंबित सात करोड़ मुकदमों का करीब 87 फीसदी देश की निचली अदालतों में लंबित हैं**

अपील पीढ़ी दर पीढ़ी चलते रहते हैं और मामूली सा सीमा विवाद लंबी कानूनी प्रक्रिया में उलझ कर रह जाता है। मीडिया ट्रॉयल पर भी अंकुश की आवश्यकता है क्योंकि इससे कुछ हद तक निर्णय प्रभावित होने की संभावना बनती है।

हांलाकि इसमें कोई दो राय नहीं कि हमारे देश की अदालतों में ब्रिटेन आदि की अदालतों से कई गुणा अधिक मुकदमों की सुनवाई एक दिन में होती है। केन्द्रीय कानून मंत्री किरेन रिजूजू की माने तो इंग्लैण्ड में एक न्यायाधीश एक दिन में तीन से चार मामलों में निर्णय देते हैं जबकि हमारे देश में प्रत्येक न्यायाधीश औसतन प्रतिदिन 40 से 50 मामलों में सुनवाई करते हैं। यह इस ओर भी इंगित करता है कि हमारे देश में न्यायाधीशों के पास कार्यभार अधिक है। अधिक काम करने के बावजूद मुकदमों की संख्या कम होने का नाम ही नहीं लेती। पिछले कुछ समय से जिस तरह से पीएलआई को लेकर माननीय न्यायमूर्तियों द्वारा प्रतिक्रिया व्यक्त की जा रही है और जुर्माना भी लगाया जा रहा है इसके भी सकारात्मक परिणाम प्राप्त होने लगे है। इसी तरह से कोर्ट में केस दायर होने पर गवाह या याचिकाकर्ता के होस्टाइल होने को भी जिस तरह से अदालतों द्वारा गंभीरता से लिया जाने लगा है उसके भी परिणाम आने वाले समय में और ज्यादा सकारात्मक होंगे। न्यायालयों की मध्यस्थता के लिए भेजे जाने वाले मामलों में वादी–प्रतिवादी द्वारा गंभीरता नहीं दिखाने से भी हालात अधिक सुधरे नहीं है। केन्द्र सरकार अब मध्यस्थता कानून में इसी मानसून सत्र में आवश्यक संसोधित प्रावधानों के साथ पारित कराने के लिए गंभीर लगती है। देखा जाए तो अदालतों की सामान्य प्रक्रिया पर लोगों का विश्वास है। चारों तरफ से निराश और हताश व्यक्ति न्याय के लिए न्याय का दरवाजा खटखटाता है। ऐसे में गैरसरकारी संगठनों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि वे लोगों में अवेयरनेस लाएं और अदालत से बाहर निपटने वाले मामलों को बाहर ही निपटा लें। इसके लिए पूर्व न्यायाधीशों, पूर्व प्रशासनिक अधिकारियों, वरिष्ठ वकीलों व गैरसरकारी संगठनों या सामाजिक कार्यकर्ताओं की टीम बनाई जा सकती है जो इस तरह के मामलों को समझाइश से सुलझा सके। जिससे न्यायालयों का समय भी बचे और वादी प्रतिवादी का धन और समय बचने के साथ ही सौहार्द भी बना रह सके।

– डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

शहर से लेकर ग्रामीणांचल तक राखी की दुकानें सजी

पावटा कस्बे के बाजार में राखी खरीदती महिलाएं।

पावटा, (निसं)। रक्षाबंधन पर्व के लिए राखी की दुकानें सज गई हैं। त्योहार के लिए सजे बाजार में आई राखियां आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।

रक्षाबंधन पर्व पर बाहर रहने वाले भाइयों को अभी से राखियां भेजना शुरू कर दिया है। राखी के पर्व के लिये कपडे, मिठाई और ड्राईफूड से लेकर गिफ्ट आइटम बेचने वालों की दुकानों पर भी

> ■ **राखी के दामों में करीब 10 से 15 फीसदी का इजाफा**

रौनक दिखाई दे रही है। उच्च वर्गीय लोगों के लिये बाजार में सोने और चांदी की सुदंर कलात्मक राखियां भी उपलब्ध हैं। पर्व को लेकर नगर से लेकर ग्रामीणांचल तक राखी की दुकानें सज गई हैं। राखी व्यवसायियों के अनुसार इस बार बाजार में चीन निर्मित लोराए, सोफिया और रिया के अलावा ओमश्री अशोक चक्र, सहेली, जलाशीष और संगम मार्का राखियों की खासी बिक्री हो रही है। दुकानों पर लोगों की भीड लगनी शुरू हो गई है। चाइनीज और मुंबई निर्मित स्टोन की राखियों का बाजार में दबदबा है।

सोनिका ने कमाल की ड्रिब्लिंग कर दागा गोल

सादुलपुर, (निसं)। राष्ट्रमंडल खेलों में रविवार को भारतीय महिला हॉकी टीम ने बेहद रोमांचक मैच में गत चैंपियन न्यूजीलैंड को पेनल्टी शूटआउट में हराकर पहली बार इन खेलों में ब्रांज मैडल जीत लिया है। वहीं बेहद रोमांचक मैच के निर्धारित चार क्वार्टर पूर्ण होने तक दोनों टीमें एक–एक गोल की बराबरी पर थी। ऐसे में मैच का निर्णय पेनल्टी शूटआउट से होना था, जहाँ न्यूजीलैंड की टीम 1–० की बढ़त बना

चूरू जिले के गांव गालड की हॉकी खिलाडी सोनिका टांडी तिरंगे के साथ।

> ■ **पेनल्टी शॉट में सोनिका ने न्यूजीलैंड की गोलकीपर को छकाया**

चुकी थी और भारतीय टीम अपना पहला अवसर गंवा चुकी थी। ऐसे में चूरू जिले के अंतिम छोर पर स्थित सादुलपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव गालड की बिटिया सोनिका टांडी को पेनल्टी शॉट का अवसर मिला। जिसमें सोनिका ने कमाल की ड्रिब्लिंग करते हुए विपक्षी गोलकीपर को छकाते हुई गोल दागकर धमाल कर दिया। इसके बाद भारतीय गोलकीपर सविता ने अपने साहसिक प्रयासों से विपक्षी टीम को उभरने नहीं दिया। भारत ने पेनल्टी शूटआउट में मुकाबला 2–1 से जीतते हुई राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार महिला हॉकी में ब्रॉन्ज मैडल पर कब्जा कर लिया। मैच के अंतिम पडाव में सोनिका के गोल करते ही उसके पैतृक गांव गालड व आसपास के गाँवों में खुशी की लहर दौड गई। वहीं लोगों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया। हॉकी प्रेमी वेदपाल धानोठी ने बताया कि सोनिका टांडी बेहद प्रतिभाशाली खिलाडी है, जोकि पूर्व में भारत को एशिया कप जीताकर चूरू जिले व राजस्थान प्रदेश का नाम रोशन कर चुकी हैं।

पीबीएम के इमरजेंसी में डिहाइड्रेशन का इंजेक्शन तक नहीं

बीकानेर,(कास)। पलाना के हड़मानाराम को उल्टी–दस्त की शिकायत के बाद उनके परिजन पीबीएम के मेडिसिन इमरजेंसी लेकर पहुंचे। डॉक्टर ने मरीज के शरीर में पानी की कमी होना बताकर पर्ची पर डेक्सट्रोज इंजेक्शन लिखा। जब मरीज का रिश्तेदार गणपतराम इंजेक्शन लेने हॉस्पिटल के दवा वितरण केंद्र (डीडीसी) पहुंचा तो फार्मासिस्ट ने पर्ची पर नॉट अवेलेबल (एनए) लिख दिया। गणपतराम उदाहरण मात्र है, जिसे इमरजेंसी इंजेक्शन के लिए दर–दर भटकना पड़ा। हॉस्पिटल में रोजाना आने वाले सैकड़ों मरीज गणपतराम की तरह आधी–अधूरी दवाइयां लेकर अपने घर या मरीज के पास पहुंच रहे हैं।

शहर की डिस्पेंसरियों के हाल इससे भी बदतर है। यहां जुकाम, दर्द निवारक, एंटीबायोटिक सरीखी जरूरी दवाइयां भी नहीं मिल रही। शुक्रवार को मुफ्त दवा योजना की पड़ताल की तो चौकाने वाली तस्वीर सामने आई। चिंता की बात यह है कि संभाग के सबसे बड़े पीबीएम हॉस्पिटल में एंटीबायोटिक, दर्द निवारक इंजेक्शन, टेबलेट यहां तक की ब्लड़ प्रेशर और शुगर की दवाइयां भी नहीं मिल रही हैं। जबकि डीडीसी पर दवाइयों की उपलब्धता के लिए प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र से दवाइयों की खरीद के हेल्थ डिपार्टमेंट कई बार आदेश जारी कर चुका है। हैरानी की बात है कि पीबीएम हॉस्पिटल प्रशासन प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र की दवाइयों के स्थान

> ■ **डिस्पेंसरियों में पर्ची पर एनए लिख रहे**

पर निजी फार्मा कंपनियों की दवाइयां लेने में दिलचस्पी दिखा रहा है।

राज्य सरकार की ओर से करीब 1700 तरह की निशुल्क दवाइयां उपलब्ध करवाई जाती है। हालांकि बीकानेर में 1000 दवाइयों की जरूरत ही आमतौर पर पड़ती है। लेकिन इन दवाइयों में से मरीजों को करीब 30 फीसदी दवाइयां मिल नहीं रही। ऐसे में उन्हें बाहर से महंगी दवाइयां खरीदनी पड़ रही हैं। पीबीएम हॉस्पिटल और शहर की डिस्पेंसरियों में एमोक्सीलिन 625 टबलेट, साफक्स 200, सापलाक्सिन 250/500, एंटीकोल्ड, मेटफोर्मिन, डिक्लोफेनाक, सीट्राजिन, एजेडआई–250, सीपीएम, पोविडोन, एंटी कोल्ड सीरप, मेरोपेनम इंजेक्शन, ऑफलोक्स आरिनडाजोल टेबलेट, लिनेजोलिड, लैबटेलोल इंजेक्शन, पोविडोन सरीखी जरूरी दवाइयां नहीं मिल रही हैं। मरीजों की यह परेशानी रात को और ज्यादा हो जाती है, जब बच्चा और जनाना हॉस्पिटल में महिलाओं को दवाइयों के लिए हॉस्पिटल परिसर से बाहर जाना पड़ता है। पीबीएम हॉस्पिटल में रोजाना करीब 5 हजार मरीजों का आना–जाना होता है। ऐसे में दवाइयां नहीं मिलने से मरीजों को होने वाली परेशानी को समझा जा सकता है। स संबंध में हॉस्पिटल के सुपरिटेंडेंट डा. प्रमोद कुमार सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र को दवाइयों के लिए पहले चरण में करीब 20 लाख रुपए का ऑर्डर दिया था, लेकिन उसके जयपुर स्थित अधिकृत विक्रेता ने दवाइयों की शॉर्टेज बता दी। समय–समय पर दवाइयों की लोकल खरीद की जाती है, ताकि मरीजों को डीडीसी के अलावा कहीं भटकना नहीं पड़े। जो दवाइयां डीडीसी पर नहीं मिल रही है, उनकी लिस्ट मंगवाकर जल्द ही उनकी लोकल या सरकारी केंद्रों से खरीद कर मरीजों को राहत पहुंचाई जाएगी। सरकार 15 लाख रुपए बिना स्वीकृति दवा खरीद के लिए उपलब्ध करवाती है, जिसकी बिल करने के साथ ही दोबारा राशि मिल जाती है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 8 अगस्त, 2022

सावन मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2079, ज्येष्ठा नक्षत्र दिन 2:37 तक, ऐन्द्रयन योग प्रातः 6:55 तक, वणिज करण दिन 10:26 तक, चन्द्रमा आज दिन 2:37 से धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–कर्क, चन्द्रमा–वृश्चिक, मंगल–मेष, बुध–सिंह, गुरू–मीन, शुक्र–कर्क, शनि–मकर, राहु–मेष, केतु–तुला राशि में।

रवियोग दिन 2:37 तक है। कुमार योग दिन 2:37 से रात्रि 9:01 तक है। भद्रा दिन 10:26 से रात्रि 9:01 तक है। आज पवित्रा एकादशी, आज चतुर्थ सावन वन सोमवार व्रत वैधृति पूण्य है और कतल की रात (मु.) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:37 तक, शुभ 9:15 से 10:54 तक, चर 2:11 से 3:49 तक, लाभ–अमृत 3:49 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:58, सूर्यास्त 7:07

मेष

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। घर–परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा।

मिथुन

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिनचर्या में सुधार होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी।

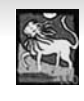

सिंह

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु

अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

मकर

आर्थिक व्यावसायिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। दिन के मध्यान्ह अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मीन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। शुभ–मांगलिक कार्यों भाग लेने का अवसर मिलेगा।

सरपंचों का महापड़ाव स्थगित, लेकिन आंदोलन जारी, एक गुट बैठा धरने पर

सरकार ने कुछ मांगों पर सहमति दी, कुछ पर होगा विचार

जयपुर, (का.प्र.)। ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री रमेश मीणा के मनरेगा कार्यों में अनियमितता के आरोपों से नाराज सरपंचों का महापड़ाव रविवार को स्थगित हो गया, हालांकि आंदोलन अभी जारी रहेगा। दरअसल सरपंचों के एक गुट ने महापड़ाव स्थगित करने का ऐलान कर दिया है, लेकिन इसी में शामिल कुछ सरपंच इस फैसले से नाराज हैं और वे सड़क पर ही धरने पर बैठ गए। दूसरी ओर सरकार से वार्ता के बाद कई मांगें मान ली गई हैं और जो अधूरी हैं उसे पूरी करने की मांग को लेकर संघ से जुड़े पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष और कार्यसमिति के सदस्य आंदोलन जारी रखेंगे।

पंचायती राज मंत्री रमेश मीणा को पद से हटाने सहित सरपंच संघ की 35 सूत्री मांग को लेकर राजधानी में महापड़ाव डाला था इनमें से कुछ मांगें मानने के बाद, जो मांग केंद्र सरकार से जुड़ी थीं, उसके लिए राज्य सरकार प्रक्रिया अपनाएगी। सरपंच की ओर से एनजीओ की ओर से जांच करवाने की खिलाफत को लेकर सरकार ने आश्वासन दिया कि अब एनजीओ के बजाय पुराने तरीके से ही जांच कराई जाएगी। हालांकि बीएसआर रेट पर पूर्व की तरह होने वाले टेंडर की प्रक्रिया वर्तमान में भी यथावत जारी रखने की मांग पर निर्णय नहीं हुआ है।

अब तक जो मांगे मानी गई हैं, उनके आदेश लिखित में सरपंच संघ मांग रहा है। रविवार को सरपंच संघ से जुड़े पदाधिकारियों ने आपस में बैठक कर यह तय किया कि महापड़ाव स्थगित कर दिया जाए और 24 अगस्त को वापस जयपुर में एक बड़ा महापड़ाव डाला जाए लेकिन कुछ पदाधिकारी इस फैसले से नाराज होकर कुछ सरपंच बैठक स्थल कर बाहर ही सड़क पर धरने पर बैठ गए।

सरपंच संघ के प्रदेश अध्यक्ष बंशीधर गढ़वाल ने बताया कि आगामी 17 अगस्त को प्रदेश कार्यसमिति की बैठक रखी जाएगी, जिसमें आगामी आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी। वहीं 24 अगस्त को वापस जयपुर में फिर महापड़ाव होगा। 24 अगस्त को होने वाले महापड़ाव में सरपंचों के साथ ही मनरेगा के कर्मचारी और मेट तक शामिल होंगे। इस दौरान सरपंच पूर्व की तरह अपना कार्य बहिष्कार जारी रखेंगे। हालांकि वर्तमान में मौजूदा प्रदेश पदाधिकारी और कार्यसमिति सदस्य कहां धरना देंगे अभी यह तय नहीं किया गया है क्योंकि प्रशासन की ओर से उसकी स्वीकृति नहीं मिली है। दूसरी ओर नागौर से जुड़े सरपंच चाहते थे कि उनके क्षेत्र में एक बीडीओ को हटा दिया गया था, उसे बहाल किया जाए लेकिन यह मामला कोर्ट में चल रहा है। सरपंच संघ पदाधिकारियों का कहना है कि सभी सरपंच अपनी मांग पत्र को लेकर एकजुट हैं।

उल्लेखनीय है कि पंचायती राज मंत्री रमेश मीणा ने 7 जिलों में हुए मनरेगा कार्यों की जांच के लिए कमेटी गठित की थी। इसकी रिपोर्ट आने के बाद मंत्री ने इन 7 जिलों में अनियमितता का आरोप लगाया था। रिपोर्ट में कहा गया था कि बाड़मेर, नागौर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, बीकानेर, झालावाड़ और उदयपुर में 150 करोड़ रुपए से 500 करोड़ रुपए तक की राशि का काम दिखाया गया जबकि उतना काम धरातल पर हुआ ही नहीं है। मीणा ने यह भी कहा कि मनरेगा में जिस काम का श्रमिकों को पैसा दिया गया वह काम धरातल पर नहीं है सर्वाधिक अनियमितता नागौर और बाड़मेर में हुई। मंत्री के बयान के विरोध में सरपंचों ने जयपुर में महापड़ाव डाला था जो सरकार से वार्ता के बाद अब स्थगित कर दिया गया है।

पूनिया ने किया महारुद्राभिषेक

जयपुर में रॉयल हवेली, स्टेच्यू सर्किल पर श्री शिव महापुराण कथा समिति की ओर से महारुद्राभिषेक कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने महारुद्राभिषेक किया। साथ ही 251 जोड़ों ने भी सामूहिक महारुद्राभिषेक किया। आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में कार्यक्रम में मौजूद सभी शिव भक्तों ने हाथों में तिरंगा लेकर हर घर तिरंगा अभियान को बड़े स्तर पर करने का संकल्प लिया।

जयपुर में मंत्री मुरारीलाल मीणा की बेटी की कार पानी में डूबी

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर के कई हिस्सों में रविवार को हल्की से तेज बारिश हुई। इस कारण मालवीय नगर में नंदपुरी अंडरपास में बारिश से पानी भर गया। जहां से गुजर रही मंत्री मुरारी लाल मीणा की बेटी की कार अंडरपास में भरे पानी में डूब गई। बता दें, यह कार मंत्री मुरारीलाल मीणा की बेटी निहारिका जोरवाल चला रही थी। निहारिका जोरवाल राजस्थान विश्वविद्यालय छात्रसंघ अध्यक्ष पद की उम्मीदवार है। मौके पर लोगों ने कार को डूबते देखा तो उन्होंने निहारिका को कार से बाहर निकाल लिया। जिसकी वजह से निहारिका की जान बच गई।

कावड़ यात्रा जैसे प्रतिबंध मोहर्रम पर लगाएं राज्य सरकार : लाहोटी

- **सांगानेर विधायक ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखा**
- **'कानून सबके लिए एक समान, मोहर्रम पर डीजे-ढोल व नगाड़ों तथा हथियारों के प्रदर्शन पर रोक लगे'**

जयपुर (कासं)। सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखकर कहा है कि राज्य सरकार ने जैसे सावन के पवित्र माह में कावड़ यात्रा पर प्रतिबंध लगाए, वैसे ही प्रतिबंध अब मोहर्रम पर भी लगाए। लाहोटी ने कहा कि कावड़ यात्रियों का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया गया। डीजे-ढोल व नगाडों पर प्रतिबंध लगाकर पारंपरिक निकलने वाली कावड़ यात्रा व हिन्दू सनातन धर्म के साथ कुठाराघात किया है। 9 जुलाई को मोहर्रम ताजियों के साथ विशेष समुदाय के द्वारा डीजे, सैकड़ों ढोल-नगाडों (जिसकी ध्वनी डीजे से भी कई गुना ज्यादा है) के साथ हजारों की तादात में एक साथ सड़कों पर जुलुस निकाले जाएंगे, इनमें हथियारों का प्रदर्शन व टयूबलाईटें फोड़ने का प्रदर्शन किया जाता है। अब राज्य सरकार इन पर भी रोक लगाए।

विधायक अशोक लाहोटी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र में आगे लिखा कि जैसे कावड़ ले जाने वाले श्रद्धालुओं का रजिस्ट्रेशन कराया, उसी प्रकार मोहर्रम-ताजियों के साथ जुलुस में निकलने वाले लोगो का भी रजिस्ट्रेशन कराये। ढोल-नगाड़ों की संख्या 4/6 की जाए और हथियारों के प्रदर्शन व टयूबलाईटें फोड़ने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। लाहोटी ने पत्र में आगे लिखा कि सांगानेर में 2 जुलाई को भगवान श्री जगन्नाथ की यात्रा निकलने वाली थी, जो कि सैकड़ों वर्षों से निकलती आ रही है, उसकी अनुमति भी जारी हो गई थी। इसके बाद पुलिस प्रशासन के द्वारा पुजारी के परिवार पर दबाव बनाकर निकलने वाली यात्रा को जबरन रूकवाया था। कल हुई सीएलजी की मीटिंग में सांगानेर व्यापार महासंघ समेत कई समाज समुदायों के प्रतिनिधियों ने राखी के त्यौहार के मध्य नजर सैकड़ों ढोल नगाड़ों के साथ ताजिया जुलुस मैन बाजार से निकलने पर कड़ा ऐतराज किया है। कानून सबके लिए एक समान हैं, इस पर विचार कर बहुसंख्यक हिन्दू समाज के साथ न्यासंगत निर्णय करे।

'ई.आर.सी.पी. को राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया जाए'

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में आयोजित नीति आयोग की शासी परिषद की सातवीं बैठक में केन्द्र सरकार से पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने सहित विभिन्न केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं में केन्द्र की आर्थिक सहायता बढ़ाने की मांग की है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान से जुड़े मुद्दों पर मजबूती से राज्य का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि ईआरसीपी 37,000 करोड़ रुपये की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिससे पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों में लगभग 2 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा मिल सकेगी।

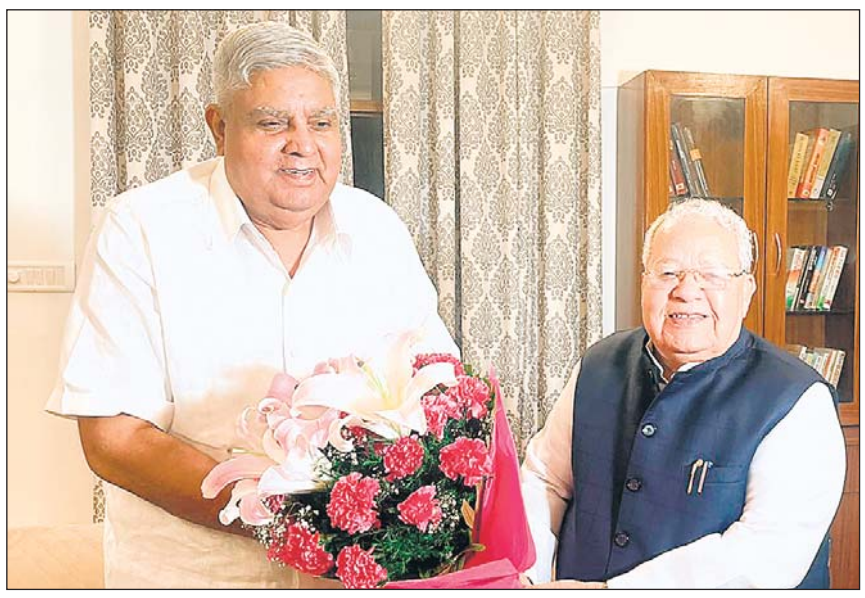

राज्यपाल कलराज मिश्र ने रविवार को नव निर्वाचित उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से व्यक्तिगत मुलाकात कर बधाई और शुभकामना दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि उप राष्ट्रपति के रूप में धनखड़ का कार्यकाल संवैधानिक परंपरा और मूल्यों को और दृढ़ता प्रदान करेगा।

कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने की जगह जस्टिफिकेशन ढूंढ रहे हैं : डॉ. पूनिया

- **मुख्यमंत्री बेतुके बयानों से राज्य में बढ़ते रेप के मामलों में अपनी सरकार की नाकामी से बच नहीं सकते हैं : राठौड़**

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने बयान देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री राजस्थान में महिला अपराधों पर रोक लगाने एवं न्याय दिलाने में लगातार असफल रहे हैं। कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने की जगह वह बढ़ते अपराधों का जस्टिफिकेशन ढूंढ रहे हैं।

उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने ट्वीट कर कहा कि फांसी की सजा के प्रावधान से रेप के बाद हत्या की घटनाओं के बढ़ने को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा दिया गया बयान दुर्भाग्यपूर्ण एवं शर्मनाक है। मुख्यमंत्री, जो गृह विभाग के मुखिया भी हैं वह बेतुके बयानों से राज्य में बढ़ते रेप के मामलों में अपनी सरकार की नाकामी से बच नहीं सकते हैं। राठौड़ ने कहा कि एनसीआरबी और पुलिस प्रतिवेदन के आंकड़े चीख-चीख कर कह रहे हैं कि राजस्थान दुष्कर्म के मामलों में देश में पहले पायदान पर है। राजस्थान में हर साल 2000 के करीब बच्चियों से रेप के मामले सामने आते हैं। जनवरी 2020 से जनवरी 2022 तक 4091 केस पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज हुए हैं। राठौड़ ने कहा कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार में नाबालिग से रेप के आरोपियों को फांसी की सजा के प्रावधान का कानून बना था। दुर्भाग्य है कि मासूम बच्चियों से रेप की घटनाओं पर अंकुश लगाने में विफल मुखिया जी अब फांसी की सजा के प्रावधान की ही खिलाफत कर रहे हैं। अगर हिम्मत है तो इस कानून के विरोध में विधानसभा में प्रस्ताव लेकर आएं तब हम उन्हें माकूल जवाब देंगे। राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में प्रतिदिन दुष्कर्म की 16 घटनाएं हो रही हैं और मुख्यमंत्री दुष्कर्म के 48 प्रतिशत मामलों को झूठा बता चुके हैं। मुखिया जी इस प्रकार की बयानबाजी करके बार-बार दुर्दांत बलात्कारियों के मनोबल को तोड़ने की बजाय बढ़ाने का कुकृत्य कर रहे हैं। यक्ष प्रश्न यह है कि जब गृहमंत्री ही रेप के मामलों को झूठा बताकर अपराधियों के लिए रेड कार्पेट बिछाएंगे तो फिर पुलिस की जांच का रूप क्या होगा?

प्रो. छीपा अध्यक्ष बने

जयपुर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति के चुनाव समिति के कार्यालय मधुकर भवन, न्यू कॉलोनी में संपन्न हुए। प्रोफेसर मोहनलाल छीपा को समिति का अध्यक्ष और प्रतापभानु सिंह शेखावत को महासचिव चुना गया है। निर्वाचन अधिकारी ओंकार सिंह लखावत ने बताया कि राजेंद्र सिंह शेखावत और श्याम सुंदर अग्रवाल उपाध्यक्ष, गजेंद्र सिंह ज्ञानपुरिया कोषाध्यक्ष, नीरज कुमावत सह सचिव निर्वाचित हुए हैं।

स्वामी विवेकानंद के चरित्र को जीवन में उतारें : मुक्तानंद अग्रवाल

जयपुर, (का.सं.)। रजिस्ट्रार, सहकारिता मुक्तानंद अग्रवाल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने हमेशा सर्वधर्म समभाव की बात की। उनके गुरु रामकृष्ण परमहंस भारत के इतिहास के अनोखे व्यक्ति थे। भारत एक आध्यात्मिक देश है। यहां अध्यात्म की कई विचारधाराएं प्रवाहित हुई है।

अग्रवाल रविवार को यहां रामकृष्ण मिशन परिसर में आजादी का अमृत महोत्सव और स्वामी विवेकानंद तथा रामकृष्ण मिशन की स्थापना के 125 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित यूथ कन्वेंशन एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के कारण रामकृष्ण परमहंस के बारे में विश्व ने जाना। विवेकानंद ने युवावस्था तक बहुत अध्ययन किया चाहे शास्त्र हो, चाहे दर्शन, अध्यात्म हो। उनमें प्रश्न पूछने की उत्कंठा थी वे एक जिज्ञासु और तार्किक थे, वे सत्य को जानने के लिए तह तक गए।

अग्रवाल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन शक्ति ही जीवन पर आधारित था। उन्होंने भय और निर्बलता का त्याग किया। उन्होंने निर्भयता से जीवन जिया। इसी निर्भयता से पूरे देश का भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद जैसे साहस व शक्ति की आज देश को जरूरत है।

उन्होंने कहा कि विवेकानंद का देश के प्रति समर्पण हम सभी के लिए सीखने के योग्य है। स्वामी विवेकानंद संन्यासी होते हुए संन्यास परंपरा से हट कर अपनी ऊर्जा को देश के लिए लगाया है। उन्होंने कहा कि धर्म दया है, पवित्रता है, साहस है इसके माध्यम से समाज एवं देश का उत्थान किया। उन्होंने आव्हान किया कि स्वामी विवेकानंद के जीवन चरित को अपने जीवन में उतारे।

वर्षा चारण ने कहा कि हमें हमारी सांस्कृतिक गौरव पर गर्व है। जब ब्रिटिश काल में भारत हीनता के दौर में था, तक विवेकानंद ने समाज में उत्थान व देश में जागरण का बीड़ा उठाया। वे पहले भारतीय थे, जिन्होंने विश्व बंधुत्व का संदेश दिया। उन्होंने भारत भ्रमण एवं विदेशी प्रवास के बाद राष्ट्रवाद की ज्वाला जलाई। स्वामी विवेकानंद के विचारों से स्वराज की नींव पड़ी और हजारों स्वतंत्रता सेनानीयों ने देश को आजाद करने में भूमिका निभाई।

प्रारंभ में रामकृष्ण मिशन के कार्यों से अवगत कराया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन एवं वेद पाठ से की गई। अतिथियों ने 21 एवं 24 जुलाई की हुई ड्रॉइंग और निबंध प्रतियोगिता में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले 30 छात्र - छात्राओं को पुरस्कार वितरित किए। रामकृष्ण मिशन, जयपुर के सचिव स्वामी देवप्रबानंद ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

रजिस्ट्रार, सहकारिता मुक्तानंद अग्रवाल ने रविवार को रामकृष्ण मिशन परिसर में स्वामी विवेकानंद तथा रामकृष्ण मिशन की स्थापना के 125 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतियोगिता में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार बांटे।

'भारतीय संस्कृति आधारित तंत्र की स्थापना अर्थात स्वतंत्रता'

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक शिक्षण प्रमुख स्वांत रंजन ने कहा कि भारत की जो पहचान है, संपूर्ण विश्व में उसको बढाने के लिए स्वाधीनता से स्वतंत्रता की ओर जाना होगा। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र स्थापित करना होगा जो हमारी सभ्यता और संस्कृति अनुकूल हो। स्वांत रंजन रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विद्याधर भाग की ओर से स्वराज-75 स्वाधीनता से स्वतंत्रता की ओर विषय पर आयोजित प्रबुद्धजन संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि अपने देश में फ्रेंच, डच, पुर्तगाली और अंग्रेज आए। इन्होंने अपनी ताकत के आधार पर भारत का आर्थिक शोषण किया। केवल आर्थिक शोषण ही नहीं, जो ईसाई देश थे, वहां की इसाई मिशनरियों ने इन ताकतों का सहयोग लेकर बड़े पैमाने पर हिन्दू समाज का मतांतरण किया। उन्होंने कहा कि तुर्क, पठान व मुगलों ने भी भारत को लूटने के लिए अनेक आक्रमण किए और तलवार के जोर पर धार्मिक स्थानों को लूटा, महिलाओं का शीलभंग किया और बड़े पैमाने पर मतांतरण किया। उन्होंने कहा कि मैकाले शिक्षा नीति के माध्यम से ऐसे लोगों को तैयार करना चाहते थे जो रक्त मांस से भारतीय हो लेकिन विचार व्यवहार से पश्चिमी हो। अंग्रेजों के आगमन से पूर्व भारतीय समाज शत प्रतिशत शिक्षित था। भारत में 5 लाख स्वायत्त विद्यालय थे, जिनमें बिना जातिभेद व लिंगभेद के अध्ययन, अध्यापन का कार्य होता था। लेकिन अंग्रेजों ने भारतीय शिक्षा तंत्र को नष्ट कर अपनी शिक्षा पद्धति हम पर थोपी। स्वाधीनता के बाद वामपंथियों व कम्युनिस्टों ने उस शिक्षा व्यवस्था को जानबूझकर बनाए रखा।

सबसे बड़े भूमि दानवीर हैं भगवान परशुराम : तिवाड़ी

जयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने भगवान परशुराम को दुनिया का सबसे बड़ा भूमि दानवीर बताते हुए कहा कि कश्मीर हो चाहे केरल और गोवा जैसा सुंदर समुद्र तट उन्हीं की देन है। तिवाड़ी ने अरुणाचल प्रदेश में विकसित हो रहे देश के पांचवे तीर्थस्थल परशुराम कुण्ड में विप्र फाउंडेशन के योगदान एवं भूमिका की भी सराहना की तथा कहा कि परशुराम कुण्ड क्षेत्र पूरे देश को एक सूत्र में जोड़ने का बड़ा प्रकल्प सिद्ध होगा। इस तीर्थाटन के विकसित होने से पड़ोसी देश चीन भी घबराया हुआ है।

तिवाड़ी आज विप्र फाउंडेशन जोन 1 की प्रदेश कार्यकारिणी के शपथग्रहण समारोह में बोल रहे थे। इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन की ओर से राज्यसभा सांसद चुने जाने पर तिवाड़ी, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष जितेन्द्र भारद्वाज और परशुराम कुण्ड स्थल पर स्थापित होने वाली 51 फिट की भगवान परशुराम की प्रतिमा के लिए सर्वसमाज से योगदान लेने में अग्रणी भूमिका निभाने वाले परमेश्वर शर्मा को सम्मानित किया गया। भाजपा से राज्यसभा सांसद तिवाडी ने विप्रों की अहम भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारे धार्मिक स्थल जागृत होंगे तो देश में भी जागृति और ऊर्जा का नया संचार होगा। हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष जितेन्द्र भारद्वाज ने संपूर्ण विप्र समाज को एक सूत्र में पिरोये जाने के लिए डाटा बैंक स्थापना की घोषणा करते हुए कहा कि यह नेककाज भी विप्र फाउंडेशन के बैनर तले होगा।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

NAME CHANGE I Army no 14583839A Ex Hav Pratap Singh S/O Ganpat Singh R/o Village post garh taknet teh shrimadhopur Dist. Sikar have changed my son/daughter name From NITENDRA SINGH & RENA KANWAR is Wrong Entered in service documents to NITENDRA SINGH BHATI & REENA KANWAR vide affidavit dated 5 Aug 2022 before district court Jaipur.

सूचना पंजीकृत संख्या क्रमांक 583 जयपुर/2004-2005, नवजीवन इंस्टिट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज, जयपुर नाम से मूल दस्तावेज जयपुर से लालसोट आते समय लालसोट बस स्टैंड में गुम हो गये, मिले तो सूचित करें। डॉ. भागीरथ मीना, नवजीवन हॉस्टिपल, लालसोट मो.नं. 9414078016

OFFICE OF THE GRAM PANCHAYAT DHANI NAGAN P.S. JOBNER (JAIPUR)

S.NO:2022-23/DHANINAGAN/181-3/48 DATE:03.08.2022

INVITATION OF E-TENDER YEAR 01/2022-23

On behalf of Governor of rajasthan invites open tender from eligible contractor for **ONE CONSTRUCTION WORK AT GP DHANI NAGAN** estimated total cost of work is Rs. 10.00 lakhs. Details available on www.sppp.rajasthan.gov.in and www.eproc.rajasthan.gov.in
UBIN NO. ZJP2223WSOB01314
Tender ID 2022_PRD_290709_1

Sarpanch GP DHANI NAGAN — VILLAGE DEVELOPMENT OFFICER GP DHANI NAGAN

लम्पी बीमारी से 500 से अधिक गायें मरी, 20 सदस्यों की टीम गुजरात से पथमेड़ा पहुंची

पिछले चार दिनों से पथमेड़ा में रोजाना 25 से 30 गायों की मौत हो रही है

सांचौर, (निसं)। सांचौर क्षेत्र में स्थित गौधाम पथमेडा जहां पर लंपी बीमारी की वजह से गौवंश खतरे में है। क्षेत्र में स्थाई इलाज के अभाव में पांच सौ से अधिक गोवंश की मौत हो गई है एवं गौशालाओं के समक्ष गायों को इस महामारी से बचाने की चुनौती पैदा हो गई है। पालडी स्थित गौशाला में सबसे अधिक इस महामारी से गोवंश शिकार हुआ है जिसमें करीब 350 के करीब गाय इस महामारी की चपेट में आ चुकी है। चिकित्सा विभाग की टीम लगातार प्रयास करके स्वस्थ गोवंश का टीकाकरण कर रही हैं।

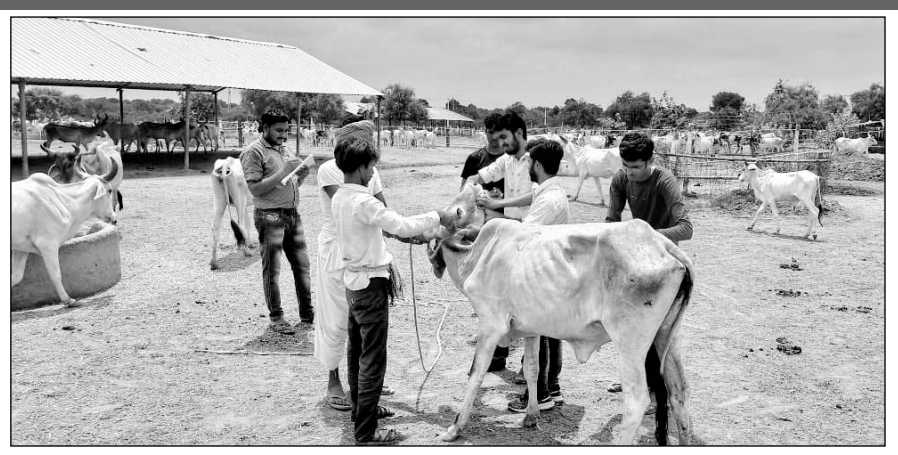

सांचौर के निकट गोधाम पथमेड़ा में गुजरात से आई चिकित्सा टीम ने गायों का टीकाकरण किया।

- पथमेडा की गौशालाओं में करीब दो हजार से अधिक गायों में संक्रमण फैला हुआ है

गोधाम पथमेडा में इस महामारी से गोवंश को बचाने के लिए गुजरात के धानेरा, थराद से पशु चिकित्सकों की 20 सदस्यों की टीम पहुंची व 2 दिन में करीब 3000 गोवंश का टीकाकरण किया है।

गोधाम पथमेडा की विभिन्न गौशाला में करीब, 2 हजार से अधिक गायों में संक्रमण फैला हुआ है। इन गोशालाओं में पहला केस 18 जुलाई को सामने आया था। इसके बाद से लगातार गायों में संक्रमण फैलता गया और गायों की मौत होना शुरू हो गई। गौवंश की मौत होने के बाद प्रशासन गौशाला प्रशासन एवं ग्रामीणों के सहयोग से गौशाला में टीम द्वारा लगातार कार्य किया जा रहा है जिससे इस महामारी को लेकर अब स्थिति काफी नियंत्रण में होने का दावा किया जा रहा है।

पथमेडा गोशाला के विट्ठल कृष्ण महाराज ने बताया कि 18 जुलाई को पहला केस सामने आने के बाद शुरू में तो प्रतिदिन चार से पांच गायों की मौत हो रही थी, लेकिन पिछले चार दिनों से रोजाना 25 से 30 गायों की मौत हो रही है। उन्होंने राज्य सरकार से इस बीमारी में गोवंश के लिए सहायता राशि के साथ दवाई देने की मांग की है। पशु पालन विभाग के नोडल अधिकारी डॉक्टर रामा भाई पटेल ने बताया कि क्षेत्र में लंपी स्किन बीमारी से करीब 1500 से ज्यादा गोवंश चपेट में है। इसको लेकर पशु पालन विभाग के डॉक्टरों की टीम लगाकर इलाज कर रही है।

उन्होंने बताया कि इसका अभी कोई टीका नहीं है। इससे बचाव ही उपचार है। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि जो भी पशु इस बीमारी का शिकार हुआ है उसे स्वस्थ पशु से दूर रखें। लंपी स्किन बीमारी अभी केवल गायों में ही फैल रही है।

गोधाम पथमेडा के संस्था प्रधान व संरक्षक स्वामी दत्त शरणानंद महाराज अहमदाबाद में चल रहे चातुर्मास को छोड़कर गौशालाओं का जायजा लेने के लिए सांचौर पहुंचे और उन्होंने विभिन्न गौशालाओं का दौरा करके गोवंश की हो रही मौत के मामले को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने प्रशासन एवं गौ भक्तों से इस पुनीत कार्य में गंभीरता से कार्य करने एवं गोवंश को बचाने का आव्हान किया। जिस पर प्रशासन अलर्ट होने के साथ-साथ गुजरात में अन्य जगहों से भी चिकित्सा का टीमों ने दौरा कर गोवंश के टीकाकरण का कार्य युद्ध स्तर पर शुरू किया।

भीषण सड़क हादसे में 4 की मौत, एक महिला पीबीएम अस्पताल में भर्ती

टक्कर में दोनों कारों के ड्राइवरों ने दम तोड़ा

बीकानेर, (कासं)। श्रीडूंगरगढ़ में कार और बोलेरो गाड़ी में जबर्दस्त टक्कर में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि एक महिला गंभीर हालत में पीबीएम अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में है। हादसा श्रीडूंगरगढ़ में पेट्रोल पंप के पास रविवार दोपहर करीब 4 बजे हुआ। हादसे के दौरान बोलेरो में सवार ड्राइवर व महिला दोनों की मौत हो गई। जबकि दूसरी कार में सवार पति की मौत हो गई जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल है। एक मृतक की पहचान नहीं हो पाई।

- हादसा श्रीडूंगरगढ़ में पेट्रोल पंप के पास रविवार दोपहर करीब चार बजे हुआ

इनोवा कार के ड्राइवर विनोद पुत्र जीवाराम व सुलोचना पत्नी महिपाल सिंह की भी मौत हो गई है। सुलोचना ने पीबीएम अस्पताल पहुंचते ही दम तोड़ दिया।

दूसरी कार में सवार संजय पुत्र ओमप्रकाश शर्मा की बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। इस कार के ड्राइवर की मौत मौके पर ही हो गई। जिसके शव को श्रीडूंगरगढ़ अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया है। इस मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। कार सवार शालिनी पत्नी संजय शर्मा पीबीएम अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में मौत से जंग लड़ रही है। मृतकों में एक कार के चालक की पहचान विनोद के रूप में हुई है। जो झुंझुनूं निवासी है। जबकि एक अन्य मृतक संजय जयपुर का रहने वाला है। दूसरी कार में सवार सुलोचना भी जयपुर की रहने वाली थी। मृतकों में संजय शर्मा बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष हैं। हादसे की जानकारी मिलने के साथ ही बीकानेर के कई वरिष्ठ वकील भी पीबीएम अस्पताल पहुंच गए।

बघेरे ने गाय का शिकार किया

निवाई, (निसं)। उपखंड के गांव बस्सी में शनिवार की रात को पहाडी पर स्थित बालाजी मंदिर के समीप बघेरे ने एक आवारा गाय का शिकार कर लिया। गाय का शिकार करने से ग्रामीणों में भय व्याप्त हो गया है। ग्रामीण खुशीराम पोसवाल गणेश पोसवाल व ईश्वर कसाना ने बताया कि शनिवार की रात को बघेरे पहाडी पर बनी हुई गुफा में एक आवारा गाय का शिकार कर लिया जिससे उसकी मौत हो गई।

विद्यालय में भरा पानी

निवाई, (निसं)। ग्राम पंचायत रजवास के राजकीय प्राथमिक विद्यालय बैरवा बस्ती में बरसात होने पर विद्यालय परिसर सहित कमरों में पानी भर जाता है। जिससे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को कई परेशानियां होती हैं।

प्रधानाध्यापिका ममता शर्मा ने बताया कि जब भी बरसात होती है तो विद्यालय के कमरों सहित सारे परिसर में पानी भर जाता है और विद्यालय एक तलाई के रूप में दिखाई देने लगता है। पानी भरने से बच्चों को शिक्षण कराना असंभव हो जाता है। विद्यालय के अध्यापक हनुमान गुर्जर ने बताया कि इस समस्या के समाधान के लिए कई बार सरपंच, शिक्षा विभाग, उपखण्ड अधिकारी और तहसील कार्यालय में स्थित बाढ नियंत्रण कक्ष के माध्यम से भी अधिकारियों को अवगत करवा चुके हैं लेकिन अभी तक भी बच्चों की समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि कई बच्चे इस परेशानी के चलते नियमित स्कूल आने से भी किनारा करने लगे हैं।

बॉर्डर और छावनी एरिया के पास नहीं उड़ सकेंगे ड्रोन

बीकानेर, (कासं)। सेना ने कहा है कि छावनी एरिया और बॉर्डर पर ड्रोन उड़ाने पर पाबंदी लगाई जानी चाहिए। ड्रोन

- सैन्य संपर्क सम्मेलन में सेना और प्रशासन के बीच कई मुद्दों पर चर्चा

एक्टिविटी से सुरक्षा में बाधा उत्पन्न होती है साथ ही गोपनीयता भी भंग होती है। बॉर्डर पार से हो रही मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने की दिशा में ठोस कदम उठाने पर भी चर्चा हुई।

सेना की रणबांकुरा डिवीजन में नागरिक सैन्य संपर्क सम्मेलन के दौरान सेना, बीएसएफ, एयर फोर्स और आईबी के अधिकारियों ने प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों के साथ आंतरिक सुरक्षा के मुद्दों पर चर्चा के साथ ही साइबर क्राइम की बढ़ती वारदतों पर चिंता जाहिर की। इसके साथ ही सेना में अगले महीने होने वाली अग्निवीरों की भर्ती को लेकर विचार विमर्श किया। भर्ती में हजारों की संख्या में युवक भाग लेंगे। उनके आवागमन के साधनों और सुरक्षा संबंधी उपायों पर बातचीत की गई। इसके अलावा पूर्व सैनिकों के कल्याण के मुद्दे भी उठे। सम्मेलन का उद्देश्य कार्यात्मक और योजना दोनों स्तरों पर अधिक समन्वय और तालमेल हासिल करना था। संभागीय आयुक्त नीरज के पवन, आईजी ओम प्रकाश, बीएसएफ डीआईजी पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़, एसपी योगेश यादव, एएसपी अमित कुमार सहित आईबी, सेना और एयर फोर्स के प्रतिनिधि बैठक में शामिल हुए। सैन्य प्रवक्ता के अनुसार यह बैठक राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास की दिशा में काम करने के लिए सेना और प्रशासन के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों में एक मील का पत्थर है।

केसरिया शाही ध्वज चढ़ने के साथ डिग्गी लक्खी मेले का समापन

डिग्गी मेले के समापन अवसर पर पदयात्रा का शाही ध्वज मंदिर शिखर पर चढ़ाया गया।

मालपुरा/डिग्गी, (निसं)। जयपुर ताड़केश्वर मंदिर से तीन अगस्त को शुरू हुई 57वीं लक्खी पदयात्रा के केसरिया शाही ध्वज के डिग्गी पहुंचने पर डिग्गी कल्याण मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष व उपखण्ड मजिस्ट्रेट रामकुमार वर्मा सहित एएसपी राकेश कुमार बैरवा, डीवाईएसपी सुशील मान, एडीएम प्रभातीलाल जाट, रामदास ट्रस्ट अध्यक्ष ठाकुर रामप्रताप सिंह व मंदिर ट्रस्टियों ने लक्खी पदयात्रा के शाही निशान का भव्य स्वागत किया।

- मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष ने की केसरिया ध्वज की अगवानी
- गाजे-बाजे से निकला जूलूस, पांच दिन में छह लाख से अधिक कल्याण भक्तों ने दर्शन किये

गंगोत्री से लाये पवित्र जल से कल्याणधणी की प्रतिमा का अभिषेक व केसरिया ध्वज मंदिर शिखर पर चढ़ने के साथ 57वें लक्खी मेले का समापन हुआ। पदयात्रा संयोजक श्रीराम लौहे वाले व राष्ट्रीय कथावचक वैभव श्रीजी, भारत तिब्बत संवादमंच के भारती वैष्णव व संदीप कुमार की अगुवाही में डिग्गी पहुंचे केसरिया ध्वज के साथ डिग्गी कस्बे में भव्य शोभायात्रा निकाली गई जहां कल्याण भक्तों पर पुष्प वर्षा की गई। नाचते-गाते पदयात्रियों व कल्याण भक्तों ने मंदिर पहुंच दरबार में ढोक लगा मनोतियां मांगी। पदयात्रा संयोजक सहित ट्रस्ट अध्यक्ष ने गंगोत्री के पवित्र जल से वैदिक मंत्रों के साथ डिग्गी कल्याणजी महाराज की प्रतिमा का जलाभिषेक कर मंदिर के शिखर पर केसरिया ध्वज चढ़ाया।

डिग्गी कस्बा कल्याणजी के प्रिय व पवित्र वस्त्र केसरिया के रंग में रंग गया। पांच दिन में मेले में देश व प्रदेश से पहुंचे 6 लाख से अधिक कल्याण भक्तों ने कतारबद्ध श्रीजी के दर्शन किये। स्थानीय पुलिस व प्रशासन द्वारा मेले के दौरान पदयात्रियों की सुरक्षा के लिए किये गये चाक-चौबंद बंदोबस्त किए थे।

विजय सागर तालाब पर कड़े सुरक्षा पहरे में श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। तो 2 लाख से अधिक भक्तों ने डिग्गी नुक्कड चौराहे से मंदिर तक 3 किमी. तक आस्था की कनक दण्डवत की। रविवार को अवकाश के चलते डिग्गी में मेला पूर्ण परवान पर रहा। डिग्गी की ओर आने वाले सभी रास्तो पर कल्याण भक्त हाथो मे केसरिया ध्वज लिये कल्याण महाराज के जयकारे लगाते धर्मनगरी डिग्गी पहुंचे।

नाबालिग से दुष्कर्म का मामला दर्ज

उनियारा/चौरू, (निसं)। उनियारा उपखंड अलीगढ़ पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत पीड़ित नाबालिक पुत्री के पिता

- पड़ोस में रहने वाला युवक घर पर आ गया एवं बालिका के साथ दुष्कर्म किया

ने अलीगढ़ पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया है कि मेरी नाबालिग पुत्री शनिवार शाम को घर पर अकेली थी उसे देखकर शाबाश उर्फ फोदू पुत्र सलीम मोहम्मद ने उसके साथ दुष्कर्म किया है। अलीगढ़ थाना प्रभारी नाहर सिंह मीणा ने बताया कि पीड़ित बालिका के पिता ने बताया कि मैं और मेरी पत्नी खेत पर काम करने गए हुए थे इस दौरान घर पर मेरी पुत्री को अकेला देखकर पड़ोस में रहने वाला युवक घर पर आ गया एवं बालिका के साथ दुष्कर्म किया। पीड़ित बालिका ने शाम को अपनी मां से अपने साथ हुई घटना की आपबीती बताई। इस पर पीड़ित बालिका के पिता ने अलीगढ़ थाने पर पहुंचकर मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

खाटूश्यामजी जा रही बस पलटी, 17 जने घायल

घायलों का रींगस सीएचसी में उपचार किया गया।

रींगस, (निसं)। खाटू श्यामजी के दर्शनों के लिए नोएडा से आ रही एक बस राजमार्ग पर दूसरे वाहन के साइड दबाने से बचने के प्रयास में पलट गई।

दुर्घटना में 17 लोग घायल हो गये। घायलों में से एक को जयपुर रैफर किया गया है। जानकारी के अनुसार नोएडा से एक बस में श्याम श्रद्धालु सवार होकर खाटू श्यामजी आ रहे थे। सुबह सात बजे यहां पर राजमार्ग पर रीको मोड पर बस से आगे चल रहे एक अन्य साधन ने साइड दबा दी। दुर्घटना से बचने के प्रयास में वाहन चालक ने बस को घुमाया तो पलटी खा गई। बस के पलटने से 17 श्रद्धालु घायल हो गये इन्हें रींगस सीएचसी में भर्ती करवाया गया जहां से एक को जयपुर रैफर कर दिया गया। घायलों में ओमप्रकाश चौहान, कौशल चौहान, सुभी चौहान, सुहानी चौहान, सुमन चौहान, पीहू चौहान, मानसी चौहान, चमन सिंह, विमला, राखी, ज्योति, काजल, कशिश, रेणु चौधरी, सतीश चौधरी द्ध सुमन चौहान शामिल है। पुलिस ने वाहन को सड़क से हटा कर मार्ग खुलवाया।

घग्घर नदी के पानी से सिंचाई कर रहे किसान

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले के अंदर से गुजरने वाली अंतर्राष्ट्रीय बरसाती नदी में एक दशक बाद इस बार लगातार 16 दिनों से पानी प्रवाहित हो रहा है। इससे हनुमानगढ़-श्रीगंगानगर जिले के लगभग 1 लाख हेक्टेयर में खड़ी धान और नरमा की फसलों को लाभ हुआ है। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के अनुसार वर्ष 2019 में लगातार 9 दिन पानी चला था। इस बार 22 जुलाई को घग्घर में पानी की आवक शुरू हुई और लगातार लगभग 2 हजार से 5 हजार क्यूसेक नाली बैड में चलाया जा रहा है। सबसे ज्यादा लाभ धान उत्पादक किसानों को हुआ है।

किसान धान के खेतों में घग्घर के पानी से सिंचाई कर रहे हैं। घग्घर के पानी से सिंचाई करने से धान की पैदावार 15 से 20 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। सेम नाला में भी घग्घर का पानी छोड़ने से नरमा की फसलों में भी किसानों ने सिंचाई की है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार भूमिगत जल स्तर में भी बढ़ोत्तरी हो रही है। प्रत्येक वर्ष 10 से 15 दिन पानी चलता है, लेकिन पानी की निरंतरता नहीं रहने के कारण अंतिम छोर पर नहीं पहुंच पाता। इस बार पानी पाकिस्तान पहुंचने की संभावना है।

हिमालय का पानी घग्घर के माध्यम से हनुमानगढ़ आता है। गुलाचिका से शुरू हुआ पानी हरियाणा होते हुए राजस्थान में प्रवेश करता है। शनिवार को गुल्लाचिका से 6950 क्यूसेक पानी की आवक बढ़ गई। इसी तरह घग्घर नदी में भी 650 क्यूसेक पानी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। जानकारी के अनुसार गुल्लाचिका से 4620 क्यूसेक पानी प्रवाहित हो रहा था जो शनिवार को बढ़ कर 11 हजार 550 क्यूसेक हो गया। जयनारायण बेनीवाल, पूर्व उपनिदेशक कृषि (विस्तर), हनुमानगढ़ का कहना है कि 'घग्घर नदी में आने वाला पानी धान की फसल के लिए लाभदायक होता है। घग्घर के पानी से सिंचाई करने से खाद की भी जरूरत नहीं रहती।

धौलपुर में हुई भारी बारिश, सड़कें बनी दरिया

बारिश के बाद दर्जनों दुकानों और शहर के निचले इलाकों में पानी भर गया।

धौलपुर (निस)। धौलपुर शहर सहित जिलेभर में रविवार को सुबह से दोपहर तक भारी बारिश हुई। जिससे सड़कें दरिया बन गई और लोगों को आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि बरसात से लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

- सुबह से शुरू हुआ बारिश का दौर दोपहर तक चलता रहा

सिंचाई विभाग धौलपुर के पपेन्द्र मीणा ने बताया कि रविवार को धौलपुर शहर में 67, बाड़ी में 17, बसेड़ी में 12, सैंपऊ 96, राजाखेड़ा में 15, तालाबशाही में 17, उर्मिला सागर में 9 एवं आंगई में 6 एमएम बारिश दर्ज की गई है। रविवार को सुबह से ही आसमान में काले बादल छाए हुए थे और दिन में भी रात जैसा अंधेरा हो रहा था।

सुबह करीब 10 बजे से तेज बारिश का दौर शुरू हुआ, जो दोपहर तक चला। इस दौरान भारी बरसात हुई। जिससे धौलपुर शहर की सड़कें दरिया बन गई। जिसकी वजह से लोगों को आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं दर्जनों दुकानों और धौलपुर शहर के निचले इलाकों में भारी पानी भर गया। जिससे लोगों को भारी परेशानी हुई।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत और राज्य मंत्री चौधरी ने लंपी स्कीन डिजीज का फीडबैक लिया

एक-एक वॉट्सऐप ग्रुप पांचों जिलों में बनाया जाए, जिस पर ग्रामवासी सीधा सूचित करें

जोधपुर, (कासं)। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत और केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने राजस्थान में गोवंश में फैले खतरनाक संक्रामक रोग लंपी वायरस संक्रमण के संदर्भ में आज स्थानीय डीआरडीए हॉल में जोधपुर, पाली, जालौर, जैसलमेर बाड़मेर के विविध जिलों के सक्षम अधिकारियों से विस्तार से चर्चा कर जानकारी ली। लंपी स्कीन डिजीज बीमारी की रोकथाम हेतु गए उपायों के बारे में फीडबैक लिया। समाधान करने के लिए राजस्थान सरकार से भी आग्रह किया ताकि पशु पालकों को राहत दी जा सके।

इस दौरान राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत मौजूद रहे। शेखावत ने मुख्यमंत्री से लंपी वायरस के कारण अपना पशुधन गंवाने वाले पशुपालकों और किसानों को मुआवजा देने का आग्रह किया।

रविवार को बैठक के बाद मीडिया के साथ अनौपचारिक बातचीत में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि गुजरात के रास्ते से आकर पिछले दो महीने में पश्चिमी राजस्थान के लगभग सभी जिलों में लंपी वायरस कहर बरपा है। हजारों गायों की मौत हो चुकी है। यदि पश्चिमी राजस्थान का आंकड़ा उठाकर देखें तो लगभग एक लाख से ज्यादा पशुधन इससे संक्रमित हुआ है। यह आंकड़ा निरंतर बढ़ता जा रहा है।

जोधपुर के डीआरडीए हॉल में मंत्रियों ने लंपी स्कीन बीमारी को लेकर जानकारी ली।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ऐसे सारे मृतक पशुओं का मुआवजा राजस्थान सरकार को गरीब लोगों, पशुपालकों और किसानों को देना चाहिए। मैं मुख्यमंत्री से आग्रह करूंगा। उन्हें पत्र लिखकर हम सभी लोग आग्रह करेंगे कि तुरंत इस पर निर्णय लेकर प्रभावित पशुपालकों को मुआवजा देना चाहिए।

शेखावत ने कहा कि हम लगातार जिला प्रशासन और राज्य सरकार के साथ बातचीत कर रहे हैं इस बीमारी की किस तरह से रोकथाम की जा सके। वर्तमान स्थिति और हालात पर एक बार पूरे विस्तार से चर्चा कर अधिकारियों को निर्देश दिये हैं।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि हमको टेक्नोलॉजी का सहारा लेना होगा। एक-एक वॉट्सऐप ग्रुप पांचों जिलों में बनाया जाए, जिस पर ग्रामवासी सीधा सूचित कर सकें। वीडियो कॉल के माध्यम से गांव के जनप्रतिनिधि संक्रमित पशु का एक बार डॉक्टर से निरीक्षण कराएं और तुरंत उपचार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि दवाइयों की खरीद के लिए सरकार ने पैसा दिया है, उसका भी समुचित उपयोग हो।

मीडिया और सरकारी आंकड़ों में फर्क होने के सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि निश्चित रूप से फर्क है। सरकारी आंकड़ों की समीक्षा में यह विषय संज्ञान में आया है। अब तक केवल 20 प्रतिशत पशुधन का ही सर्वे हो पाया है। जोधपुर, बाड़मेर और जैसलमेर में ही लगभग 25-30 लाख के बीच गायों की जनसंख्या है, लेकिन अब तक चार लाख के आस-पास का सर्वे हुआ है। सरकार का आंकड़ा चार लाख के अनुपात में है, बाकी आंकड़ा 6-7 गुना अधिक तक हो सकता है, जो मीडिया ने अपने स्तर से इकट्ठा किया है।

- 'हालात जितना सरकार ले रही है, उससे कहीं ज्यादा गंभीर और चिंताजनक'

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हालात जितना सरकार ले रही है, उससे कहीं ज्यादा गंभीर और चिंताजनक हैं। जिला कलेक्टर अपने-अपने जिले में अधिकारियों को लगाकर हरेक गांव में कितना पशु संक्रमित हुआ है, कितनी गाय मरी हैं, उसका आंकड़ा और सूचना एकत्रित करें।

2 करोड़ का जेवरात चोर हैदराबाद भागने से पहले पुलिस के हत्थे चढ़ा

लाखों रुपये का कर्ज चुकाने के लिए की थी नकबजनी की वारदात

जयपुर (कासं)। ब्रह्मपुरी इलाके में एक जवाहरात की गद्दी से 2 करोड़ रुपए के डायमंड, नगीना, नीलम और पन्ना जैसे 23 किलो जेवरात चुराने वाले मुख्य आरोपी मोहम्मद वसीम को जयपुर पुलिस ने दबोचा है।

नार्थ स्पेशल टीम और ब्रह्मपुरी

- **पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 23 किलो नगीना, पुखराज, नीलम, माणक और पन्ना बरामद किया**

थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई कर इस शातिर बदमाश को ढूंढा है। आरोपी वसीम चोरी का 23 किलो तैयार नगीना, नीलम, पुखराज माणक व पन्ना हैदराबाद ले जाने की फिराक में था।

डीसीपी नॉर्थ परिस देशमुख ने बताया कि आरोपी अपने साथी के साथ चोरी की वारदात को अंजाम देकर यहां से फरार हो गया और घर में चोरी किए गए माल को छुपा दिया। इसके बाद पुलिस ने करीब 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे खंगाले और करीब 100 से ज्यादा संदिग्धों से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान सामने आया कि गद्दी पर काम करने वाले पूर्व कर्मचारियों की मिलीभगत से आरोपी वसीम ने रैकी कर चोरी की इस वारदात को अंजाम दिया था। रैकी करने के लिए अपने एक साथी को इस्तेमाल किया और फिर योजना बनाकर जवारात की गद्दी में प्रवेश किया। सीसीटीवी कैमरे गद्दी पर लगे हुए थे। आरोपी ने उन्हें ऊपर कर दिया और कटर मशीन से ताले काटकर तैयार माल को चुराकर फरार हो गया।

पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी वसीम पर लाखों रुपए का कर्जा हो गया था। आरोपी पहले अपने कई बिजनेस कर चुका था, लेकिन सभी बिजनेस बंद हो गए थे। इसके चलते आरोपी पर लाखों रुपए का कर्जा हुआ। इस कर्ज को चुकाने के लिए आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया। आरोपी चोरी के माल को हैदराबाद ले जाने की फिराक में था। इसके लिए आरोपी ने फ्लाइट की टिकट भी करा लिए थे। लेकिन उससे पहले ही नॉर्थ जिले की स्पेशल टीम को आरोपी के बारे में सूचना मिल गई। सूचना पर पुलिस ने दबिश देते हुए आरोपी मोहम्मद वसीम को आदर्श नगर इलाके से दबोच लिया। हालांकि अभी भी इस मामले में दो आरोपी फरार चल रहे हैं। आरोपी से पूछताछ में शामिल अन्य साथियों की तलाश में जुट गई है। बता दें कि 24 जुलाई को ब्रह्मपुरी थाना इलाके के माउंट रोड स्थित जावरा की गद्दी पर नकबजनी की वारदात हुई थी।

जयपुर नार्थ स्पेशल टीम और ब्रह्मपुरी थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई कर 2 करोड़ रुपये के जवाहरात चुराने वाले मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया।

आरयू में टंकी से दूसरे दिन भी नीचे नहीं उतरे तीनों छात्र

- **छात्रसंघ चुनाव की तारीख आगे बढ़ाने का आश्वासन लिखित में देने की मांग पर अड़े विद्यार्थी**

जयपुर (कासं)। छात्र संघ चुनाव की तिथि आगे बढ़ाये जाने की मांग को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) का विरोध लगातार जारी है। परिषद के कार्यकर्ताओं ने रविवार को जब सिविल लाइंस फाटक पर प्रदर्शन करने का ऐलान किया तो विवि. प्रशासन ने राजस्थान विवि. के गेट ही बंद कर दिए, जिससे परिषद के कार्यकर्ताओं के वाहन विवि परिसर में ही फंस कर रह गए। ऐसे में कार्यकर्ताओं ने विवि परिसर में मुख्यद्वार पर जमकर राज्य सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारे लगाए और धरने पर बैठ गए।

दूसरी ओर से शनिवार दोपहर तकरीबन एक बजे विवि. में पानी की टंकी पर चढ़े तीन कार्यकर्ताओं ने भी लिखित आश्वासन मिलने तक नीचे उतरने से इंकार कर दिया है। गौरतलब है कि परिषद के तीन कार्यकर्ता नरेंद्र यादव, मनु दाधीच और राहुल मीणा शनिवार दोपहर तकरीबन एक बजे अपने गले में सांकेतिक फांसी लगाते हुए विवि परिसर में एक पानी की टंकी पर चढ़ गए और लिखित आश्वासन मिलने तक नीचे आने से इंकार कर दिया। इनका कहना था कि जब तक उन्हें सरकार ने छात्र संघ चुनाव की तिथि आगे बढ़ाए जाने का लिखित आश्वासन नहीं मिलता, वह नीचे नहीं आएंगे। कल से कई बार विवि. प्रशासन से वार्ता का दौर चलने के बाद भी अब तक उनकी मांगों पर कोई सकारात्मक निर्णय नहीं होने पर तीनों ने टंकी से नीचे आने से इंकार कर दिया।

अपने समर्थकों के साथ टंकी पर चढ़े छात्र नेता नरेंद्र यादव ने कहा कि जब तक सरकार 100 फीसदी एडमिशन की प्रक्रिया पूरी नहीं कर लेती। छात्रसंघ चुनाव नहीं होने चाहिए, क्योंकि ऐसा करने से लोकतंत्र के महापर्व में छात्र शामिल नहीं हो सकेंगे। अगर सरकार ने फिर भी ऐसा किया तो हम आत्मदाह कर लेंगे।

गौरतलब है कि राजस्थान सरकार ने प्रदेश में 26 अगस्त को छात्र संघ चुनाव का ऐलान किया हैएलेकिन विवि में एडमिशन की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है। ऐसे में छात्रसंगठन लगातार चुनाव की तिथि आगे बढाने की मांग कर रहे थे लेकिन पिछले दिनों उच्च शिक्षा मंत्री राजेंद्र यादव ने 26 अगस्त को ही चुनाव कराने का बयान दिया था। जिसके बाद छात्रों ने सरकार के खिलाफ विरोध शुरू कर दिया है। पिछले कई दिनों से परिषद का तिथि आगे बढ़ाए जाने सहित कई अन्य मांगों को लेकर कैम्पस में धरना चल रहा था लेकिन अब सरकार के फैसले के खिलाफ परिषद कार्यकर्ता पानी की टंकी पर चढ़ गए हैं। एबीवीपी का कहना है कि छात्रसंघ चुनाव 26 अगस्त को होने हैं, लेकिन विवि में प्रवेश प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। 16 अगस्त को विवि में कोड ऑफ कंडक्ट लागू हो जाएगा जिसके बाद विवि में भी किसी प्रकार के एडमिशन नहीं हो सकेंगे। 18 अगस्त से चुनाव प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। इस दिन मतदाता सूची जारी होनी है। स्नातकोत्तर तक के स्टूडेंट्स की प्रवेश परीक्षा के परिणाम ही 17 अगस्त को आना प्रस्तावित हैं, लेकिन एडमिशन नहीं होने से बहुत से विद्यार्थी इसमें शामिल न हो सकेंगे।

सार-समाचार

वार्ड 42 के पार्षद कार्यालय का उद्घाटन

जयपुर (कासं)। ग्रेटर निगम के वार्ड 42 के पार्षद वीरेन्द्र सिंह शेखावत के कार्यालय का उद्घाटन रविवार दोपहर विद्याधर नगर विधायक नरपत सिंह राजवी और महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने किया। समारोह में विशिष्ट अतिथि जयपुर शहर के सांसद रामचरण बोहरा, उप महापौर पुनीत कर्णावट और भाजपा जयपुर शहर अध्यक्ष राघव जी शर्मा रहे। खातीपुरा में खिरणी फाटक, आरओबी(पुलिया) के नीचे बने इस कार्यालय के उद्घाटन पर वार्ड के हजारों लोग भी मौजूद थे। समारोह में अतिथियों ने आमजन से आग्रह किया कि स्वतंत्रता दिवस पर अपने-अपने घरों पर तिरंगा झंडा जरूर फहराएं।

यूनियन फुटबाल क्लब ग्राउंड की सफाई

जयपुर (कासं)। रामनिवास बाग जयपुर में यूनियन फुटबॉल क्लब ग्राउंड नं. 2 पर 10 अगस्त से होने वाली राजस्थान लीग (द्वितीय डिवीजन) की तैयारियां जोर -शोर से चल रही है। जेडीए प्रशासन के सहयोग से खेल मैदान में खरपतवार निकाल कर घास की कटाई-सफाई और मार्कड लाइनिंग की जा रही है। कोऑर्डिनेटर अभिनव स्वामी ने बताया कि आर लीग कराने के लिए यूनियन फुटबॉल क्लब ने राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन को खेल मैदान नि:शुल्क दिया है तथा क्लब मदर ऑफ फुटबॉलर्स का खिताब महफूज रखने का सफल प्रयास कर रहा है।

नरसिंह मंदिर में बही भजनों की बयार

जयपुर। खाटू श्याम सेवा परिवार नंदपुरी सोडाला के तत्वावधान में नरसिंह मंदिर पुरानी बस्ती जयपुर में रविवार को वार्षिकोत्सव व भजन रस गंगा आयोजित हुई। कार्यक्रम संयोजक मंडल अध्यक्ष सोनिया कौशिक ने बताया कि श्याम बाबा का भव्य दरबार लगाया गया और छप्पन भोग की झांकी सजाई गई। कार्यक्रम में सभी कलाकारों ने बाबा को अपनी सुमधुर वाणी से खूब रिझाया। कार्यक्रम में नरसिंह मंदिर पीठाधीश्वर महंत अवधेश दास महाराज, मंडल संरक्षक नितिन बुडानिया, लोकेश सिंह, कुसुम सैनी, विनोद शर्मा, डॉ. नरेन्द्र चौधरी, पूनम गुप्ता, उषा जैन, इन्द्रा पालीवाल, एकता नागवंशी और नीलू प्रकाश समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे।

शिविर में 251 यूनिट रक्तदान

जयपुर (कासं)। स्वेज फार्म सोडाला स्थित श्याम मैरिज गार्डन में रविवार को समाजसेवी रामदास पंवार की प्रथम पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। शिविर में लोगों ने 251 यूनिट रक्त दान किया। शिविर का आयोजन गिरीश सैनी और राहुल सैनी ने किया था। मुहाना फल-सब्जी मंडी के अध्यक्ष राहुल तंवर ने भी कार्यक्रम में पहुंचकर रक्तदाताओं की हौसला अफ़जाई की और खुद भी रक्तदान किया। इस अवसर पर संजय सैनी, जतिन सैनी और सौरभ कटारिया मौजूद थे।

हिंगोनिया गौशाला में किया पौधारोपण

जयपुर। रोटरी क्लब और बेस्ट केपिटल की ओर से रविवार को हिंगोनिया गौशाला में पौधारोपण किया गया। रोटरी क्लब के अध्यक्ष अरुण बगडिय़ा ने बताया कि गौशाल में छायादार व फलदार पौधे लगाए है। इन पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड भी भेंट किए जाएंगे। बारिश के दौरान शहर के स्कूलों, मोक्षधाम, पार्कों सहित अन्य जगाहों पर एक हजार पौधे लगाने का संकल्प लिया गया है। इस अवसर पर रोटरी क्लब के सचिव डॉ. रोहन गुप्ता, विष्णु बिरला, मनोज काल्या, सुशिल गोयल, संतोष गुप्ता, रामविलाश शर्मा, इंद्र सिंह भाटी, पंकज विजयवर्गीय, विशाल, सतिश सहित अन्य मौजूद रहे।

शिविर में 500 लोगों ने लगवाई वैक्सीन

जयपुर (कासं)। झोटवाड़ा विधायक एवं कृषि मंत्री लालचन्द कटारिया की प्रेरणा से वैशाली नगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने रविवार को कोविड वैक्सीनेशन का महाशिविर लगाया। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अशोक शर्मा ने बताया कि इस शिविर में करीब 500 लोगों ने को-वैक्सीन, कोविशील्ड और कोर्वीवैक्स लगवाई। पार्षद प्रत्याशी मोहित जैन, कर्मवीर चौधरी और उत्तम यादव समेत कांग्रेस नेता रणजीत सोनी की आयोजन में महत्वपूर्ण भागीदारी रही। महा शिविर का उद्घाटन सीएमएचओ जयपुर प्रथम डॉ. विजय सिंह फौजदार ने किया। शिविर मं कृषि मंत्री के ओएसडी जय कुमार जैन, डॉक्टर प्रहलाद रघु, पार्षद प्रत्याशी सीता रघु, अनिल शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार सुरेश सिंघवी, जयपुर जिला देहात कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेंद्र गुप्ता सहित कांग्रेस नेता पंकज सोनी, अमर मंडावरा, मनोज सिंह चौहान, प्रमोद शर्मा, डॉ. दिनेश द्विवेदी, राकेश जाजोरिया, जगदीश चौधरी, सुरेश चतुर्वेदी, बाबूलाल खरेटिया,राजेश कटारा, एडवोकेट घनश्याम सिंह, जय सिंह बुडानिया, सिराज अहमद खान समेत कई लोग मौजूद थे।

भोलेनाथ के जयकारों के साथ शहर में निकली कावड़ यात्रा

गलताजी से तीर्थ जल भरकर आराध्यदेव का अभिषेक करने निकले हजारों श्रद्धालु

पूर्व महापौर ज्योति खंड़ेलवाल के साथ रविवार को महिला-पुरूषों ने डबल शंकर महादेव मंदिर तक कलश व कावड़ यात्रा निकाली।

जयपुर (कासं)। सावन के आखिरी रविवार को गलता तीर्थ से शहर तक कावड़ियों का मेला लगा। शहर की हर राह पर कांवड़ कलश यात्रा निकली। अलसुबह से ही शहर में बोल बम... ताडक़ बम... के जयकारे गूंजायमान रहे। भक्त अलसुबह से ही गलता तीर्थ से कांवड में जल लेकर निकले, इसके बाद महिलाएं भी कलश लिए कांवड यात्रा में शामिल हुई। देखते ही देखते रह राह आस्था की झलक उमड पड़ी। महिलाएं मंगल गीत गाते हुए कांवड यात्रा में शामिल हुई। कांवड जल के साथ गंगा जल, गलता तीर्थ के जल से शिवजी के अभिषेक का दौर शुरू हुआ। परकोटे में सूरजपोल बाजार, रामगंज बाजार, चौडा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार, चांदपोल बाजार सहित हर सडक़ शिवमय नजर आई। बाबा हरिशचंद्र मार्ग स्थित डबल शंकर महादेव मंदिर के लिए गलता तीर्थ से कांवड यात्रा निकली। आयोजन समिति के संयोजक शरद खण्डेलवाल ने बताया कि कांवड यात्रा सुबह गलता से शुरू होकर सूरजपोल, रामगंज बाजार, बडी चौपड, चौड़ा रास्ता स्थित द्वारकाधीश मंदिर पहुंची। यहां से 1100 महिलाएं पूर्व महापौर ज्योति खण्डेलवाल की अगुवाई में कलश लेकर बैंड बाजों और लवाजमों के साथ कावड़ यात्रा में शामिल हुई।

प्यार में फंसाकर महिला से दुष्कर्म

जयपुर। भट्टाबस्ती इलाके में शादी का झांसा देकर एक महिला से रेप का मामला सामने आया है। पिछले चार सालों तक आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। प्रेग्नेंट होने पर उसका ऑबोशन भी करवाया। शादी का दबाव बनाने पर दूसरी महिला से शादी कर ली। भट्टाबस्ती थाने में पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

पुलिस ने बताया कि भट्टाबस्ती निवासी 36 साल की महिला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। करीब 4 साल पहले उसकी मुलाकात सलीम अहमद से हुई थी। बातचीत के दौरान आरोपी ने उसे शादी के लिए ऑफर किया। आरोपी सलीम अहमद ने खुद की पत्नी की मौत होना बताया। शादी कर साथ जिंदगी जीने की कहा। शादी का वादा कर आरोपी ने उसके साथ रेप किया। उसके घर आकर लगातार दुष्कर्म करता रहा।

प्रेग्नेंट होने पर समाज के लोगों के सामने शादी कर बच्चों की प्लानिंग करने की कहकर ऑबोशन करवा दिया। शादी करने का दबाव बनाने पर टालमटोल करने लगा। अचानक कुछ दिनों के लिए आरोपी सलीम गायब हो गया। जिसके बाद कॉन्टैक्ट में आया तो दूसरी महिला से शादी करने की बताया। विरोध करने पर धमकाया कि तुझे बदनाम कर दूंगा। तेरी जीना दुश्वार कर दूंगा। आए दिन सलीम व महिला धमकिया देते हैं, हमारे रास्ते से हट जा नहीं तो तेरा अन्जाम बुरा होगा। परेशान होकर पीडिता ने भट्टाबस्ती थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर पीड़िता के बयानों के मुताबिक जांच शुरू कर दी है।

बच्चा चोर को पकड़ने वाले कांस्टेबलों का सम्मान किया

सवाई मानसिंह अस्पताल से 4 महीने के मासूम दिव्यांश के अपहरण की सनसनीखेज वारदात का खुलासा करने वाली टीम को जयपुर के युवाओं ने सम्मानित किया। सभी युवा महेश नगर थाने पहुंचे, जहां पर सराहनीय कार्य करने वाली टीम के कांस्टेबल भीम सिंह, राम सिंह और देवराज को साफा और माला पहना कर सम्मानित किया और मिठाई खिलाई। भीम सिंह ने बताया कि बच्चे की अपहरण की वारदात बेहद सनसनीखेज थी, उन्हें इस वारदात का बेहद दुख था ,वह चाहते थे कि इस वारदात का खुलासा करे।

जेडीए ने अवैध कॉलोनी में ध्वस्त किये निर्माण

जयपुर (कासं)। जेडीए के प्रवर्तन दस्ते ने रविवार को इकोलॉजिकल जोन में आगरा रोड पर सीबीआई फाटक के पास लगभग 2 बीघा निजी खातेदारी भूमि पर बसाई जा रही नई अवैध कॉलोनी को ध्वस्त किया। यहां बनाई गई ग्रेवल रोड व प्लॉट की बाउंड्रीवॉल को ध्वस्त किया। जेडीए ने पहले भी यहां दो बार कार्रवाई कर निर्माणों को ध्वस्त किया था। मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन रघुवीर सैनी के अनुसार जोन 10 में इकोलॉजिकल जोन क्षेत्र में बसाई जा रही नई अवैध कॉलोनी में 14 मई और 3 अगस्त को कार्रवाई की गई, लेकिन नई अवैध कॉलोनी में फिर से सरकारी अवकाश पर मौका पाकर रातोंरात दीवार-पिल्लर खड़े कर पुन: दुकानों का छत लेवल तक अवैध निर्माण कर सटरिंग करने का काम शुरू किया जा रहा था, इस पर कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया गया। इसके अलावा इकोलॉजिकल जोन क्षेत्र में स्थित मुरली वाला गार्डन के पीछे, आगरा रोड पर विगत दिवसों में रातोंरात मौका पाकर करीब 1.5 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर बिना भू-रूपांतरण कराये, ठोवल-मिट्टी की सडक, प्लाटों की बाउंड्रीवाल-पिल्लर व अवैध निर्माण कर बसायी जा रही अवैध कॉलोनी में पुन: अवैध निर्माण ध्वस्त किये।

प्रदेश में लगातार दूसरे दिन रविवार को भी छह सौ नए संक्रमित मिले

पिछले चौबीस घंटों में सबसे ज्यादा 176 संक्रमित जयपुर में और 109 रोगी अलवर में पाए गए हैं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में लगातार दूसरे दिन रविवार को भी 600 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इनमें जयपुर और अलवर में सौ से अधिक मामले पाए गए हैं। वहीं इस बीच झालावाड़ में करोना से एक मरीज की मौत भी हो गई है।

प्रदेश में रविवार को 24 जिलों में 600 नए संक्रमित सामने आए हैं। इससे पहले शनिवार को भी इतनी ही संख्या में रोगी मिले थे। राज्य में आज 16 हजार 323 जांचे की गई। इनमें जयपुर में 2393 जांचे हुई। इधर राज्य में सबसे ज्यादा 176 जयपुर और 109 नए संक्रमित अलवर जिले में मिले हैं। इसके अलावा उदयपुर व नागौर में 38-38, जोधपुर में 37, चित्तौड़गढ़ में 34, अजमेर में 31, भरतपुर व दौसा में 25-25, धौलपुर में 16, कोटा में 13, डूंगरपुर में 11, भीलवाड़ा में 10, जैसलमेर व सिरोही में 7-7, झालावाड़ में 5, सीकर व बीकानेर में 4-4, बारां में 3, बूंदी व जालौर में 2-2 तथा बांसवाड़ा, बाड़मेर और हनुमानगढ़ में एक-एक नया संक्रमित मिला है। बूंदी जिले में करीब छह महीने बाद नए संक्रमित मिले हैं।

- **करोना से झालावाड़ में एक मरीज की मौत हुई है।**

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में केवल 177 मरीज ही ठीक हुए हैं। राज्य में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 3438 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 1173 मामले जयपुर जिले में हैं। इसके अलावा उदयपुर में 287, अलवर में 278 और जोधपुर में 236 लोगों का इलाज चल रहा है।

राज्य में रविवार को करोना से झालावाड़ में एक संक्रमित की मौत हो गई है। जिले में अब तक करोना से 209 मौतें हुई है। हालांकि प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 9590 लोगों की जान जा चुकी है।

जयपुर में आज 42 जगहों पर नए करोना संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 35 नए मरीज सांगानेर इलाके में पाए गए हैं। इसके अलावा मालवीय नगर में 20, दुर्गापुरा में 15, मानसरोवर में 10, जगतपुरा में 9, सोड़ाला व वैशाली नगर में 8-8, जवाहर नगर व सांभर में 6-6, विद्याधर नगर में 5, बनीपार्क में 3, आदर्श नगर, बजाज नगर, ब्रह्मपुरी, बस्सी, चाकसू, दूदू, गांधी नगर, झोटवाड़ा, कोटपूतली, लालकोठी, मुरलीपुरा, निर्माण नगर व सिरसी में 2-2 तथा अजमेर रोड, आमेर, बापू नगर, बरकत नगर, गलता गेट, गोपालपुरा, गुर्जर की थड़ी, हवा सड़क, जौहरी बाजार, कालवाड़ रोड, मिलाप नगर, प्रताप नगर, फागी, पुरानी बस्ती, शाहपुरा, टोंक फाटक और शास्त्री नगर में 1-1 नया मरीज मिला है। वहीं 8 संक्रमितों का पता सही नहीं मिला है। जिले में पिछले चौबीस घंटों में 60 मरीज ठीक हुए हैं।

युवाओं ने खुद के खर्चे से लगवाई गौवंश को वैक्सीन

जयपुर (कासं)। लम्पी वायरस से गौ-वंश को बचाने के लिए अपेक्षा फांउडेशन के कर्मचारी, युवा और व्यापारियों ने जनसहयोग से पैसा जुटाकर अपने स्तर पर 'हैस्टर' की 'गौटा पॉक्स वैक्सीन' मंगवाई है। रविवार को दुर्गापुरा गौशाला में गौ-वंश को यह वैक्सीन लगाई।

गौशाला व्यवस्थापक राधेश्याम ने बताया कि गौशाला में 663 गौवंश है। इनमें से 500 गायों को टीम ने वैक्सीनेट किया जायेगा। इस कार्य को अपेक्षा फांउडेशन टीम लगातार अन्य विभिन्न गौशाला में भी जारी रखा जायेगा।

इस दौरान पशु पालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. प्रवीण कुमार सैन ने योगदान दिया। गौवंश को वैक्सीनेट करने के लिए दुर्गापुरा पशु चिकित्सालय से डॉ.अवधेश जैन और उनकी टीम को मौके पर भेजा। इस मौके पर टीम के नरेन्द्र सिंह राजपुरोहित, यशवंत सिंह तंवर, शिवराज सिंह राठौड़, प्रवीण सिंह राजपुरोहित और गोपाल सिंह राजपुरोहित मौजूद थे।

ARBiT
it happens here...

International Cat Day

International Cat Day is a full 24 hours of recognition and veneration for one of humanity's oldest and most beloved pets - the cat. They have been worshiped as gods in ancient Egypt. Well, it is not surprising, Cats are one of the coolest beings on the planet: they are independent, inquisitive, adventurous, have an amazing physiognomy, and the power to heal by themselves — at least most of the time. So this year pamper your cat with extra love!

राष्ट्रदूत
MONDAY
8 August 2022
A-B

#TECHNOLOGY

A Practical Guide To Scanning Old Photos

Bring memories back to life by taking your old pictures into the future.

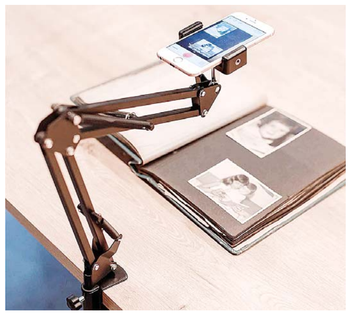

Shoeboxes of old photos may hold your family's history and memories, but they're difficult to preserve, share, organize and back up. The best way to solve this problem is to digitize your old photos. It's easy to do at home using a really good scanner or the scanner bed on an all-in-one printer, if you already have one. You can also mail your photos to a company that digitizes them for you and then sends them back when they're done.

When you turn print photos into digital files you have them right at hand when you need them. That way you'll be able to find, share and print any picture in minutes.

How to Scan Photos at Home

1. Gather Your Equipment

All the equipment you need comes down to three items, plus two optional ones. They are:

- A flatbed scanner.
- A clean microfiber cloth, like the kind that comes with eyeglasses or a handkerchief.
- The software that came with your scanner.
- Optional: Compressed air.
- Optional: Photo editing software.

What if you can't afford or don't have room for a scanner? Don't worry, you can still get acceptable results if you read our story on how to scan old photos with your phone.

2. Take Inventory and Define Your Project

Now that you have your equipment ready you need to take inventory of your photos and define your project. Doing so will help you break it down into smaller parts to make it more manageable.

How many photos do you want to scan? Divide your project into sessions so that you never have to scan more than about 15 photos in one sitting. As you become comfortable with the process this number might increase.

Decide which photos you want scanned first. Separate your images into groups that you'll work through.

3. Clean the Scanner Bed

To get the best scan, your scanner glass must be clean and dry. It's best to get as good a scan as you can the first time around rather than rescan an image or try to touch it up in an editing program later.

Wipe off your scanner bed with a clean, dry microfiber cloth. If you don't have one, a clean and dry handkerchief will do. Do not use paper towels or tissues. They leave debris and may even scratch the surface.

If the glass on your scanner has smudges rub them gently with your dry cloth. If that doesn't work dampen a small piece of the cloth and try cleaning only the glass again. Let it dry completely before putting anything on it.

Once you start scanning images wipe the scanner every so often with your cloth to keep it free of dust and other particles.

4. Dust Off the Photos

Just as your scanner bed must be clean to get the best scan possible your photos must be clean too. Use compressed air to blow any dust off your photos. Again, do not use paper towels or tissues. Never use water or cleaning fluids on your photos.

4. Almost Always Scan in Colour

With very few exceptions scan your photos in colour. Sepia photos need the full-colour setting enabled. Black and white images are fine with the colour setting too unless they have been damaged by ink or tape marks or something else topical. In those instances using grayscale may actually make it easier to edit the images and remove the marks later.

5. Scan the Images

Ready to scan? You can scan one image at a time but a time-saving tip is to lay down multiple images with about a quarter inch of space separating them on all sides. You can crop them later into individual files.

6. Keep Technical Notes

Keep in mind that the first time you scan a batch of photos will likely take the most amount of time because you're figuring out the best settings and software tools at your disposal. It took me almost an hour to scan a batch of eight pictures and get them all right. Once you get the hang of it, the process should go much more quickly.

As you figure out what works best take notes. That way if you wait a few weeks or months before scanning another batch of photos you can refer to your notes to help you get the best results again.

My Friend Sachi

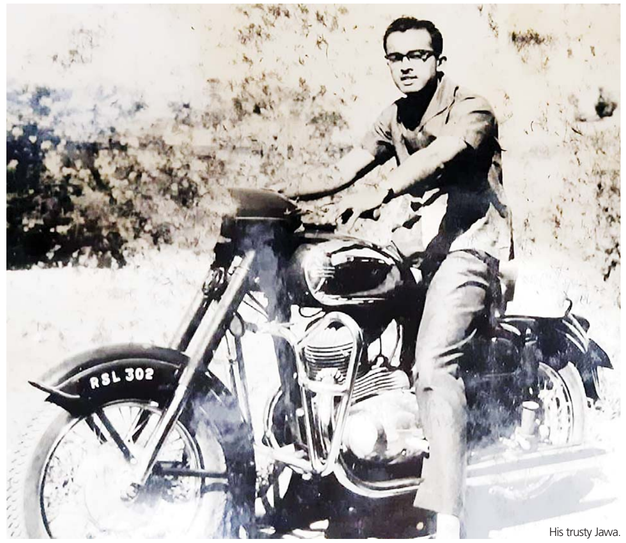

His trusty Jawa.

There's wheat in the stone I eat
And milk in the water I drink.
My radical cause is laced with tradition
And I have come to believe in my cynicism.
I'm indifferent about my concern
And cowardice quivers through my anger.
My hypocrisy lays claim to truth
And compromise is woven into my revolt,
For I have to live till I die.

NCC Cadet Sachi.

Dr Goutam Sen
CTVS Surgeon
Traveller
Story teller

Sachi (NN Sachitanand) was and is always there! After all, both of us were born in 1941, just a month apart. We joined St Xavier's School in Jaipur, in 1947, and left it in 1956 after giving our Senior Cambridge examination. The companionship for all these years created long lasting bonds. In the middle years a long period of non-contact made no difference!

He was born in Gujarat where his father was working as a veterinarian. His parents joined the Animal Husbandry Department in Jaipur, in 1947. His father was in-charge of the Sheep and Wool Department while his mother was the Head of the Wool Science Laboratory. She continued to study while she worked and attained a PhD in Wool Sciences from the Rajasthan University. They were the inspiration behind the Sheep and Wool research station near Malpura.

Sachi was encouraged by his mother to follow his literary bent early in life. While in Junior School he was encouraged to write for a monthly children's magazine called 'Balak'. This was published by a friend of the family. He recalls that the first piece he wrote was a fictional account of fears that plagued his mind after seeing a horror film. He continued to sustain his literary activity when he became a member of the editorial team in the School Newspaper - X-Rays. He also helped in writing for the school annual - Blue and Gold. Besides doing his literary bit he was into all the school extra curricular activities. We would go to Ramgarh on our bicycles. Later in life when he was working at NBC he purchased a Jawa Yezdi 250 cc motor cycle. I was lucky to have a 50cc Jawa too. We did make a trip or two to the lakes around Jaipur. We were fond of climbing the peaks near the lake. We took part in school debates and elocution contests. I recall the two favourites chosen by most of us was 'Spartacus to the Gladiators' and 'The Gettysburg Address'. Another one was 'Friends, Romans, countrymen, lend me your ears' (Mark Antony). He would even do a bit part in the school plays. Later in life he joined the NCC. His erect posture could be attributed to this.

Literary Bent

He writes about his literary bent: "Writing for publicly read newspapers and magazines commenced in IIT, Kharagpur. One of my articles for a newspaper was strangely enough published in the Sunday magazine section of The Hindu, in 1960. It was a travel piece. I never imagined that I would one day be joining the paper as a staffer." In those days engineers taking to journalism were a very rare happening, especially in India. One of the main reasons was the low pay in journalism.

While in school he was fortunate to have lived in C-Scheme from where it was an easy cycling distance to school. He was therefore able to come in the evening to participate in sports. Being reasonably tall he and I were spotted by Fr. Birney and introduced to Basketball which was still a niche game in Jaipur. We were able to excel in the game and when we left school we played for Maharaja's College where we were for two years. Later, Sachi and I went on to Captain our Institutes team in Basketball (Sachi – IIT Kharagpur: Goutam – SMS Medical College and Rajasthan University).

His craving to write short stories was inspired by O. Henry. He received a lot of encouragement from Caravan Magazine (a short story Monthly). In addition the newspapers motivated him by accepting his pieces for the Sunday section. He was able to get his writings chosen by Deccan Herald, Indian Express and The Times of India.

Having completed his Intermediate in Science he gained the B.Tech Degree from IIT, Kharagpur, in 1963. Sachi joined as metallurgist at National Ball Bearing Company Jaipur from 1963 to 1969. Although he had now found a job to make a living, a part of his being was restless and his literary cravings had to be satisfied. In the sixties he was the prime mover for the publication of English fortnightly called the Young Age. It covered all sort of topics like performing arts, fine arts and even development in science. It was well received by the readers but since they were unable to get advertisements it had to close down after seven years. The English readership was scanty then and it would take another fifty years before the English Newspapers published Jaipur editions. Or a novel experiment like Arbit (Rashtradoot) to be introduced where there would be an English page in a Hindi Newspaper.

He was at that time a correspondent for The Hindu (1963-1969). He then moved to Bengaluru and became a special correspondent for the Hindu (1973 to 2003), covering Science, Technology and Business. It was a wonderful amalgamation of acquired knowledge and his love for literature. Both he and his wife Jayanti loved to travel and made many trips in India and abroad as a part of Sachi's job. He was able to write a few travelogues as well.

Sachi was not only writing prose but in 1975 he published an anthology of poems (I know of a country and other poems). The degree of maturity seen in those poems shows the potential he had at that time. He wrote on a wide variety of subjects. Some of them are as relevant today as they were then. I liked this one the best:

Adulteration

There's wheat in the stone I eat
And milk in the water I drink.
My radical cause is laced with tradition
And I have come to believe in my cynicism.
I'm indifferent about my concern
And cowardice quivers through my anger.
My hypocrisy lays claim to truth
And compromise is woven into my revolt,
For I have to live till I die.

As much as he is cynical he is basically a romantic.

This other poem shows that aspect:

The Bride's eyes

Twin lamp of love glowing
With the light of anticipation;
Two wells from whose dark depths
Well the water of tears;

Window of the soul shuttered
By the dark curtain of lashes;
Banked embers of passion
Ready to be fanned to flame;

Fiery Beacons beckoning invitingly
With irresistible warmth:
Liquid appeal, melting willingness,
A ripple of Nervousness, a splash of fear

All conflicting, eddy and swirl
In the pools of unfathomable depths,
Black caverns where elusive gleams
The will o'the wisp of Desire;

Hypnotising, appealing, daring,
roguish,
They attract and draw inexorably
And I lost willingly
In a whirling maelstrom of emotions.

Later, literary magazines died down due to lack of financial patronage and newspapers stopped publishing poems. That put a halt to his output of verse.

Even after retirement he continues writing. His recent bent is towards fiction. He has an acute observation and active imagination. He usually has a 'twist in the tail' in his tales.

writetoarbit@rashtradoot.com

Even after retirement he continues writing. His recent bent is towards fiction. He has an acute observation & active imagination. He usually has a 'twist in the tail' in his tales.

Goutam & Sachi.

Senior Cambridge Batch, 1956.

#PERSONALITY

#RESEARCH

Protein Break To Kickstart Cancer

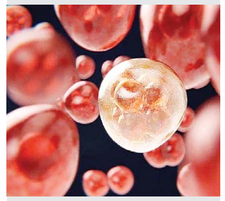

A new discovery of how a certain protein is activated in tumour cells may lead to better treatments for some of cancer's deadliest forms, researchers report.

The finding could eventually lead to possible therapies for the especially dangerous melanoma and pancreatic adenocarcinoma, as well as the most common type of childhood brain cancer and adult skin cancer.

The discovery concerns the GLI1 protein, which is important in cell development but has also been found turned on in various cancers. GLI1 is typically activated by the Hedgehog signalling pathway, known as HH. However, scientists have known for about a decade that crosstalk or interaction between HH and the mitogen activated protein kinase pathway has a role in cancers.

"In some cases, proteins in one pathway can turn on proteins in another," says lead author A. Jane Bardwell, project scientist in the developmental and cell biology department at the University of California, Irvine.

"It's a complex system. We wanted to understand the molecular mechanism that leads to GLI1 being activated by proteins in the MAPK pathway."

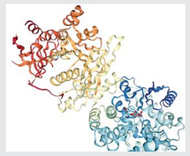

GLI1 normally binds tightly with a protein called SUFU. That protein suppresses GLI1, preventing it from penetrating cell nuclei and turning on genes. The scientists examined seven sites on the GLI1 protein that could be phosphorylated, or have a phosphate group transferred onto it.

"We identified three that can be phosphorylated and are involved in weakening the binding between GLI1 and SUFU," says Lee Bardwell, professor of developmental and cell biology whose laboratory conducted the project. "This process activates GLI1 enabling it to enter the nucleus of cells where it can cause uncontrolled growth resulting in cancer."

"If we can understand exactly what is going on in a certain cancer or particular tumour it could be possible to develop a drug specific to a specific tumour or individual patient," Bardwell says. "It would allow us to treat these diseases without the toxicity of basic chemotherapy."

Eventually, it may be feasible to screen tumours to develop the best approach for each.

#J'ADORE

Modern Engagement Ring Ideas

After two years of wedding and proposal postponements couples are eschewing tradition and going with their gut when it comes to design details.

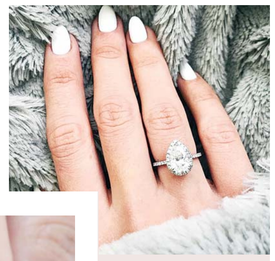

Pear Shaped Diamond Ring

Pear-shaped gemstones make rings look feminine sophisticated. The pear-cut diamonds are the very image of style and grace. Their graceful curves allow the stone to sparkle even brighter, be it solitaire or a halo setting.

These dazzling stones speak for themselves. The pear-cut gemstone reminds of a tear. They say that this unique diamond shape represents the tears of joy making your fingers look more elongated and slender at the same time. You can wear a pear-shaped diamond ring with the diamond facing up or down, depending on your mood.

Whether you shop together or leave it in the hands of a soon-to-be spouse, an engagement ring should last a lifetime. But after two years of wedding and proposal postponements couples are eschewing tradition and going with their gut when it comes to design details and that includes wedding jewellery. Expect to see grandiose styles not only in rings but all bridal related trends in the coming year.

In 2022, we are going to see a mix of trends with engagement rings as we know there is no one size fits when shopping for a ring that exemplifies the love a person shares with their partner.

Eternity Band Ring

Wearing multiple bands with different designs on the same finger is a major jewellery trend right now. There's no reason you can't apply this fashionable look to your bridal rings. Eternity bridal rings are very trendy as they are, with their original design and distinctive sparkle. An eternity band usually has small diamonds throughout the ring instead of having one large centre stone. Match your engagement ring with a complimentary ring to get some extra bling.

Unique Engagement Ring

If you like to feel unique and you are looking for a true one-of-a-kind ring you need a unique style ring. Alternative bridal designs are contemporary and fun. It is a reflection of the bride's unique style. Why don't you consider a wide band with accent gemstones or engraving?

There is no need to buy a traditional engagement ring with a traditional centre diamond. There are many ways to follow different alternative fashion trends that still have plenty of sparkles and stack a few favourite styles together. Browse our non-traditional designs for a look that's personal and chic to find a ring that fits you.

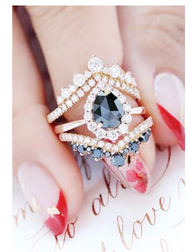

Timeless Simple Ring

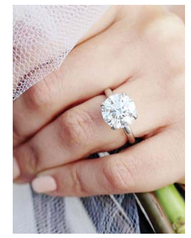

Simplicity and elegance: a classic solitaire setting is timeless. The year doesn't matter – rings with one centre diamond have always been the most popular style for engagement rings. Solitaire is an ageless all-time classic, which never gets old.

A plain metal band and the centre diamond – no distraction, pure beauty of the stone. Just take a look at these magnificent rings and their centrepiece stone! Such a simple setting allows the diamond to shine brightly in all of its striking beauty. The centrepiece diamond sparkles brightly, making this kind of ring a perfect sign of your love and commitment.

Double-Banded Engagement Ring

As tides shift away from the classic solitaire or halo style engagement rings, couples are looking for alternatives to the traditional style that everyone has. 2022 is all about uniqueness and one of the most popular trends for 2022 is the double banded engagement ring. This is the evolution of the stacking bands trend. The double band ring creates a set space between the bands where a centre stone looks like it's floating between the two bands.

Romantic Rose Gold Engagement Ring

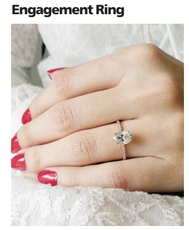

Rose gold is back in fashion once again. Its warm delicate colour will tell her about your feelings and make her say 'yes'. Great engagement ring to start a new family tradition. Rose gold engagement rings are modern and vintage in feel at once.

Their delicate rose shade comes from an alloy of gold and copper and takes its roots in the earliest jewellery artisans.

THE WALL

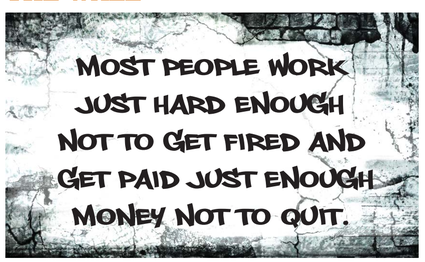

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

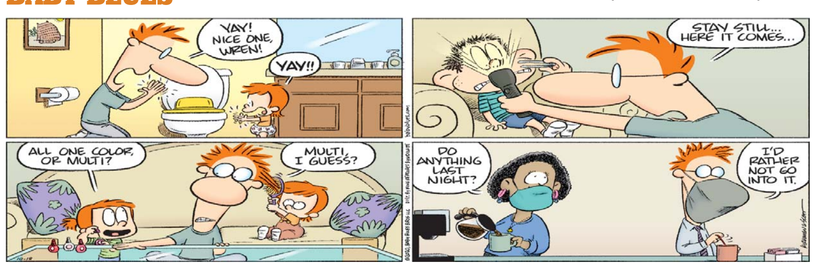

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

फर्जी दस्तावेज से विधवा महिलाओं की भूमि हड़पी, आठ गिरफ्तार

मांडलगढ़, (निसं)। भीलवाड़ा के मांडलगढ उपखंड क्षेत्र मालका खेडा में तीन वृद्ध दलित महिलाओं की खेती की जमीन फर्जी दस्तावेज से रजिस्ट्री करवाकर अपने नाम कराने के मामले में काछोला थाना पुलिस ने 3 महिलाओं सहित 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मांडलगढ़ के मालका खेड़ा

- **भूमाफिया गिरोह के साथ मालका खेड़ा पटवारी, एक वकील की संदिग्ध भूमिका सामने आई**

पंचायत के भटखेडी गांव की रहने वाली एक ही परिवार की तीन पीड़ित महिलाएं हैं। जिसमे 80 साल की विधवा बरजी देवी पत्नी भूराभील, राजी देवी पत्नी कल्याण भील 75 साल और पानी देवी पत्नी देबीलाल भील उम्र 36 साल की हैं। इन तीनों महिलाओं के खेती की जमीन में बरजी देवी की आराजी नम्बर 3-4-5-6/2 रकबा 2.6385 हेक्टेयर, राजिदेवी की आराजी नम्बर 236/164 रकबा 0.8094 हेक्टेयर व पानी देवी की आराजी नम्बर 235/164 0.8094 हेक्टेयर की लाखों की कीमत की भूमि को भूमाफिया गिरोह ने तथाकथित महिलाओं की आड में फर्जी दस्तावेज तैयार कर तहसील कार्यालय काछोला से फर्जी रजिस्ट्री करा अपने नाम करा ली और पटवारी बाबूलाल मीणा ने तत्काल नामांतरण भी राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज कर लिया। पुलिस के मुताबिक इस पूरे खेल में भूमाफिया गिरोह के साथ मालका खेड़ा के पटवारी बाबूलाल मीणा, एक वकील परमेश्वर धाकड की संदिग्ध भूमिका सामने आई हैं।

काछोला थाना पुलिस ने कृषि भूमि की फर्जी रजिस्ट्रियों के आरोप में 8 जनों को गिरफ्तार किया।

इस मामले में पीड़ित महिलाओं ने भूमि खरीददार जसवीर पिता किशोर मीणा निवासी श्रीनगर तहसील बूंदी, हरनाथ पिता सुरजा मीणा निवासी लक्ष्मीपुरा तहसील मांडलगढ तथा भूमि विक्रय करने वाली कथित महिलाओं में बरजी देवी भील, राजी देवी भील, पानी देवी भील व रजिस्ट्री में गवाह बने आधा दर्जन भूमाफिया गिरोह के सदस्यों के खिलाफ काछोला थाने में 20 जून को मामला दर्ज हुआ था। इस मामले की शुरुआती जांच में सामने आया कि भूमाफिया गिरोह ने इन पीडित महिलाओं के समानांतर नाम और जाति की महिलाओं को लालच देकर उनके जनआधार कार्ड लिए गए और जन आधार कार्ड में पीडित महिलाओं के पति के नाम और गाँव को एडिटिंग करा तहसील कार्यालय ले जाया गया जहां तहसीलदार, वकील व तहसील बाबू ने कोई ठोस जांच किए बिना रजिस्ट्री कर दी। उधर गिरोह ने पटवारी से सांठगांठ कर फर्जी दस्तावेज से रजिस्ट्री करा खेती की भूमि का नामान्तरण भी अपने नाम दर्ज करा लिया गया। फर्जी रजिस्ट्रियों में लगे दस्तावेजों की पडताल में कई जगह तारीख लिखी नहीं मिली तो कई दस्तावेज पर अंगूठा निशान भिन्न पाई गई ओर तथाकथित महिलाओं की उम्र में भी गडबडियां मिली हैं।

काछोला थानाधिकारी दिलीप सिंह ने बताया कि भीलवाडा पुलिस अधीक्षक आदर्श सिद्धू के आदेश अनुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्री, मांडलगढ पुलिस उप अधीक्षक ज्ञानेंद्र सिंह के सुपरविजन में फर्जी रजिस्ट्री प्रकरण मामले को गंभीरता से लेते हुए मामले का खुलासा किया है। इस समूचे प्रकरण में पटवारी बाबूलाल मीणा द्वारा आरोपी हरनाथ मीणा के साथ मिलकर जमीन को हडपने का षड्यंत्र रचा गया।

महिलाओं की रजिस्ट्री में फर्जी महिलाओं को लाने का कार्य रणजीत बंजारा ने किया था तथा फर्जी रजिस्ट्री के लिए गवाहों को हरनाथ नाथ मीणा लेकर आया था। तीनों रजिस्ट्री में व्यय हुई सम्पूर्ण राशि पटवारी बाबूलाल मीणा ने चुकाई हैं और रजिस्ट्री के दौरान पटवारी बाबूलाल मीणा काछोला तहसील में उपस्थित रहा। प्रकरण में रंजीत बंजारा की तलाश जारी है। मामले का खुलासा करने वाली टीम में थाना प्रभारी दिलीप सिंह, हेड कांस्टेबल रामेश्वर लाल, मोहनलाल, कांस्टेबल गोपेश कुमार, भंवर लाल, पवन कुमार, हकीम सिंह व ममता शामिल थे।

ट्रैक्टर चालक की मौत

करौली, (नि.सं.)। करौली से गुडला गांव की तरफ ट्रैक्टर ट्रॉली में लोहे के सरिया भरकर ले जाने के दौरान ट्रॉली पलटने से चालक की मौके पर ही मृत्यू हो गई। करौली सामान्य चिकित्सालय स्थित पुलिस चौकी प्रभारी महेश शर्मा ने बताया कि करण सिंह पुत्र प्रेम सिंह माली निवासी गूलर घटा ट्रैक्टर ट्रॉली में लोहे के सरिया भरकर यहां के पांचना के पास जा रहा था। जाते समय ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई जिसमें नीचे दबकर ट्रैक्टर चालक करण सिंह की घटनास्थल पर मृत्यु हो गई जिसको सामान्य चिकित्सालय लाया गया। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर पोस्टमार्टम किया और शव परिजन को सुपुर्द कराया। चौकी प्रभारी ने बताया कि परिजन ने इस मामले में कोई मामला दर्ज नहीं कराया है। उधर ट्रैक्टर चालक की मृत्यु होने की सूचना पर परिवार जन सामान्य चिकित्सालय पहुंचे जहां परिवार में कोहराम मच गया।

नकदी हड़पी

उदयपुर, (कासं)। भूखण्ड बेचने का झांसा देकर पीड़ित से नकदी हड़पने वाले पिता पुत्र व अन्य के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित जयश्री कॉलोनी धूलकोट चौराहा हॉल जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय कोटा में तैनात पुलिस निरीक्षक हेमाराम पुत्र दाताराम बामनिया ने आरोपी बाबूलाल मोटावत, रोहित पुत्र बाबुलाल मोटावत, सौरभ निमावत व जितेन्द्र निमावत के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। कि आरोपी से बेदला में स्थित भूखण्ड खरीदने के लिए संपर्क किया तथा 31 लाख 92 हजार रूपये में सौदा तय होने पर 2 लाख 11 हजार रूपये ऑनलाईन भुगतान किया तथा निर्धारित समय पर रजिस्ट्री करवाने का इकरारकिया। लेकिन आरोपी रजिस्ट्री करवाने से आनाकानी कर रहे है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

जगदीप धनखड़ के उपराष्ट्रपति बनने पर सांडवा गांव में जश्न

ग्राम साण्डवा में आतिशबाजी कर जश्न मनाते हुए ग्रामीण।

बीदासर, (निसं)। गौरवमयी राजस्थान भूमि के गांव किठाना में जन्मे पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल एवं सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता जगदीप धनखड़ के देश के सर्वोच्च दूसरे नागरिक उपराष्ट्रपति चुने जाने पर पूरे राष्ट्र, राजस्थान एवं संपूर्ण शेखावाटी क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है।

- **ग्रामीणों ने आतिशबाजी कर अपनी खुशी का इजहार किया**

इसी मौके पर जसवीर मेमोरियल शिक्षण संस्थान सांडवा के सचिव सतवीर धनखड़ ने अपने परिवार, संपूर्ण शिक्षक स्टाफ एवं उपस्थित ग्रामीणों के साथ शानदार आतिशबाजी कर अपनी खुशी का इजहार किया। इसी के साथ उन्होंने कहा कि देश के उपराष्ट्रपति पद पर जगदीप धनखड़ का चुना जाना एक स्वस्थ राजनीति का परिचय है। उन्होंने बताया कि यह देश किसानों का देश है और एक किसान के बेटे का उपराष्ट्रपति बनना एक किसान का सम्मान तो है ही, साथ ही आमजन की राजनीति में भागीदारी को भी दर्शाता है। इस मौके पर सतवीर धनखड़ ने कॉलेज प्रांगण में उपस्थित सभी शिक्षकगण, उपस्थित ग्रामीणों एवं शेखावाटी क्षेत्र के साथ-साथ संपूर्ण देशवासियों को बधाई देते हुए इस मौके पर कॉलेज प्रांगण में उपस्थित सभी प्रिय जनों का मीठा मुंह करवा कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

गौरतलब है कि जगदीप धनखड़ जसवीर मेमोरियल शिक्षण संस्थान के सचिव सतवीर धनखड़ के चाचा लगते हैं। जरूरत पड़ने पर वो इस इंस्टीट्यूट में आकर अपना आशीर्वाद देते रहे हैं। इस मौके पर उपस्थित जनों में सतवीर धनखड़ एवं उनके परिवार के सदस्य विजयलता धनखड़, डॉ. धारणा धनखड़, दीपक धनखड़, कुलदीप कटेवा, पवन कुमार नाई, सत्यवीर रांगेय, डॉ. पवन कुमार, बी एल सारण, मोहम्मद नदीम, राजीव यादव, ओमप्रकाश तिवारी, सतपाल घोड़ेला, मनोज गुप्ता, महेंद्र शर्मा, मोहम्मद रफीक खान, संदीप पारीक, पवन सोनी, सुरेश कुमार, विक्रम सिंह, भोलदास, कोजाराम आदि जन उपस्थित रहे।

जलदाय विभाग की अनदेखी से व्यर्थ बह रहा पेयजल

चूरू, (कासं)। चूरू के रीको एरिया में आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर पेयजल सप्लाई की पाईप लाईन टूटी हुई है। यहां जलदाय विभाग की अनदेखी के कारण पेयजल व्यर्थ बहकर आमजन के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय पर स्थित रीको औद्योगिक क्षेत्र की रोड़ नम्बर 5 पर तीन जगह पेयजल सप्लाई की पाईप लाईन टूट गई है। पेयजल सप्लाई की पाईप लाईन टूटने से भारी मात्रा में पेयजल व्यर्थ बह रहा है। रोड़ नम्बर 5 से बहता हुआ पानी सामने ही स्थित आपणी योजना के कार्यालय में जमा हो रहा है। इसके अलावा भालेरी रोड़ पर भी पानी एकत्रित हो गया है। इससे आमजन को परेशानी हो रही है। साथ ही प्रशासन की सतर्कता की भी पोल खुलकर सामने आ रही है।

इसी प्रकार रीको के पार्क नम्बर तीन के पास भी पेयजल सप्लाई की पाईप लाईन टूट गई है। यहां भंवरलाल ने बताया कि रीको द्वारा यहां की समस्याओं की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जलदाय विभाग को बार-बार अवगत करवाने के बाद भी समस्या का कोई समाधान नहीं हो रहा है। भंवरलाल ने जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं विश्वकर्मा उद्योग संघ चूरू के पदाधिकारियों को भी आडे हाथ लिया। यहां विश्वकर्मा उद्योग संघ के अजीत भाऊवाला ने कहा कि रीको एरिया में जगह-जगह पेयजल सप्लाई की पाईप लाईन क्षतिग्रस्त हो गई है। इस कारण पेयजल व्यर्थ ही बह रहा है। भाऊवाला ने कहा कि जलदाय विभाग के अधिकारियों को अवगत करवा दिया है। उधर जलदाय विभाग के अधिकारियों के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है। व्यर्थ बह रहे पेयजल से उन्हें कोई लेनादेना नहीं है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कलैक्टर सिद्धार्थ सिहाग के निर्देश भाड़ में जाए, उनकी तनख्वा तो पक ही रही है। काम करने की तो इनकी नीति ही नहीं है। अपनी रोटियां सेकने के लिए भाषणबाजी करने में सबसे आगे रहते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण बात तो यह है कि कलैक्टर द्वारा भी इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

चूरू के रीको एरिया में कई स्थानों पर पेयजल सप्लाई की पाईप लाईन टूटी हुई है। इससे पेयजल व्यर्थ बह रहा है।

इूबने से युवक की मौत

गुड़ामालानी, (निसं)। गुड़ामालानी क्षेत्र के गाधव लूणी नदी में दशा माता की मूर्ति विसर्जन करने के दौरान एक युवक का पैर फिसल जाने से नदी में डूब गया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद पानी पुडी बेचने वाले युवक व ग्रामीणों के सहयोग से नदी में से शव को बाहर निकाला। सूचना पर गुड़ामालानी सीआई व प्रशासन मौके पर पहुंचा। शव को गुड़ामालानी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस के अनुसार गांधव कल्ला निवासी नारणा भारती (25) पुत्र सांवल भारती के परिवार में दस दिन पहले दशा माता मूर्ति की स्थापना की थी। हर रोज धार्मिक प्रोग्राम चले थे। रविवार को पूरा परिवार ढोल, नगाडों के साथ दशा माता मूर्ति का विसर्जन करने के लिए निकले थे। घर से करीब एक किलोमीटर दूर लूणी नदी में बरसाती इकट्ठा हो रखा था। मूर्ति विसर्जन करने से पहले युवक का फिसल गया। पानी में डूबता देख परिवार के लोगों चिल्लाए। पुलिस को सूचना दी। आसपास के तैराक लोगों ने तुरंत नदी में गए और युवक को ढूंढने का प्रयास किया। सिविल डिफेंस को सूचना दी गई। टीम के आने से पहले गांधव पुल के पास में पानी पुडी (ठेला) बेचने वाला एमपी निवासी जितेंद्र भाई प्रजापति (33) पुत्र गेनालाल नदी में बचाने के लिए गया।

ग्रामीणों के सहयोग से दो घंटे की मशक्कत के बाद बाहर निकाला। वहीं ग्रामीणों ने युवक के शरीर के अंदर गए पानी को निकालने के लिए उल्टा किया। मुंह से पानी निकालने की भरपूर कोशिश की लेकिन युवक दम तोड़ चुका था। पुलिस ने युवक के शव को गुड़ामालानी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सुपुर्द किया।

बिना डॉक्टर के इलाज करता मिला नर्सिंग होम मालिक

अलवर, (निसं)। 80 हजार रुपए लेकर पैर के फ्रेक्चर का गलत ऑपरेशन करने की शिकायत पर शनिवार को एसडीएम के नेतृत्व में टीम ने शहर के रणजीत नगर स्थित जीनत नर्सिंग होम पर छापे की कार्रवाई की। इस दौरान नर्सिंग होम का मालिक बिना डॉक्टर मरीजों को भर्ती कर इलाज करता मिला।

- **डिप्टी सीएमएचओ ने पुलिस की मौजूदगी में हॉस्पिटल में रिकॉर्ड जब्त किया**

उसने ओपीडी में भी मरीजों को दवा लिख दी और एक दिन पहले महिला की डिलीवरी भी करा दी। डिप्टी सीएमएचओ डॉ. महेश बैरवा ने पुलिस की मौजूदगी में हॉस्पिटल में अवैध तरीके से मरीजों के इलाज, जांच और डिलीवरी का रिकार्ड जब्त कर लिया।जटियाना निवासी हरभजन ने सीएमएचओ को शिकायत की, रनजीत नगर स्थित जीनत नर्सिंग होम में पैर में फ्रेक्चर के लिए गत 22 अप्रैल को भर्ती हुआ। यहां यहां गलत तरीके से लापरवाही पूर्वक ऑपरेशन कर 24 अप्रैल को डिस्चार्ज कर दिया गया। डॉ. राजेन्द्र चिटकारा ने 80 हजार रुपए वसूल लिए। 15 दिन बाद भी दर्द सही नहीं होने पर शिकायत की तो धमका कर भगा दिया। 25 अप्रैल को एक्सरे कराया तो अस्थि रोग विशेषज्ञ ने कहा कि ऑपरेशन गलत है। फिर 18 हजार रुपए देकर ऑपरेशन कराया तब दर्द सही हुआ। नर्सिंग होम में मानव जीवन के साथ खिलवाड करने का आरोप लगा सख्त कार्रवाई की मांग की गई।

कार्रवाई के दौरान नर्सिंग होम में संचालित दवा की दुकान पर फार्मासिस्ट भी नहीं मिला और दवाएं बेची जा रही थी। औषधि नियंत्रण अधिकारी बलवीर सिंह ने बताया कि दुकान में शैड्यूल एच-1 और नारकोटिक्स से संबंधित दवाएं बिना रिकार्ड के ही बेची गई हैं। इनके रजिस्टर नहीं मिले। दवा खरीद और बिक्री के बिल भी व्यवस्थित तरीके से नहीं मिले हैं। हालांकि दवा दुकान का लाइसेंस से ही संचालित की जा रही थी।

बारिश के बाद उमस बढ़ी

सिवाना, (निसं)। सिवाना में शनिवार को शाम को हुई बारिश के बाद मौसम का मिजाज बदल गया। बारिश के बाद भयंकर उमस बढ़ गई। वहीं रविवार को दूसरे दिन दोपहर के समय अचानक काले बादल आसमान से बरस पड़े। बारिश के बाद उमस का दौर बढ़ गया। ॥ सिवाना के राजकीय चिकित्सालय व राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के आगे मुख्य मार्ग पर बारिश के पानी का भराव होने के कारण आमजन को आवागमन के दौरान भारी परेशानी झेलनी पड़ी। बारिश के बाद उमस का दौर अत्यधिक बढ़ गया। व आसमान में काले बादल मंडराते रहे। सिवाना में गत कई वर्षों से निकासी के अभाव में राजकीय चिकित्सालय परिसर रा उ मा वि रोड पर बारिश के पानी का भराव होने के कारण परेशानी का पर्याय बन गया है।

जेवरात छीने

उदयपुर, (कासं)। खेरोदा कस्बे में दो बदमाश बाइक सवार को रोक आखों में मिर्च डाल कर उससे जेवरात छीन ले गए। पीडित खरसाण निवासी शिवनारायण ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि 5 जुलाई सांय मैं बाइक पर बाठेडा खुर्द से अपने घर लौट रहा था। जहां दो बदमाशों ने बाइक को रोकी तथा आखों में मिर्च डाल कर मेरे गले से सोने की चेन छीन ली। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

धोखे से नकदी हड़पी

उदयपुर, (कासं)। शादी का झांसा देकर पीड़ित से नकदी हड़पने वाली महिला के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। जानकारी के अनुसार पीड़िता शारदा पत्नी रामकृष्ण गौड़ ने पड़ोसी रीतु पत्नी रामलाल मीणा के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया कि पड़ोसी होने से आपसी बातचीत करने के दौरान मुम्बई में काम करने वाले अपने भाणेज की शादी के लिए आरोपी से चर्चा की। इस पर दोनों के बीच बातचीत में आरोपी ने अपने परिचित के लड़की होने की उससे विवाह कराने की बात कहते हुए इसके लिए खर्चे की मांग की। इस पर आरोपी को 4 जुलाई को 50 हजार रूपये नकदी दी। उसके बाद से न तो आरोपी ने किसी रिश्तेदार से मिलवाया न लड़की बताई। पूछताछ करने पर संतोषप्रद जवाब नहीं दे रही है।

अंग्रेजी शराब सहित दो गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। पुलिस ने अंग्रेजी शराब से भरी कार जब्त कर 2 आरोपियों गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस शराब कारोबारीयों के खिलाफ कार्यवाहियों में जुटी हुई हैं और उसी के तहत साबला पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान स्वीफ्ट कार से शराब परिवहन की सूचना मिलने पर घाटडा तिराहा के पास नाकाबदी प्रारंभ की तो पुलिस जाप्ता को देखकर वापस आसपुर तरफ भागी जिस पर पुलिस थाना आसपुर पर नाकाबन्दी करवाई जाकर मय थानाधिकारी जाप्ता उक्त गाड़ी का वाहन से पीछा किया जिस पर उक्त कार अन्दरूनी रास्ते से बडौदा हो पुजपुर तरफ गई। जो पूर्व मे बताये अनुसार पुंजपुर मे भी पुलिस द्वारा नाकाबन्दी करने पर वापस कार चालक अपनी गाडी को वापस आसपुर तरफ भगा कर ले जाने पर पुलिस थाना आसपुर के जाप्ते द्वारा व थानाधिकारी मय जाप्ता द्वारा उक्त गाडी का लगातार पीछा किया गया। जिस पर उक्त गाडी के चालक द्वारा गाडी को बडौदा से अन्दरूनी रास्ते होते हुये घाटडा तिराहे तरफ आया।

साबला पुलिस द्वारा जब्त की गई शराब के साथ आरोपी।

- **कार में थी 31 कार्टन अंग्रेजी शराब**

जिस पर मन थानाधिकारी मय जाप्ता के द्वारा प्राईवेट गाडी को सामने खडी कर रोक ली।

गाडी की तलाशी ली जिसमें 30 कार्टून किंगफीशर टिन बियर फॉर सैल ईन राजस्थान व एक पेटी अंग्रेजी शराब चण्डीगढ को जब्त किया। पुलिस ने इस मामले में बरकत पुत्र मोलवी मोहम्मद खान निवासी तमलियार थाना रामसर जिला बाडमेर तथा हकमाराम पुत्र रूडाराम तिरगर निवासी मेडा जागीर थाना साचोर जिला जालोरा को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया जाकर अनुसंधान जारी है। बरामद की गई शराब की किमत एक लाख रूपये हैं।

'राज्य सरकार ब्रज क्षेत्र के विकास के लिए दृढ़ संकल्पित'

भरतपुर (निस)। ब्रज पर्वत एवं पर्यावरण संरक्षण समिति द्वारा पंचायत समिति डीग के ग्राम पसोपा में पशुपतिनाथ मंदिर पर बाबा विजयदास की स्मृति में श्रीमद् भागवद शांति कथा यज्ञ के समापन अवसर पर कार्यक्रम आयोजित हुआ।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर आलोक रंजन ने कहा कि साधु संतों एवं आमजन की सकारात्मक सोच और सक्रिय सहयोग से इस धार्मिक समस्या का समाधान शांतिपूर्ण तरीके से हो सका है। उन्होंने कहा कि आप सभी शांति एवं संयम रखें आपके प्रयासों के सार्थक परिणाम शीघ्र ही सामने आयेंगे। जिला प्रशासन द्वारा राज्य सरकार से लगातार सम्पर्क बनाये रखे हुए है, ब्रज पर्वतीय क्षेत्र एवं पसोपा के समन्वित विकास की कार्ययोजना को धरातल पर लाने की कार्यवाही की जा रही है साथ ही क्षेत्र में विकास कर धार्मिक पर्यटन को बढावा देने के प्रयास किये जा रहे हैं जिससे आदिबद्री, पशुपतिनाथ मंदिर, काम्य वन सहित ब्रज के अन्य स्थलों को जोडकर पर्यटकों को धार्मिक मंदिरों के दर्शन के माध्यम से यहां के युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किये जा सके। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से अपील की कि वे किसी प्रकार के संशय एवं अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजन शीघ्र ही आदिबद्री में कर ब्रज क्षेत्र के पर्वतों को हराभरा बनाने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक गौरव श्रीवास्तव ने कहा कि पसोपा में हुई दुखद घटना के बाद बाबा विजय दास द्वारा किया गया संकल्प को हम सब को पूरा करना है तथा हमें बाबा विजय दास की परिकल्पना के अनुरूप ब्रज क्षेत्र के धार्मिक पर्वतों का संरक्षण कर विकास कार्य करने है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय लोग ब्रज क्षेत्र के विकास के साथ ही गौ रक्षा का संकल्प लेकर पुलिस का सहयोग करें तो हम इस समस्या का जड से समाधान कर सके। संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा ने कहा कि राज्य सरकार की पूरी मंशा है कि पसोपा के साथ ही ब्रज क्षेत्र का विकास बाबा विजय दास की परिकल्पना के आधार पर हो इसके सम्बन्ध में राज्य सरकार को प्रस्ताव भिजवाये जा चुके हैं। जिला परिषद सदस्य मोहन सिंह एवं सरपंच प्रतिनिधि विजय सिंह गुर्जर द्वारा डीग से सीकरी वाया पसोपा होकर बस सेवा शुरू करने की मांग की जिस पर उन्होंने इस सम्बन्ध में लिखित प्रार्थना पत्र भिजवाये जिससे आगे कार्यवाही की जा सके। इस अवसर पर जिला पुलिस अधीक्षक श्याम सिंह ने कहा कि ब्रज क्षेत्र के विकास में युवाओं की भागीदारी बहुत महत्वपूर्ण है इसके लिए युवा अपने लक्ष्य निर्धारित करने के साथ ही ग्राम एवं क्षेत्र के विकास में भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ब्रज क्षेत्र के धार्मिक एवं पुरामहत्व के स्थानों का विशेष ध्यान रखा जायेगा। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी डीग हेमन्त कुमार, नायब तहसीलदार खोह संजय सिंह गुर्जर, आरसीएचओ डॉ अमर सिंह सैनी, आदिबद्री के महंत शिवराम दास, बाबा भूरादास, पूर्व सरपंच सुलतान सिंह, महावीर सिंह, भरत सिंह सहित श्रद्धालु एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

संत रविनाथ की मृत्यु की निष्पक्ष जांच को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए

जालोर/रानीवाड़ा, (कासं)। राज्य के जनजाति क्षेत्रीय विकास राज्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री अर्जुन सिंह बामनिया एवं राजस्व मंत्री राम लाल जाट रविवार को जालोर जिले के दौरे पर रहे। प्रभारी मंत्री अर्जुन सिंह बामनिया, राजस्व मंत्री राम लाल जाट एवं भूराराम सीरवी ने राजपुरा ग्राम स्थित बाल हनुमान आश्रम के संत रविनाथ की मृत्यु की निष्पक्ष जांच के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी की मंशानुरूप आश्रम को हरसंभव मदद दी जाएगी। राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने कहा कि इस प्रकरण की निष्पक्षता से जांच करते हुए दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि आम जन एवं संत समाज की भावना के अनुरूप दोषियों के विरुद्ध जल्द जांच पूर्ण करवा कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

उपस्थित आश्रम संत समाज एवं ग्रामीणों द्वारा इस संबंध में राजस्व मंत्री रामलाल जाट एवं प्रभारी मंत्री अर्जुन सिंह बामनिया को दोषियों को जल्द सजा दिलाने, रास्ते के लिए जमीन देने, भूमि का पट्टा जारी करने, आश्रम को आर्थिक मुआवजा दिए जाने समेत विभिन्न मांगों के को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान राजस्व मंत्री रामलाल जाट, जिला प्रभारी मंत्री अर्जुन सिंह बामनिया, भूराराम सीरवी द्वारा संत रविदास की समाधि पर पुष्प अर्पित कर सादर श्रद्धांजलि भी अर्पित की। इस दौरान जिला कलेक्टर निशांत जैन, पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाल, पूर्व उप मुख्य सचेतक रतन देवासी, अतिरिक्त जिला कलैक्टर राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दशरथ सिंह, पूर्व विधायक समरजीत सिंह, उपखंड अधिकारी जसवंतपुरा राजेंद्र सिंह, उपखंड अधिकारी भीनमाल जवाहर चौधरी, उमसिंह चादराई, श्रवण सिंह राठौड, रमिला मेघवाल सहित कई लोग उपस्थित रहे।

राजस्व मंत्री रामलाल जाट, जिला प्रभारी मंत्री अर्जुन सिंह बामनिया, भूराराम सीरवी आदि ने संत रविदास की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

- **संत रविनाथ की आत्महत्या मामले को लेकर राजस्व मंत्री रामलाल जाट व प्रभारी मंत्री अर्जुनसिंह बामणिया आश्रम पहुंचे**

संक्षिप्त

सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियां शुरू

श्रीमाधोपुर, (निसं)। डॉक्टर अंबेडकर मानवतावादी सेवा संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र कुमार महरडा के अनुसार संस्थान की आवश्यक मीटिंग कन्हैया लाल शार्दूल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में राधेश्याम बरवड संयोजक ने 6 वें विवाह सम्मेलन के बारे में विचार विमर्श कर तय किया गया कि सामुहिक विवाह सम्मेलन के तहत 2 अक्टूबर को सगाई समारोह, 30 अक्टूबर को विवाह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। बरवड व महरडा के अनुसार मीटिंग में विवाह सम्मेलन हेतु विवाह समिति का गठन किया गया जिसमें हरिश चंद्र छिछोलिया को अध्यक्ष, मदनलाल छिछोलिया, राधेश्याम नारनोलिया व नवल किशोर बोला को उपाध्यक्ष ,संदीप तोषनीवाल को महासचिव, शंकरलाल बिदावत को प्रदेश कोषाध्यक्ष, अरुण बिंवाल को कोषाध्यक्ष, अरविंद वर्मा को सचिव, सुरेंद्र कुमार काजला को कार्यालय प्रभारी, प्रेम देवी वर्मा को अध्यक्ष सामूहिक विवाह समिति ,प्रकाश कटारिया, पवन कुमार व लक्ष्मण राम को जोडा कमेटी में शामिल किया गया है।

सीएलजी मीटिंग का आयोजन

गोविंदगढ़/अलवर, (निसं)। गोविन्दगढ़ कस्बे में हिन्दू एवं मुस्लिम के त्योहारों के मध्य नजर थाना परिसर में सी एल जी की मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग थाना अधिकारी शिव शंकर शर्मा, उपखण्ड अधिकारी रेखा मीणा, तहसीलदार विनोद मीणा की मौजूदगी में। मीटिंग में आने वाले त्योहारों में शांति व्यवस्था बनी रहे इसे लेकर सी एल जी के सभी सदस्यों को सहयोग करने की अपील भी की गई। इस महीने में मोहर्रम, 15 अगस्त, रक्षा बंधन तथा जन्माष्टमी के त्योहारों के मध्य नजर कस्बे में शांति व्यवस्था बनी रही इसकी जिम्मेदारी सभी लोगों की है। व्यापार संघ के अध्यक्ष अजय मेठी ने इस मीटिंग में अधिकारियों को आश्वस्त किया कि कस्बे में हमेशा से भाईचारा बना रहा है और सभी त्यौहार शान्ति पूर्वक मनाए जाते है।

प्रवेश के लिए कटऑफ जारी

श्रीमाधोपुर, (निसं)। स्थानीय राजकीय महिला महाविद्यालय में इस सत्र में प्रवेश के लिए कटऑफ जारी कर दी गई है । नोडल अधिकारी प्रोफेसर हंसराज चौहान ने बताया कि 200 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा ,जिसके लिए कुल 309 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से मेरिट लिस्ट 154 छात्राओं की निकाली गई है, जिसकी सूचना महाविद्यालय की सूचना पर चस्पा कर दी गई है। बीए पार्ट प्रथम के लिए मुख्य सूची में जनरल के लिए 66 छात्राओं की कट ऑफ 80, ओबीसी की 38 छात्राएं जिनकी कटऑफ 72 , एससी की 29 छात्राओं की कटऑफ 70.20 ,एसटी की 14 छात्राओं की कटऑफ 59 . 20 ,एमबीसी की एक छात्रा के लिए 58 .08 व ईडब्ल्यूएस 6 छात्राओं की कट ऑफ 61. 80 जारी की है। इन छात्राओं को 10 अगस्त तक मूल प्रमाण पत्रों का सत्यापन महाविद्यालय में करवाना होगा।

राष्ट्रभक्ति कवि सम्मेलन आज

अलवर। आजादी के अमृत महोत्सव और भारत छोडो आंदोलन की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 8 अगस्त को राष्ट्रभक्ति कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

अतिक्रमण हटाने की मांग पर चार दिन से चल रहा किसानों का धरना

चौरु/उनियारा, (निसं)। उनियारा उपखंड कस्बे बनेठा में ग्राम सेवा सहकारी समिति के बाहर अतिक्रमण कर करवाए जा रहे पक्के निर्माण कार्य के विरोध में ग्रामीणों द्वारा किसान महापंचायत युवा प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद चौधरी के नेतृत्व में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन लगातार चौथे दिन भी जारी रहा।

धरने के चार दिन बीत चुके हैं परंतु कोई भी प्रशासनिक अधिकारी धरना स्थल पर वार्ता करने के लिए नहीं पहुंचा है । रविवार को धरना स्थल पर जिला प्रमुख सरोज बंसल के प्रतिनिधि के रूप में उनके पति नरेश बंसल पहुंचे तथा ग्रामीणों द्वारा अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर दिए जा रहे धरने का समर्थन कर सोमवार को जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी से उक्त मामले की जांच करवाने तथा अतिक्रमण को हटाने का आश्वासन दिया। जैसे-जैसे दंगल के दिन गुजर रहे हैं वैसे वैसे ही ग्रामीण क्षेत्र के जनप्रतिनिधि अतिक्रमण हटाने की मुहिम में लामबंद होते दिख रहे हैं अगर 8 अगस्त तक सरकार द्वारा या प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने के लिए दिए जा रहे धरने पर कोई वार्ता नहीं की जाती है तो 9 अगस्त से आंदोलन की रणनीति में बदलाव किया जाएगा।

> ■ कोई भी प्रशासनिक अधिकारी धरना स्थल पर वार्ता करने के लिए नहीं पहुंचा

उनियारा उपखंड के बनेठा में ग्राम सेवा सहकारी समिति के बाहर हो रहे अतिक्रमण के विरोध में ग्रामीणों का अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन लगातार चौथे दिन भी जारी रहा।

इससे पहले शनिवार को पंचायत समिति सदस्य एवं पूर्व सरपंच नरेंद्र सैनी तथा वार्ड नंबर 4 के वार्ड पंच मोहन लाल माली भी धरना स्थल पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने के लिए धरने का समर्थन किया था। किसान महापंचायत के युवा प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर चौधरी ने बताया कि जब तक प्रशासन द्वारा उनकी मांगे नहीं मान ली जाती तब तक धरना स्थल पर धरना जारी रहेगा। ग्रामीण चार दिनों से दिन रात धरना दे रहे हैं । किसान महापंचायत प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर चौधरी ने बताया कि अगर प्रशासन द्वारा 8 अगस्त तक वार्ता के लिए कोई भी अधिकारी धरना स्थल पर नहीं आता है तो 9 अगस्त से आंदोलन की रणनीति में परिवर्तन किया जाएगा । धरने के दौरान पूर्व जिला परिषद सदस्य एवं जिला प्रमुख प्रतिनिधि नरेश बंसल ने कहा कि ग्रामीणों एवं धरना दे रहे किसानों की मांगें जायज है । एक व्यक्ति विशेष द्वारा सहकारी समिति के बाहर अतिक्रमण कर करवाए जा रहे पक्के निर्माण को शीघ्र हटाया जाना चाहिए । धरना प्रदर्शन के दौरान समिति अध्यक्ष सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

12-12 लाख से गोदाम बनेगें

पावटा, (निसं)। विराटनगर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत बडनगर व जयसिंहपुरा की ग्राम सेवा सहकारी समिति के अधीन 12-12 लाख की लागत से नवीन सहकारिता गोदाम का निर्माण होगा।

सहकारिता विभाग की बजट घोषणा में स्थानीय विधायक इंद्राज गुर्जर मांग पर ग्राम पंचायत बडनगर व जयसिंहपुरा की ग्राम सेवा सहकारी समिति में नए गोदाम व खाद्यान्न गृह का निर्माण करवाया जाएगा। जिससे खाद्यान्न गृह एवं कृषि उत्पादों के साथ ही खाद, बीज, दवाई सहित कृषि जिंसों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी एवं वस्तुओं का भंडारण करने के लिए पर्याप्त जगह की सुनिश्चितता उपलब्ध होगी व खाद्यान्नों को खराब होने से बचाया जा सकेगा। 100 मैट्रिक टन का नवीन गोदाम निर्माण होगा।

> ■ ग्राम पंचायत बडनगर व जयसिंहपुरा की ग्राम सेवा सहकारी समिति के अधीन गोदाम बनेंगे

निर्माण कार्य स्वीकृति जारी होने की तिथि के चार माह में पूर्ण किया जाना आवश्यक है। विराटनगर विधान सभा विधायक इंद्राज गुर्जर ने बताया कि इस स्वीकृति से किसानों को राहत प्रदान होगी। किसानों की मांग पर मैंने सरकार ने नवीन गोदाम निर्माण के लिए राशि स्वीकृत किए जाने की मांग की थी। अब किसानों को राहत मिलेगी।

सार-समाचार

बहरोड़ विधायक का स्वागत

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा में रविवार को बहरोड़ विधायक बलजीत यादव के आगमन पर राजस्थान ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष राजेश शर्मा के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने माला व साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया। वहीं विधायक बलजीत यादव ने अपने संकल्प के तहत स्वागत नहीं करवाते हुए मीडिया से रूबरू होते हुए बताया कि भ्रष्टाचार ने समाज को खोखला कर दिया है। इस भ्रष्टाचार के कारण गरीब व मिडिल क्लास के लोगों को खून के आंसू रोना पड़ता है और घुट-घुट कर मरना पड़ता है। उन्हें नियम कानून का पता नहीं होने पर नाजायज परेशान किया जाता है। अगर भ्रष्टाचार पर अंकुश लग जाए तो यह दलाल प्रथा समाप्त हो जाएगी व आमजन का कार्य बिना आर्थिक परेशानी के सरलता से हो पायेगा। वही मेरे द्वारा मुहिम भ्रष्टाचारी को पकडवाओ, 51 हजार का नगद ईनाम पाओ के तहत भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है। वहीं उन्होंने युवाओं की पीडा व दर्द को समझते हुए कहा कि मेरे पास हर दिन हजारों बेरोजगार इसी पीडा को लेकर आते हैं कि पेपर लीक गैंग की बजह से मेहनत करने वाले युवाओं को नौकरियां नहीं मिल रही हैं। इस मौके पर पावटा पूर्व सरपंच प्रतिनिधि गोपाल अग्रवाल, वार्ड पार्षद विजय गुप्ता, अमित शर्मा, भुवनेश शर्मा, जुगल किशोर यादव, हरी सैनी, सुरेश यादव, पिंटू सिंह, पप्पू दादा, बबलू, कैलाश, चंदू यादव, धुनाराम, सुभाष यादव, शीशराम, फरदीन खान बलवान, जितेंद्र शर्मा सहित जन प्रति निधि व ग्रामीण मौजूद रहे।

सांभर समाज के लोगों का मिलन समारोह

सांभरझील, (निसं)। सांभर समाज, जयपुर के लोगों का मिलन समारोह कार्यक्रम आयोजित हुआ। समस्त सांभर प्रवासी लोगों ने इसमें उत्साह के साथ भाग लिया। प्रथम आगन्तुक दम्पत्तियों में से पांच भाग्यशाली दम्पत्तियों को पुरस्कार दिये गये। महिलाओं, पुरूषों, युवक युवतियों व बच्चों के लिये प्रतियोगितायें हुयी। प्रत्येक खेल में तीन विजेताओं को पारितोषिक दिये गये। दस लोगों को लक्की कूपन ड्रा के माध्यम से पुरस्कार दिये गये। पहत्तर वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठजनों भी गर्मजोशी से अभिनन्दन किया गया। ऐसे लोगों की ओर से उनके जीवन में दिये गये योगदान के लिये उनका साफा पहनाकर उनका आदर किया गया। सैकण्डरी एवं सीनियर सैकण्डरी परीक्षा में नब्बे प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली होनहार प्रतिभाओं को स्मृति चिंह देकर उनका हौंसला हफजायी की गयी। इस दौरान फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता के अलावा देशभक्ति व महापुरूषों पर आधारित थीम पर चार वर्ष से दस वर्ष तक तथा ग्यारह वर्ष से अठारह वर्ष तक के बच्चों के लिये रखी गयी प्रतियोगिता में सभी ने अपने हुनर का शानदार परिचय दिया। इसी प्रकार दस से अठारह वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों के लिये अनेक विषयों पर चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी।

मंत्री जूली ने परिवार सहित पदयात्रा का स्वागत किया

अलवर, (निसं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा कारागार विभाग मंत्री टीकाराम जूली ने धर्मपत्नी गीता जूली तथा परिवार सहित अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के मालाखेडा तथा बालेटा कस्बे से रींगस खाटूश्याम जी के लिए निकली ग्रामीणों की पदयात्रा का रास्ते में माल्यार्पण व पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। मंत्री जूली ने कहा कि धार्मिक भावना से ओतप्रोत खुशहाली की कामना करने के उद्देश्य से पदयात्रियों का यह जत्था खाटूश्यामजी के लिए रवाना हुआ है। भक्त धर्म ध्वज लहराते हुए ढोल-नगाडों की धून पर बाबा की महिमा के भजन गाकर पदयात्रा में शामिल हो रहे है। उन्होंने बताया कि सीकर जिले में स्थित खाटूश्याम मंदिर की काफी मान्यता है। लखदातार श्रद्धा व आस्था तथा आकर्षण केन्द्र है। यहां बडी संख्या में श्रद्धालु बाबा श्याम के दर्शन करने आते है। इस अवसर पर प्रतीक व्यास, जितेन्द्र मीना, सुरेश शर्मा, जगदीश योगी, महावीर मीना, नवीन नावरिया, पांचाराम, हनुमान यादव, रथपार्क, नीलम नावरिया, खुशीराम, रेवडिया मीना, रमेश, झम्मन लाल, रतन गांधी, ओमप्रकाश, पूरण, राजाराम, रामसिंह, दौलतराम, करण, राजेश, मनीष, बाबूलाल, पंकज, अनुज, विमल, रिंकु सहित बडी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अनुसूचित व जनजाति की बैठक

पावटा, (निसं)। अनुसूचित जाति व जनजाति टोरडा गुजरान की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन डॉ. अबेडकर सामुदायिक भवन में जीणगौर सरपंच रोहिताश कुमार बायला के मुख्य आतिथ्य, सामाजिक कार्यकर्ता जगदीश आर्य की अध्यक्षता व पंडित पुरा सरपंच के विशिष्ट आतिथ्य में की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए ग्राम पंचायत टोरडा गुजरान पूर्व सरपंच हरिचंद धानका ने आपसी भाईचारे व एकता बनाये रखने व शिक्षा को बढावा देने की बात कहीं। वही जगदीश आर्य ने डॉ. अबेडकर साहब को प्रेरणा स्त्रोत बताते हुए उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर ही चलने का आव्हान किया। कार्यक्रम के अंत में हंसराज धानका एवं अमरसिंह धानका का अध्यक्ष अंबेडकर विचार मंच ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत कर एकता एवं मजबूती बनाए रखने के लिए कहा। इस मौके पर रिटायर्ड हवलदार मूलचंद, रोशन लाल आर्य, मातादीन मुलोदिया, रूपचंद मुलोंदिया, रामकुमार मुलोंदिया, सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

चिकित्सा मंत्री ने आवासीय पट्टे वितरित किए

लालसोट, (निसं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा द्वारा मंडावरी नवगठित नगर पालिका में रविवार को पात्र शहर वासियों को आवासीय पट्टे वितरित किए गए।

मंत्री मीणा द्वारा 69 ए के तहत नगर पालिका क्षेत्र मंडावरी की आबादी भूमि से संबंधित पट्टे वितरण कर पात्र शहर वासियों को लाभान्वित किया गया। पट्टा वितरण कार्यक्रम के दौरान शहरवासियों को नवगठित नगर पालिका में प्रशासन शहरों के संग अभियान के तीसरे चरण में 69 ए के तहत पट्टे मिलते ही भूखंड मकान आदि का स्वामित्व मिलने के बाद लाभार्थी शहर वासियों के चेहरे खिल उठे। चिकित्सा मंत्री मीणा ने नवगठित नगर पालिका क्षेत्र की कृषि भूमि में बसे आवासीय घरों को भी अभियान के दोरान पट्टे देकर ज्यादा से ज्यादा लाभान्वित करने के निर्देश दिए। वही अधिशासी अधिकारी नमन शर्मा एवं शिविर प्रभारी रमेश चंद शर्मा द्वारा मंत्री मीणा को कृषि भूमि में बसे आवासीय कॉलोनी पट्टे जारी करने की प्रक्रिया के लिए की जा रही आवश्यक तैयारियों के बारे में बताया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उद्योग मंत्री मीणा ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार द्वारा आवासीय मकानों भूखंडों का वास्तविक मालिक को स्वामित्व देने के लिए एवं विभिन्न प्रमाण पत्रों एवं अटके पडे कार्यों को तुरंत निपटाने के लिए प्रशासन शहरों के संग एवं गांव के संग अभियान की शुरुआत की है। इस दौरान मंत्री मीणा द्वारा नगर पालिका द्वारा बनाए गए 69 ए के पट्टो को लेकर नगर पालिका की प्रशंसा भी की। पट्टा वितरण कार्यक्रम के दौरान मंत्री मीणा द्वारा जनसुनवाई भी की गई। अधिशासी अधिकारी द्वारा पट्टे बनाने संबंधी गई प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी मंत्री मीणा को दी गई। पट्टा वितरण समारोह के दोरान पंचायत समिति प्रधान नाथू लाल मीणा, अधिशासी अधिकारी नमन शर्मा, तहसीलदार मदनलाल मीणा, विद्युत विभाग के एईएन घनश्याम मीणा पीएचईडी के एईएन अंकित जैन, जेईएन बसराम मीणा, जिप सदस्य नरेश बैपलावत. कार्यवाहक स्वास्थ्य निरीक्षक रामवतार मीणा व ललिता बैरवा, ड्राफ्टमैन रणधीर मीरवाल, प्रेम शर्मा, रिंकू शर्मा, बृजेश गौतम, डा धीरज शर्मा सहित शहरवासी मौजूद रहे।

नगर पालिका मंडावरी में चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा (बाएं से तीसरे) ने लाभार्थियों को पट्टे वितरण किये।

क्रमोन्नत विद्यालयों का उद्घाटन किया

लालसोट/रामगढ़ पचवारा, (निसं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने उपखंड मुख्यालय पर राजस्थान सरकार द्वारा उनके प्रयासों के बाद विभिन्न श्रेणी के क्रमोन्नत राजकीय विद्यालयों का उद्घाटन किया।

वहीं दूसरी ओर रामगढ पचवारा उपखंड क्षेत्र में ग्राम विद्युतीकरण योजना का लोकार्पण किया। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि स्थानीय स्तर पर उच्च कक्षाओं मैं स्कूलों के क्रमोन्नित से छात्र छात्राओं को बेहतर गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा स्थानीय स्तर पर ही प्राप्त होगी। वही ग्राम विद्युतीकरण योजना से दर्जनों गाडियों के हजारों ग्रामीण क्षेत्र में निवास कर रहे ग्रामीणों को निर्बाध विद्युत सेवा का लाभ मिल सकेगा.. स्थानीय विधायक व चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा के प्रयासों से बगड़ी, बनासडी डिगो, भांवता, बीड़ोली, चौण्डियावास, ढोलावास, धोण डिंवाचली कला, कर्णपुरा, खानपुर, किशनपुरा, कोलीवाड़ा नगरियावास, रतनपुरा, रायपुरा, समेल आदि राजकीय माध्यमिक विद्यालय उच्च माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नित पर एवं राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय से उच्च माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नत सात विद्यालय, लाडपुरा, लाखनपुर, गोल, श्रीरामपुरा, जगनेर तुर्कान कुशलपुरा, गोपालपुरा उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि नगर पालिका चेयरमैन रक्षा मिश्र पंचायत समिति नाथूलाल मीना व कौशल्या मीना व पालिका उपाध्यक्ष संतोष स्वामी रहे.. खंड विकास अधिकारी प्रियंका मीना ने जानकारी देते हुए बताया की शनिवार को चिकित्सा मंत्री मीणा द्वारा पंचायत समिति रामगढ पचवारा की अधीनस्थ ग्राम पंचायते नयावास, पालुन्दा, भावता, राहुवास, कोलीवाडा, गोपालपुरा, सोनड, बीछा, सलेमपुरा, निजामपुरा, ढोलावास की ग्रामीण विधुतीकरण योजना का लोकार्पण चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीना द्वारा किया गया।

> ■ चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने विद्यालयों का उद्घाटन किया

लोकार्पण के दौरान प्रधान डां कौशल्या मीना, पंचायत समिति लालसोट प्रधान नाथू लाल मीना, सामाजिक कार्यकर्ता डा. मोहन लाल मीना, उपखण्ड अधिकारी नीतू करोल, विकास अधिकारी प्रियंका मीना, लेखा अधिकारी हरिमोहन मीना सहायक विकास अधिकारी कमलेश मीना, पूर्व उप प्रधान किशन लाल मीना, ग्राम कोलीवाडा संरपच अर्चना शर्मा, ग्राम पंचायत गागल्यावास सरपंच मीरा देवी बैरवा आदि मौजूद थे।

सिंगल यूज प्लास्टिक बंद कराने को लेकर शहर में निकले युवा

अलवर, (निसं)। सिंगल यूज प्लास्टिक बंद कराने की मुहिम लेकर रविवार को रोटरी क्लब अलवर फोर्ट व अलवर पैडल्स की ओर से युवा शहर में साइकिल लेकर निकले। सिंगल यूज प्लास्टिक बंद करने को लेकर आमजन को जागरूक किया।

युवा अलवर शहर की सडकों पर बंद करो- प्लास्टिक बंद करो के नारे लगाते हुए निकले। अलवर में 8 किलोमीटर की साइकिल यात्रा निकाली। जो नंगली सर्किल से प्रारंभ होकर भगतसिंह सर्किल, रूपबास, जगन्नाथ मंदिर तक पहुंची।

इस कार्यक्रम के संयोजक अर्पित गुप्ता ने बताया समापन के दौरान अंकुरित अनाज एवं जूस सभी प्रतिभागियों को दिया गया। रैली को यूआईटी के भूमि अवाप्ति अधिकारी सोहन सिंह नरुका ने रवाना किया। रैली का नेतृत्व सुरेंद्र मीना ने किया। इस दौरान अमित सिंघल , संस्थापक अलवर पैडल्स ने प्लास्टिक मुक्त अलवर का संदेश दिया। रोटरी क्लब अलवर फोर्ट से मधुर अग्रवाल, अभिषेक तनेजा, अमित गोयल एवं मनीष भाटिया सहित काफी संख्या में युवा मौजूद रहे।

इस कार्यक्रम में आकाश व अंशु ने साइकिल से स्टंट भी दिखाए। उनके स्टंट को देख लोग अचंभित रह गए। वे काफी दूर तक ऊपर पैर कर साइकिल चलाने में माहिर हैं। वहीं कई तरह के स्टंट साइकिल से करते हैं। इस रैली का मकसद यही था कि आमजन को सिंगल यूज प्लास्टिक के खतरे पता लगें। ताकि वे इसका यूज बिल्कुल बंद कर दें।

एसडीएम ने मतदान केंद्र व छात्रावास का निरीक्षण किया

किशनगढ़ बास, (निसं)। एसडीएम गंगाधर मीणा ने विशेष अभियान के तहत मतदान केंद्रों पर आयोजित मतदाता पहचान कार्ड को आधार कार्ड से लिंक किए जाने के लिए लगाए गए कैंप का औचक निरीक्षण कर ड्यूटी से नदारद मिले 6 बीएलओ को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं।

इसके अलावा एसडीएम ने बास कृपाल नगर में संचालित छात्रावासों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को देख वार्डन को सुधार के निर्देश दिए हैं। एसडीएम गंगाधर मीणा ने बताया कि चुनाव आयोग एवं जिला कलेक्टर के निर्देशन में रविवार को आयोजित विशेष अभियान के तहत किशनगढ बास विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्रों पर लगाए गए मतदाता पहचान कार्ड को आधार कार्ड से लिंक कराए जाने के लिए गांव घासोली खानपुर मेवान कोलगांव महरमपूर में कैंप का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के ड्यूटी से नदारद मिले बीएलओ नरेन्द्र कुमार शर्मा भाग संख्या 214, योगेश कुमार भाग संख्या 215, भँवर लाल भाग संख्या 216, इब्राहिम खा भाग संख्या 246, कमलजीत सिंह भाग संख्या 247 व सुरेन्द्र कुमार मित्तल सुपरवाइजर को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।

इसके अलावा एसडीएम गंगाधर मीणा ने सुबह 9:15 पर किशनगढ बास के बास कृपाल नगर में संचालित अम्बेडकर बालिका छात्रावास का किया निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को देखा और छात्राओं से व्यवस्थाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने वार्डन को मौसमी बीमारियों को देखते हुए छात्रावास में विशेष साफ सफाई रखने के लिए निर्देशित किया वहीं छात्रावास में अव्यवस्थित सामान पढा होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए व्यवस्थित रखने के लिए निर्देश दिए हैं।

एसडीएम गंगाधर मीणा ने मतदान केंद्रों पर पहुंच कर कैंप का निरीक्षण कर ग्रामीणों से चर्चा की।

> ■ ड्यूटी से नदारद मिले 6 बीएलओ को दिए नोटिस
> ■ छात्रावास में अव्यवस्थाओं को देख जताई नाराजगी

लम्पी स्किन महामारी पर बैठक

श्रीमाधोपुर, (निसं)। पंचायत समिति के सभागार में उपखंड अधिकारी दिलीप सिंह राठौड की अध्यक्षता में शनिवार को पशुओं में फैल रही लम्पी स्किन महामारी के संबंध में आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया ।

राठौड ने बताया कि बैठक में उपस्थित नोडल पशु चिकित्सा अधिकारी श्रीमाधोपुर व अजीतगढ, विकास अधिकारी पंचायत समिति अजीतगढ व श्रीमाधोपुर, नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को लम्पी महामारी रोकथाम,उपखंड क्षेत्र में संचालित गौशाला संचालको एवं पशुपालकों ,आमजन को जागरूक करने के निर्देश दिए गए। बताया गया है कि मीटिंग में मृत पशुओं के उचित निस्तारण हेतु ग्रामीण क्षेत्र में पंचायत समिति के विकास अधिकारी व अजीतगढ तथा शहरी क्षेत्र में अधिशासी अधिकारी नगरपालिका को आवश्यक संसाधन उपलब्ध करवाने हेतु निर्देश प्रदान किए गए। नोडल पशु चिकित्सा अधिकारी अजीतगढ व श्रीमाधोपुर को पशुओ में उक्त महामारी के लक्षण प्रकट होते ही तत्काल आवश्यक उपचार मुहैया करवाने के निर्देश दिए गए।

अस्पृश्यता के खिलाफ संदेश वाले विश्व के सबसे बड़े सिक्के का पावटा पहुंचने पर स्वागत

पावटा, (निसं)। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नवीन संसद में लगाने व अस्पृश्यता को खत्म करने के एक अधूरे वादे की याद दिलाने के लिए 1 हजार 111 किलोग्राम वजनी व 2,047 मिलीमीटर व्यास के सिक्के के रविवार शाम पावटा पहुंचने पर सामाजिक कार्यकर्ता निर्तेंद्र मानव के नेतृत्व में सर्व समाज द्वारा पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया।

जानकारी के अनुसार इसमें हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में अस्पृश्यता पर एक संदेश है 'क्या 1947 में अस्पृश्यता मुक्त भारत का सपना 2047 में सच होगा'। अस्पृश्यता शब्द भी एक तरफ 15 भारतीय भाषाओं में लिखा गया है। इसे ओडिशा के विश्व रंजन और दिल्ली के बल्लू जाटव दो कलाकारों ने बनाया है। जिसके दोनों ओर डॉ. बीआर अंबेडकर और गौतम बुद्ध के चित्र उकेरे गए हैं, यह देश के विभिन्न हिस्सों के लोगों द्वारा दान किए गए 2,450 किलोग्राम पीतल के बर्तनों से बनाया गया है। संगठन, नवसर्जन ट्रस्ट एक सप्ताह की यात्रा के बाद नए संसद भवन के लिए सरकार को सिक्का दान करने की योजना बनाते हुए संगठन ने भारत के राष्ट्रपति के माध्यम से सरकार को दान करने के लिए यात्रा के रूप में दिल्ली की यात्रा करने की अपनी योजना अनुसार मानवाधिकार कार्यकर्ता मार्टिन मैकवान के नेतृत्व में 400 से अधिक कार्यकर्ताओं के साथ 1 अगस्त को अहमदाबाद से शुरू होकर राजस्थान के विभिन्न जिलों से गुजरते हुए रविवार शाम उपखंड पावटा पहुँचने पर सर्व समाज द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता ओ पी बायला, मनोज बुनकर, बलवंत मीणा, राजेश हाडिया, दिनेश हाडिया, पूरण मुलोंदिया, सुनील डुचानिया, लालचंद मीणा, कैलाश सिंघल, अजय चौहान सहित जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता व सर्व समाज के लोग एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

सिक्के का सर्व समाज द्वारा पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया।

संक्षिप्त

धनसिंह तहसील अध्यक्ष बने

मालपुरा, (निसं)। राजपूत सभा मालपुरा तहसील इकाई के चुनाव रविवार को पर्यवेक्षक हनुमान सिंह

सोलंकी, रणजीत सिंह हाथीपुरा, जसवंत सिंह नरूका, वंश प्रदीप सिंह कुकड व गजेन्द्र सिंह की मौजूदगी में सम्पन्न हुए। जिनमें धनसिंह राजावत को लगातार दूसरी बार राजपूत समाज तहसील अध्यक्ष चुना गया। वहीं रावणा राजपूत समाज के हुए चुनाव में निर्वाचन अधिकारी रामसहाय नरूका के सानिध्य में हुई चुनाव प्रक्रिया में तथा छीतर सिंह कच्छावा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुए चुनाव में किशन सिंह राठोड लावा को तहसील अध्यक्ष, महावीर सिंह कांटोली को सचिव, लक्ष्मण सिंह राठोड कोषाध्यक्ष, रामस्वरूप राठोड सांस को संगठन मंत्री व संरक्षक मंडल में कैलाश सिंह रावणा राजपूत, उपाध्यक्ष पद पर भंवर सिंह तंवर, सत्यनारायण गोलीपुरा, संतोष कंवर पचेवर, एडवोकेट गोरधन सिंह, गिर्राज दहिया,छोटु सिंह प्रतापपुरा व मिडिया प्रभारी सिताराम सिंह झाडली को चुना गया।

सुहाग दशमी पर पूजा की

टोंक, (निसं)। शहर के बड़ा तख्ता जैन मंदिर रविवार को सुहाग दशमी पर्व पर शांतिनाथ विधान मंडल का आयोजन हुआ, जहां सभी महिलाओं ने शांति विधान मंडल में पूजन कर अपने पति की लंबी उम्र की कामना की, विधान के अंदर 120 अर्घ्य समर्पित किए। सभी महिलाएं लहरिया साड़ी पहनकर उपस्थित हुईं, इस मौके पर महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र की कामना के लिए उपवास किए।

एसटी मोर्चा जिला अध्यक्ष का स्वागत

राजगढ़, (निसं)। भाजपा शहर मंडल की बैठक नसिया जी जैन मंदिर मेला का चौराहा पर मंडल अध्यक्ष एडवोकेट राहुल दीक्षित की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में नवनियुक्त एसटी मोर्चा जिला अध्यक्ष डॉ श्याम सुंदर मीणा का राजगढ भाजपा मंडल की ओर से पार्टी का दुपट्टा पहना कर स्वागत व सम्मान किया गया। मीणा ने कहा की पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है उसे वह पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी के साथ निर्वहन करेंगे एस टी समाज में पार्टी की रीति नीति को पहुंचाने का कार्य करेंगे तथा सभी आमजन के लिए व उनकी समस्याओं के लिए हमेशा उपलब्ध रहेंगे। उसके बाद नगर पालिका अध्यक्ष सतीश दुहारिया, पार्षद रूप नारायण मीणा व अन्य ने साफा पहनाकर मीणा का स्वागत किया।

भाजपा की समीक्षात्मक बैठक कल

टोंक, (नि.स.)। भारतीय जनता पार्टी टोंक की समीक्षात्मक बैठक 9 अगस्त मंगलवार को टोंक स्थित निजी महाविद्यालय पर होगी। जिसमें चितौडगढ सांसद सी. पी.जोशी का प्रवास रहेगा। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र पराणा ने बताया कि भाजपा को सशक्त बनाने के लिए ,सभी कार्यक्रमों, अभियानों की समीक्षा करने के लिये,आगामी हर घर तिरंगा अभियान को सफल बैठकों का आयोजन किया गया है। जिसमें 9 बजे जिला समन्वय समिति बैठक, 10 बजे जिला बैठक रखी गयी हैं।

स्कॉलरशिप जागरूकता कार्यक्रम आज

टोंक, (निसं)। विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए जरूरी है कि पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ उनका उचित मार्गदर्शन हो। दसवीं व बारहवीं के विद्यार्थियों को आगे किस क्षेत्र में करियर बनाना है और करियर बनाने में सरकारी व कारपोरेट की कौन कौन सी छात्रवृत्तियां सहायक हो सकती हैं। इस विषय में नि:शुल्क करियर गाइडेंस कार्यक्रम का आयोजन विद्यार्थियों के लिए निश्चित तौर पर मील का पत्थर साबित होगा। दसवीं व बारहवीं के विद्यार्थियों का भविष्य उज्जवल कैसे हो इसके लिए जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल के मार्गदर्शन में महिला अधिकारिता विभाग, शिक्षा विभाग व स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ मिलकर किशोरी सशक्तिकरण हेतु सकारात्मक पहल करते हुए करियर गाइडेंस कम मोटिवेशन व स्कालरशिप जागरूकता कार्यक्र शुरू किया है। जिसके अन्तर्गत प्रथम कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन व महिला अधिकारिता विभाग द्वारा शिक्षा विभाग एक्शनएड व तरक्की आई फाउण्डेशन के सहयोग से 8 अगस्त को प्रात: 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक कृषि ओडिटोरियम में किया जायेगा। जहीर आलम ने बताया कि कार्यक्रम में राजकीय विद्यालयों की दसवीं व बारहवीं में अध्ययनरत 500 से अधिक छात्रायें भाग लेंगी।

हैंडपम्प खराब होने से लोगों को पेयजल के लिए हो रही परेशानी

चाकसू, (निसं)। पेयजल की समस्या को दूर करने के लिए नगर पालिका क्षेत्र में प्रशासन द्वारा कई व्यवस्थाएं कर तो रखी हैं लेकिन समय पर देखभाल नहीं होने के कारण उसका कोई सार्थक अर्थ नहीं निकला रहा।

ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या

> ■ जिम्मेदारों का एक ही जवाब है कि जलदाय विभाग में सामान नहीं है

जस की तस बनी हुई है पालिका क्षेत्र स्थित नईतोढ़ की ढाणी, जीवनपुरा, लवाड़ी की ढाणी, खिरिया वाली ढाणी वार्ड 23 का एकमात्र हैंडपंप लगभग एक महीने से खराब है।

संबंधित विभाग को अवगत कराए जाने पर भी अभी तक हैंडपंप सुधारा नहीं गया हैजबकि उपरोक्त हैंडपंप वार्ड नंबर 23 की ढाणीयों में पीने के पानी का इक मात्र जरिया है लेकिन कोई सुध नहीं ले रहे जनता पानी के लिए परेशान हैं।

ग्रामीणों को कहना है कि जलदाय विभाग को लिखित में शिकायत दे चुके हैं इसके अलावा जलदाय विभाग ठेकेदार एवं जेईएन सैकड़ों बार फोन करके समस्या समाधान की मांग की जा चुकी है लेकिन जिम्मेदारों का एक ही जवाब होता है जलदाय विभाग में समान नहीं है सामान आएगा तब हैंडपंप सुधारा जाएगा।

लोगों को उन घरों से पानी भरकर लाना पड़ता है, जिनके यहां सबमर्सिबल लगा हुआ है या खर्चीले संसाधनों से जरूरतों को पूरा किया जा रहा है विद्युत आपूर्ति न होने पर सबमर्सिबल का भी सहारा टूट जाता है ऐसी स्थिति में ग्रामीणों को स्वयं और पशुओं को पानी पिलाने के लिए मुसीबत का सामना करना पड़ता है।

नईतोढ़ की ढाणी, जीवनपुरा, लवाड़ी की ढाणी, खिरिया वाली ढाणी वार्ड 23 का एकमात्र हैंडपंप लगभग एक महीने से खराब है।

'जन-समस्याओं का निदान हो'

टोंक, (निसं)। अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन राजस्थान के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, पूर्व पार्षद एवं सदस्य दिशा कमेटी जिला टोंक के सदस्य ओमप्रकाश गुप्ता ने नगर परिषद आयुक्त अनिता खीचड़ को वाट्सएप के जरिये यह अनुरोध किया है कि लंबे समय से लम्बित जन-समस्याओं को निदान यथा शीघ्र किया जावे। गुप्ता ने बताया कि तालाब तेलियान विषय पर न्यायालय में लम्बित न्यायालय अवहेलना की कार्यवाही के होने के बावजूद ना तो तालाब की सफाई हो पा रही ना ही उसका सौन्दर्यकरण तथा किदवई पार्क के समीप की सार्वजनिक तालाई में जमा कीचड़ गन्दगी व इसके किनारे-किनारे अतिक्रमणों से पार्कों में आने-जाने वाले तथा आम राहगीर परेशान हैं। उन्होंने बताया कि बहीर स्थित सार्वजनिक शमशान में शौचालय स्नानघर तो नगर परिषद ने बनाये, लेकिन उन्हें आधा-अधूरा छोडने के कारण ने अनुपयोगी है, वहां पर दाहक्रिया का टीन शेड भी पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो चुका है तथा ईधन का गोदाम भी प्रारंभ नहीं हो सका, शमशान जाने का आम रास्ता बिलायती बम्बूलों से घिरा है तथा क्षतिग्रस्त है।

नरसिंह नगर अध्यक्ष बने

निवाई, (निसं)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का नगर अभ्यास वर्ग सरस्वती विद्या मंदिर में संपन्न हुआ। अभ्यास में विभाग संयोजक धारासिंह गुर्जर का प्रवास रहा। जिला प्रमुख दीपेंद्र सिंह ने पुरानी कार्यकारिणी को दायित्व मुक्त कर नई कार्यकारिणी की घोषणा की। विभाग संयोजक धारासिंह ने कार्यकर्ताओं को संगठन की स्थापना काल की संगठन की रीति-नीति, कार्यपद्धति व इतिहास के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैठक में छात्र संघ के चुनाव के बारे में विस्तार से चर्चा की। इस दौरान नवीन कार्यकारिणी घोषित की गई जिसमें नगर अध्यक्ष नरसिंह गुर्जर, नगर मंत्री अभय मिश्रा, नगर सह मंत्री मनीषा वर्मा, भानुप्रताप सिंह, लक्ष्य शर्मा, नगर कार्यालय मंत्री चंद्रशेखर वर्मा, नगर एसएसडी प्रमुख हर्ष वैष्णव, नगर एसएफ डी प्रमुख जतिन पारीक, अमन पंडित नगर एसएफएस प्रमुख मनोज सैनी, नगर सह प्रमुख आशाराम सैनी, अनुराज चौधरी, नगर राष्ट्रीय कला मंच संयोजक हर्ष शर्मा, नगर राष्ट्रीय कला मंच संयोजक विक्रम चौधरी, नगर छात्रावास संयोजक मनीष मीणा, नगर छात्रावास संयोजक रामलाल मधुकर, नगर महाविद्यालय संयोजक राजेंद्र बैरवा, नगर सोशल मीडिया संयोजक हेमंत शर्मा व नगर कार्यकारिणी सदस्य के रूप में लोकेश चौधरी को शामिल किया हैं।

पीपलू-डिग्गी जाने वाला मार्ग क्षतिग्रस्त

निवाई, (निसं)। निवाई से रजवास होकर पीपलू-डिग्गी जाने वाला सड़क मार्ग क्षतिग्रस्त होने से वाहन चालकों सहित राहगीरों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सत्यनारायण चौधरी, प्रेम प्रकाश शर्मा, विनोद चौधरी, शिवराज सिंह, प्रहलाद गुर्जर, किशन लाल जाट सहित कई ग्रामीणो ने बताया कि पिछले एक वर्ष से निवाई से रजवास होकर पीपलू-डिग्गी जाने वाले सडक मार्ग पर गहरे गड्ढे हो गए है।

जिसके चलते निवाई से पीपलू 22 किमी की दूरी तय करने में वाहन चालकों को तीन घंटे का समय लग रहा है। इन गड्ढों में बरसात का पानी भरने के कारण गड्ढे दिखाई नहीं देते हैं जिससे कई बार दुपहिया वाहन चालक गिरकर दुर्घटना का शिकार हो गए है। जिसको लेकर राहगीरों व ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। इस मार्ग से इन दिनो रामदेवरा, डिग्गी कल्याण महाराज के जाने वाले पदयात्रियों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड रहा है।

निवाई से रजवास होकर पीपलू-डिग्गी जाने वाले मार्ग में जगह-जगह गहरे गड्ढे हो गए हैं।

युवती ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा थाना क्षेत्र के ग्राम आकोदा में रविवार को प्रात: एक युवती ने फांसी का फंदा लगाकर आत्माहत्या कर ली। पुलिस ने मृतका के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया। साथ ही एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि थाने पर मृतका के पिता ने मामला दर्ज करवाया कि प्रात: 8.30 बजे मेरे भाई ने मोबाइल से सूचना दी कि आपकी पुत्री ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या की हैं। प्रात: आत्महत्या का प्रयास व आवाज आने पर उनकी बहन भागकर कमरे में आई तथा फंदे को चाकू से काटकर उसे नीचे उतारा। जब तक उसकी सांसे चल रही थी। इसके बाद फुलेरा सीएचसी पर लेकर आये तो यहां पर उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया हैं कि राहुल चौधरी निवासी श्योसिंहपुरा ख़ातियो की ढाणी ने मेरी पुत्री को परेशान करने की वजह से उसने आत्महत्या की हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच कर दी है।

नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित

देवली, (निसं)। नामदेव टांक क्षित्रय दर्जी समाज के द्वारा रविवार को निशुल्क नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 100 रोगियों की जांच की गई इनमें से 35 रोगियों का चयन मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए किया गया। दर्जीयो की धर्मशाला में आयोजित शिविर में नीमच आई हॉस्पिटल बूंदी के चिकित्सकों द्वारा नेत्र रोगियों की जांच एवं उपचार किया गया है। शिविर का शुभारंभ नगर पालिका उपाध्यक्ष सौरभ जिंदल, वरिष्ठ पार्षद भीमराज जैन, व्यापार महासंघ अध्यक्ष चांदमल जैन एवं दर्जी समाज अध्यक्ष भंवरलाल डीडवानिया द्वारा फीता काटकर किया गया था। इस दौरान मुख्य अतिथियों ने नामदेव जी भगवान की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया। तो वही कार्यक्रम में समाज अध्यक्ष ने अतिथियों का माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। शिविर में समाज के द्वारका प्रसाद टेलर, मदनलाल डिडवानिया, हुकम चंद टेलर, सुरेंद्र डीडवानिया, राजेंद्र टेलर, अरुण डीडवानिया, राजेंद्र थारवान, सुरेश झांकल समेत कई समाज बंधुओं एवं समाजसेवी कन्हैया लाल लुनिवाल, अशोक दुबे ने इस कार्यक्रम में अपनी ओर से सेवाएं दी। समाज अध्यक्ष ने बताया कि शिविर में चयनित रोगियों को 9 अगस्त को बूंदी ले जाकर मोतियाबिंद ऑपरेशन करवाया जाएगा तथा वापस देवली लाकर छोड़ने तक की व्यवस्था समाज द्वारा की गई है।

एक वर्ष का कारावास

देवली, (निसं)। सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट देवली के न्यायाधिकारी लोकेश कुमार मीणा ने चेक अनादरण के एक मामले में अभियुक्त राजेंद्र सिंह को एक वर्ष के साधारण कारावास से दंण्डित किया है। साथ ही न्यायिक मजिस्ट्रेट लोकेश कुमार मीणा ने आदेश जारी किए कि अभियुक्त 65,250 रुपए प्रतिकर के रूप में परिवादी को प्रदान करे। जानकारी के अनुसार उक्त प्रकरण में परिवादी दुर्गालाल की ओर से पैरवी एडवोकेट अनिल कुमार भुरेठा द्वारा की गई एवं मुलजिम राजेंद्र सिंह की ओर से पैरवी एडवोकेट बंशीलाल कलवार द्वारा की गई थी।

घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यवसायिक दुरुपयोग के खिलाफ कार्रवाई

टोंक, (निसं)। उपखंड अधिकारी टोंक के निर्देशानुसार रविवार को घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यवसायिक दुरुपयोग के खिलाफ कार्यवाही की गई।

इस मौके पर टोंक तहसीलदार रामधन गुर्जर के साथ अग्रवाल प्रवर्तन अधिकारी जिला रसद कार्यालय टोंक धर्म चंद द्वारा जब्ती की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान हाईवे पर स्थित होटल चटकारा नॉनवेज से चार गैस सिलेंडर एवं लोहे की भट्टी रबर पाइप तथा होटल शीतल हाईवे से चार गैस सिलेंडर मय भट्टी जप्त किए गए।

इस प्रकार कुल 8 सिलेंडर जब्त किए गए जिनके विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के अंतर्गत कार्यवाही की जावेगी। जिला कलेक्टर के सख्त निर्देश हैं कि जिले में कहीं पर भी घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यवसायिक कार्यों में दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए और फिर भी जो ऐसा कार्य करते हैं उनके खिलाफ रसद विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है।

चोरी की वारदात को अंजाम दिया

मालपुरा, (निसं)। बृजलाल नगर आवासीय कॉलोनी में शनिवार की रात चोर वृद्ध दम्पति गोपाल शर्मा के मकान को निशाना बना चोरी की वारदात को अंजाम दे फरार हो गये।

शनिवार की रात वृद्ध दम्पति मकान की बैठक में सो रहे थे। शातिर चोरों ने मकान के बाहर लगे बीलपत्र के पेड़ की सहायता से छत पर चढ़ सीढियों से मकान में प्रवेश करने के बाद कमरों में रखे दो बक्सों के ताले तोड दो दर्जन से अधिक बर्तन व एक दर्जन से अधिक कपडों की जोडी व एक छत का पंखा चुरा ले गये। चोरों ने मकान में लगी आटा पीसने की चक्की को भी ले जाने का भरकस प्रयास किया लेकिन विफल रहे। सवेरे जाग होने पर वारदात की मिली सुचना के बाद मालपुरा थाना पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच मौका पर्चा तैयार किया।

हनी ट्रैप मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

देवली, (निसं)। देवली शहर में चर्चित हनी ट्रैप के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जांच कर रहे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार बैरवा ने रविवार को एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार बैरवा ने बताया कि आरोपी बाबूलाल पुत्र जगदीश मीणा निवासी राजकोट है। पुलिस ने बताया कि एक मेडिकल व्यवसायी को हनीट्रैप में फंसाकर रुपए ऐंठने का आरोप बाबूलाल पर है। इस मामले में थाना अधिकारी जगदीश प्रसाद मीणा बताया कि इससे पहले उक्त प्रकरण में पुलिस ने जितेंद्र उर्फ जीतू रेगर तथा प्रकाश मीणा को गिरफ्तार किया जा चुका है। तो वही मेडिकल स्टोर संचालक के साथ हनी ट्रैप के मामले में बाबूलाल को तीसरे आरोपी के रूप में गिरफ्तार किया है।

आदिवासी मीणा समाज की 125 प्रतिभाओं को सम्मानित किया

नारायणपुर, (निसं)। क़स्बा स्थित पुरुषोत्तमदास आश्रम में रविवार को आदिवासी मीना सेवा समिति वालक्षेत्र द्वारा मीणा समाज का चतुर्थ प्रतिभावान सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सम्मान समारोह का शुभारंभ महामंडलेश्वर जनार्दनदास महाराज द्वारा मीन भगवान के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उप जिला प्रमुख ललिता मीना, युवा बोर्ड सदस्य लोकेश मीणा, आईआरएस अर्जुन मीणा, पूर्व पार्षद जगदीश मीणा, एसआर मीणा आदि अतिथियों का आयोजकों द्वारा माला और साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। समारोह में मीना समाज के 110 मेधावी छात्र-छात्रा सहित 15 राजकीय सेवाओं में चयनित कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर छात्राओं द्वारा समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी गई । समारोह में मुख्य अतिथि अलवर उप जिला प्रमुख ललिता मीना ने समाज के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा से ही समाज का विकास संभव है। उन्होंने बालिका शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि होनहार छात्राओं को आगे बढने में समाज सहयोग करें और माता-पिता शिक्षा के साथ-साथ बच्चों को संस्कार भी दे। इस मौके पर अतिथि अंजू जयसिंह मीणा, मोहन सिंह, नोडल अधिकारी मूलचंद मीना आदि ने प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को आगे बढने व उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। मंच संचालन कृष्ण मुरारी बडगांव ने किया। इस अवसर पर अध्यक्ष मातादीन मीणा, बुद्धराम मीणा, श्रवण लाल, पीटीआई सुमेर सिंह, मुरारी लाल, गिर्राज मीणा, अशोक ज्ञानपुरा, सीताराम, कमलेश, गेंदालाल सहित बड़ी संख्या में मीना समाज के लोग मौजूद थे।

पुरुषोत्तमदास आश्रम में आदिवासी मीना सेवा समिति वालक्षेत्र द्वारा मीणा समाज का चतुर्थ प्रतिभावान सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

'गांवों में डिजिटल सेवाएं मिलेंगी'

टोंक, (निसं)। डिजिटल की दुनिया में टोंक व सवाई माधोपुर संसदीय क्षेत्र को भी एक नया मुकाम मिलने वाला है। सांसद जौनापुरिया के प्रयासों से अर्जित उपलब्धियों की सूची में डिजिटल समावेशन और कनेक्टिविटी के नाम पर टोंक व सवाई माधोपुर संसदीय क्षेत्र के 53 गांवों (सवाई माधोपुर के 28 व टोंक के 25) की सूची भी जुड़ जाऐगी, जिसमें 4जी मोबाइल टावर लगाए जाएंगे।

सांसद सुखबीरसिंह जौनापुरिया ने पीएम मोदी और केंद्रीय मंत्रिमंडल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि टोंक-सवाई माधोपुर संसदीय क्षेत्र के लिए यह बडी उपलब्धि है। डिजिटल समावेशन और कनेक्टिविटी सरकार के अंत्योदय दृष्टिकोण का एक अभिन्न अंग है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंडल ने 27 जुलाई को देश भर के अछूते, कठीन और दूरस्थ गांवों में 4जी मोबाइल सेवाओं की संतृप्ति के लिए परियोजना को मंजूरी दी है। सांसद जौनापुरिया ने आमजन को बधाई देते हुए कहा कि ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों जहां अभी भी 4जी मोबाइल कनेक्टिविटी की समस्या व्याप्त है, जिससे राहत मिलेगी।

सार-समाचार

रक्षाबंधन पर्व मनाया

बहरोड़/नीमराना, (निसं)। पर्यावरण विकास मण्डल पार्क रोडवाल खण्ड नीमराना में पर्यावरण प्रेमी एवं खण्ड पर्यावरण सह संयोजक बृजानन्द यादव की प्रेरणा से रक्षाबंधन उत्सव मनाया गया। जिसमें शहीद नरेन्द्र कुमार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रोडवाल के समस्त विद्यार्थी एवं शिक्षकों ने भाग लिया। इस अवसर पर पौधारोपण कर तथा रक्षा सूत्र बांध कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। विद्यालय की छात्राओं द्वारा जयदीप, नैतिक, बृजानन्द, कंवर सिंह ,जयप्रकाश, संजय ,दीपू आदि को रक्षा सूत्र बांधे और समाजिक समरसता का संदेश दिया। सभी छात्राओं को उपहार दिया गया तथा उपहार पाकर तथा प्रकृति की गोद में विषेश रूप से रक्षा बंधन का त्योहार मनाकर सभी बच्चे खुश एवं उत्साहित रहे। इस अवसर पर व्याख्याता घनश्याम द्वारा पर्यावरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। अन्त में प्रिंसिपल स्वाति पारीक द्वारा सभी आयोजकों एवं ग्रामवासियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

श्री कृष्ण शोध संस्थान के लिए 40 लाख दिए

बहरोड़/नीमराना, (निसं)। राजस्थान प्रदेश के अहीर बाहुल्य राठ क्षेत्र बहरोड़ में रविवार को कचहरी रोड पर स्थित अहीर धर्मशाला में यादव समाज की सभा आयोजित की गई। जिसमें श्री कृष्ण शोध संस्थान जयपुर के निर्माण हेतु सुझाव रखते हुए राठ क्षेत्र के अहीर समाज के भामाशाहों द्वारा 40 लाख रुपए की राशि एकत्रित की गई। राठ क्षेत्र बहरोड़ के यादव समाज के अहीर बाहुल्य क्षेत्र के यादव भामाशाहों द्वारा इतनी बड़ी एकत्रित की हुई राशि को पूर्व केंद्रीय मंत्री तथा बहरोड़ से सांसद रहे डॉक्टर करण सिंह यादव एवं श्री कृष्ण छात्रावास निर्माण समिति जयपुर राजस्थान को भेंट किया गया। इसी क्रम में अहीर रेजिमेंट की मांग को उठाते हुए अहीर रेजिमेंट के गठन का प्रस्ताव लिया गया। इस अवसर पर कांग्रेस सरकार में रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉक्टर करण सिंह यादव अध्यक्ष यादव महासभा राजस्थान, भारतीय जनता पार्टी के अलवर उत्तर जिला अध्यक्ष तथा राठ इंटरनेशनल स्कूल दूधेडा के निदेशक बलवान सिंह यादव, एडवोकेट बस्तीराम यादव प्रदेश सचिव यादव महासभा जयपुर, हरसहाय यादव कार्यकारी अध्यक्ष, डॉक्टर रामगोपाल, सुरेश यादव एडीएम, बहरोड नगरपालिका से कांग्रेस पार्षद तथा करण सिंह मार्केट के मालिक प्रदीप यादव बहरोड़, बहरोड़ विधानसभा से चुनाव मैदान में प्रत्याशी रहे डॉ रामचंद्र यादव, भारत यादव, अमित राठ, होशियार सिंह पंचायत समिति सदस्य सहित सहित बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया।

2000 का इनामी बदमाश गिरफ्तार

चाकसू, (निसं)। कुछ माह पूर्व होटल में खाना खा रहे कालू उर्फ राजू के साथ लाठियों से मारपीट की थी जिसमें परिवादी के लड़के का काजिम की बीच-बचाव में मृत्यु हो गई थी तभी से मामले में आरोपी हरलाल गुर्जर फरार चल रहा था जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। योगेश गोयल आईपीएस पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण ने बताया कि आयुक्तालय के निर्देश से विभिन्न थाना क्षेत्रों में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए दिशा निर्देश दिए गए थे। उक्त प्रकरण में भरत लाल मीणा अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त

ओम प्रकाश पु. नि. एवं थानाधिकारी चाकसू के नेतृत्व में टीम गठित कर तक तलाशी अभियान चला कर अभियुक्त हरलाल गुर्जर को गिरफ्तार किया गया। थाना प्रभारी यशवंत सिंह यादव ने हत्या का आरोपी अभियुक्त 8 माह से फरारी काट रहा था अभियुक्त मुहाना थाना क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर है जिसके खिलाफ करीब 13 मुकदमे दर्ज हैं। प्रकरण में पूर्व में आठ अभियुक्तों की गिरफ्तारी हो चुकी थी।

सीएलजी सदस्यों की बैठक आयोजित

फुलेरा, (निसं)। स्थानीय पुलिस थाना परिसर में मोहर्रम एवं रक्षाबंधन के त्यौहार को लेकर सीएलजी सदस्यों की एक बैठक थानाधिकारी रघुवीर सिंह राठौड की अध्यक्षता एवं सांभरलेक तहसीलदार हरिसिंह राव के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक के दौरान उपस्थित सदस्यों से मोहर्रम एवं रक्षाबंधन का त्यौहार आपसी सौहार्द एवं भाई चारे से मनाने की अपील की। वहीं थानाधिकारी रघुवीर सिंह राठौड ने कमेटी के सदस्यों से ताजिया निकलने वाले रास्तों सहित अन्य बिन्दुओं की जानकारी ली। इस अवसर पर दैनिक रेल यात्री संघ एकीकृत फुलेरा के अध्यक्ष अशोक वासदेव, पालिका नेता प्रतिपक्ष संजय पारीक, पूर्व पालिकाध्यक्ष रतन राजौरा, नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जितेन्द्र अग्रवाल, व्यापार महासंघ के पूर्व अध्यक्ष सुबोध छाबड़ा, शेलेन्द्र शर्मा, भूतपूर्व सैनिक कमेटी के अध्यक्ष मनोज कुल्हरी, मधु वर्मा, सदाम हुसैन सहित अन्य लोग मौजूद थे।

कावड़ यात्रियों से फुलेरा हुआ शिवमय

फुलेरा, (निसं)। रविवार को महादेव मण्डल के तत्वावधान में पंचम भव्य कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया। मण्डल के अध्यक्ष मंगल चन्द सैनी ने बताया कि सांभरलेक स्थित पवित्र सरोवर देवयानी से दोपहर 1:15 बजे कावड़ यात्रा रवाना होकर इरोलाव, भादरपुरा होते हुए फुलेरा बस स्टैण्ड से गांधी चौक, गणगौरी बाजार होते हुए हलवाई बाजार स्थित कूकू बाबा की बगीची के शिवालय पर सायं 5:15 बजे पहुंची। जहां पर करीब 221 से अधिक कावड़ियों ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। तत्पश्चात सायं 7:15 बजे महाआरती कर प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान धर्मप्रेमीयों ने जगह-जगह पर पुष्प वर्षा कर कावड़ यात्रा का स्वागत किया।

विद्युत कटौती से लोग परेशान

रींगस, (निसं)। शहर में पिछले कुछ दिनों से एक हिस्से में की जा रही विद्युत कटौती को लेकर आमजनों में रोष पनपने लगा है। विद्युत निगम कभी भी तीन चार घंटे से अधिक की कटौती कर लेता है। यही नहीं इसके बाद भी कटौती बीच में रूक रूक कर हो रही है। इससे आमजन तो परेशान है ही अब व्यापारी भी परेशान होने लगे हैं। विद्युत निगम नगर पालिका, तहसील, स्कूल, कॉलेज तथा सीटी बस स्टैण्ड, रामानन्द रोड, धायल अस्पताल रोड, भैरोजी मोड की दिन में अनेक बार कटौती कर रहा है। यहा एक साथ तीन से चार घंटे तक की कटौती हो रही है। जबकि इस हिस्से के अलावा अन्य हिस्सो में कटौती नहीं हो रही। इससे सभी का कार्य प्रभावित हो रहा है।

शव मिलने से सनसनी फैली

बस्सी, (निसं)। उपखंड बस्सी के कानोता थाना इलाके में रविवार दोपहर को रिंग रोड किनारे एक व्यक्ति का शव मिलने से आसपास के क्षेत्र में सनसनी फैली रही। बस्सी एसीपी मेघचंद मीणा ने बताया कि दोपहर को एक व्यक्ति के पुराना बगराना रिंग रोड किनारे पड़े होने की सूचना मिली थी जिसके बाद कानोता थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके पर जाकर देखा तो व्यक्ति का मुंह खून से भरा पड़ा था और वह मृत अवस्था में था। इसके बाद 35 वर्षीय मृत व्यक्ति के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। फिलहाल व्यक्ति की शिनाख्त नहीं हो पाई है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए मौके पर एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। पुलिस को मृतक व्यक्ति के शव के पास ही एक लकडी का डंडा भी मिला है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच मे जुट गई है।

एनिकट में डूबने से किसान की मौत

मालपुरा/टोंक, (निसं)। टोडारायसिंह थाना क्षेत्र के देवपुरा गांव में एक एनिकट में डूबने से किसान की मौत हो गई। थानाधिकारी दातार सिंह ने बताया कि देवपुरा निवासी हीरालाल पुत्र छोटू गुर्जर जो कि अपनी भैंसों को निकालने के लिए एनिकट में उतरा। इस दौरान पानी गहरा होने के चलते हीरालाल पानी में डूब गया। शनिवार की देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजन तलाश करते एनिकट पहुंचे तो वहां हीरालाल की जूते-चप्पल व लाठी देख एनिकट में डूबने के अंदेशे के बाद थाना पुलिस को सूचना दी। किसान की तलाश के लिए टोंक से एसडीआरएफ की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद देर रात शव को बाहर निकाला।

मैं उस चीज को कभी नहीं भुला पाऊंगा जो कोच निकोलई स्नेसारेव ने मेरे लिये किया। मेरे जीवन में कई कोच आये, कई गये लेकिन उनका मेरे करियर पर प्रभाव पूरी जिंदगी रहेगा। उन्होंने मेरे सोचने का तरीका बदला। - **अविनाश साबले**

भारतीय एथलीट, अपने दिवंगत कोच निकोलई स्नेसारेव के बारे में।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

विनेश फोगाट

टोक्यो ओलंपिक में खराब प्रदर्शन के बाद करियर के सबसे बुरे दौर से गुजरने वाली भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने राष्ट्रमंडल खेलों में अपना दबदबा कायम करते हुए स्वर्ण पदक के साथ शानदार वापसी की। विनेश के लिए पिछले 12 महीने काफी तनाव भरे रहे लेकिन परिवार के साथ मिलने और अभ्यास करने के तरीके में बदलाव ने उनके करियर को एक बार फिर से सही राह दी। टोक्यो ओलंपिक में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के रूप में पहुंची विनेश पहले ही दौर में हारकर बाहर हो गयी थी। इसके बाद चोट और कुश्ती महासंघ के साथ तकरार ने उन्हें मानसिक रूप से काफी नीचे धकेल दिया।

क्या आप जानते हैं ?... प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर का विश्व रिकॉर्ड ब्रायन लारा के नाम है। लारा ने 1994 में वारविकशायर की तरफ से डरबन के खिलाफ 501 रन की नाबाद पारी खेली।

भारत ने विंडीज पर बनायी अपराजेय बढ़त

लॉडरहिल, 7 अगस्त। भारत ने अपने सभी बल्लेबाजों के महत्वपूर्ण योगदान और गेंदबाजों के सधे हुए प्रदर्शन से वेस्ट इंडीज को चौथे टी20 मैच में शनिवार को एकतरफा अंदाज में 59 रनों से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 3-1 की अपराजेय बढ़त बना ली। भारत ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 191 रन का मजबूत स्कोर बनाने के बाद वेस्ट इंडीज को 19.1 ओवर में 132 पर रोक दिया। भारत की तरफ से आवेश खान, अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई ने दो-दो विकेट लिए जबकि अर्शदीप सिंह 12 रन पर तीन विकेट लेकर सबसे सफल रहे। विंडीज की तरफ से कप्तान निकोलस पूरन और रोवमन पॉवेल ने 24-24 रन बनाये। इससे पहले वेस्ट इंडीज ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। भारत ने तेज शुरुआत करते हुए 4.4 ओवर में ही 53 रन ठोक डाले। कप्तान रोहित शर्मा ने मात्र 16 गेंदों पर दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से 33 रन कीआतिशी पारी खेली। सूर्यकुमार यादव ने एक चौके और दो छक्कों की मदद से 24 रन बनाये। दीपक हुड्डा ने 21 और ऋषभ पंत ने 31 गेंदों में छह चौकों के सहारे 44 रन, संजू सैमसन ने 23 गेंदों में नाबाद 30 और अक्षर पटेल ने आठ गेंदों में दो छक्कों के सहारे नाबाद 20 रन बनाये। केवल दिनेश कार्तिक छह रन बनाकर आउट हुए। वेस्ट इंडीज की तरफ से ओबेद मकाय और अलजारी जोसफ ने दो-दो विकेट लिए।

आनंद बने फिडे उपाध्यक्ष, ड्वोर्कोविच अध्यक्ष

चेन्नई, 7 अगस्त। रूस के आर्केडी ड्वोर्कोविच रविवार को शतरंज ओलंपियाड के दौरान ममल्लपुरम में हुए चुनावों में पुन: अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के अध्यक्ष चुने गये, जबकि भारत के ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। फिडे ने ट्विटर पर इसकी जानकारी देते हुए कहा, "आर्केडी ड्वोर्कोविच को 16 के मुकाबले 157 मतों के साथ अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ के अध्यक्ष के रूप में दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से चुना गया। विश्वनाथन आनंद नए फिडे उपाध्यक्ष हैं।" आनंद से पहले फ्रांस के ग्रैंडमास्टर बकर कोएटली फिडे उपाध्यक्ष थे।

वी. प्रणव भारत के 75वें ग्रैंडमास्टर बने

चेन्नई, 7 अगस्त। शतरंज खिलाड़ी वी प्रणव रोमानिया में एक टूर्नामेंट जीतकर रविवार को भारत के 75वें ग्रैंडमास्टर बन गए। चेन्नई के 15 वर्ष के प्रणव ने रोमानिया के बाइया मारे में लिम्पेडिया ओपन जीतकर अपना तीसरा और आखिरी ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल कर लिया। उन्होंने नौ दौर में सात अंक लेकर ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल किया। उन्होंने कहा ," यह शानदार अहसास है। इससे मेरा आत्मविश्वास बढेगा और आगे अच्छा प्रदर्शन कर सकूंगा।" प्रणव तमिलनाडु के 27वें ग्रैंडमास्टर हैं। उनसे पहले विश्वनाथन आनंद, डी गुकेश और आर प्रज्ञानानंदा भी इसी राज्य से ग्रैंडमास्टर बने हैं।

स्टॉपवॉच मामले में हॉकी इंडिया ने एफआईएच को लिखा, नियम में बदलाव की मांग

नयी दिल्ली, 7 अगस्त। राष्ट्रमंडल खेलों में 'स्टॉपवॉच विवाद' से खफा हॉकी इंडिया ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ को पत्र लिखकर नियमों में बदलाव करने और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। आस्ट्रेलिया के खिलाफ राष्ट्रमंडल खेलों के सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान शूटआउट में तकनीकी अधिकारियों ने भारी भूल की और भारतीय गोलकीपर सविता ने आस्ट्रेलिया का पहला शॉट बचा लिया था लेकिन घड़ी चालू नहीं होने का हवाला देकर आस्ट्रेलिया को वह शॉट फिर से दिया गया जिस पर गोल हो गया। एफआईएच ने इस मामले में तुरंत माफी मांगकर समीक्षा का आदेश दिया था। एफआईएच सीईओ थियरी वील को लिखे पत्र में हॉकी इंडिया की मुख्य कार्यकारी एलेना नॉर्मन ने कहा ," इससे पहले भी चैम्पियंस ट्रॉफी 2016, जूनियर महिला विश्व कप 2021 , तोक्यो ओलंपिक 2022 और अब राष्ट्रमंडल खेलों में पेनल्टी शूटआउट इसे पहले इस तरह की गलतियों से भारत को खामियाजा भुगतना पड़ा है।"

सार्थक और रहीश ने जीत हासिल की

चेन्नई, 7 अगस्त। 2022 एमआरएफ एमएमएससी एफएमएससीआई इंडियन नेशनल मोटरसाइकल रेसिंग चैम्पियनशिप के तीसरे राउण्ड के दूसरे दिन के समापन के साथ 20 नेक्स्ट-जेन मिलेनियल राइडरों ने मैदान पर पावर पैक्ड परफोर्मेन्स दिया। आईडेमिट्सु होण्डा इंडिया टैलेंट कप एनएसएफ250आर की आज की रेस में पुणे के सार्थक चवन ने 22 सैकण्ड की ज़बरदस्त बढ़त के साथ एक बार फिर से जीत हासिल कर ली। ट्रैक पर अपना जादू दर्शाते हुए मुंबई के 14 वर्षीय रहीश खत्री ने अपना प्रभुत्व बनाए रखा और आईडमिट्सु होण्डा इंडिया टैलेंट कप सीबीआर150आर में जीत हासिल कर ली। तीसरे राउण्ड के अंत में सार्थक और रहीश दोनों ने एनएसएफ250आर और सीबीआर150आर कैटेगरीज़ में चैम्पियनशिप के लीडर्स के रूप में अपना प्रभुत्व बनाए रखा। तीसरे राउण्ड के बारे में बात करते हुए प्रभु नागराज- ऑपरेटिंग ऑफिसर, ब्राण्ड एण्ड कम्युनिकेशन, होण्डा मोटरसाइकल एण्ड स्कूटर इंडिया ने कहा, "हमारे युवा राइडरों को इतने जोश और उत्साह के साथ मुकाबला करते हुए देख हम बेहद खुश हैं।

मुक्केबाजी में निखत, अमित और नीतू ने जीते स्वर्ण

बर्मिंघम, 7 अगस्त। विश्व चैंपियन भारतीय मुक्केबाज़ निखत ज़रीन, अमित पंघल और नीतू घंघस ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में भारतीय मुक्केबाज़ी का परचम लहराते हुए अपने-अपने फाइनल जीतकर स्वर्ण हासिल किये।

कुछ हफ्ते पहले विश्व चैंपियन बनीं निखत ने महिला 50 किग्रा मैच में बेलफास्ट की कार्ली मेकनॉल को मात दी। निखत ने मैच की शुरुआत से ही कार्ली पर मुक्कों की बरसात शुरू कर दी और कमेंटेटर के शब्दों में बेलफास्ट की मुक्केबाज़ को महत्वपूर्ण सबक सिखाया। तीन राउंड के बाउट में कभी भी नहीं लगा कि कार्ली नियंत्रण में हैं, और अंतत: निखत ने 5-0 के एकमत फैसले से स्वर्ण जीता।

अमित पंघल ने पुरुष 51 किग्रा फाइनल में इंग्लैंड के कियेरेन मैकडॉनल्ड को मात देकर सोने का तमगा हासिल किया। गोल्डकोस्ट 2018 खेलों के सिल्वर मेडलिस्ट अमित ने मैच की शुरुआत से ही कियेरेन पर मुक्कों की बारिश कर दी और पहले राउंड में ही अपने विपक्षी को कई चोटें पहुंचायीं। दूसरे राउंड में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अमित ने 4-0 के एकतरफा फैसले से स्वर्ण हासिल किया।

दूसरी ओर, नीतू घंघस ने महिला 48 किग्रा फाइनल में मेज़बान इंग्लैंड की मुक्केबाज़ डेमी जेड को मात देकर स्वर्ण जीता। दो बार की विश्व यूथ चैंपियन नीतू ने अपनी विपक्षी को 4-0 के एकतरफा फैसले से मात दी।

नीतू ने जीत के बाद कहा, "मैं स्वर्ण पदक जीतने के बाद बेहद खुश हूं। मैं यह पदक अपने देशवासियों के नाम करना चाहती हूं। मैं भारत सरकार, भारतीय खेल प्राधिकरण और भारतीय मुक्केबाज़ी महासंघ के समर्थन के लिये उनकी शुक्रगुज़ार हूं। मैं अपने कोचों, और अपने परिवार की भी शुक्रगुज़ार हूं क्योंकि मैं उनके समर्थन के बिना यह स्वर्ण नहीं जीत सकती थी। एनसीओई रोहतक का भी धन्यवाद जहां मैंने कई सालों तक प्रशिक्षण लिया।"

इस बीच अनुभवी मुक्केबाज मोहम्मद हुसामुद्दीन ने पुरुष 57 किग्रा फेदरवेट सेमीफाइनल में हारने के बाद कांस्य पदक प्राप्त किया। घाना के जोसेफ कोमी ने शनिवार को हुए बाउट में हुसामुद्दीन को 4-1 के फैसले से मात दी।

उल्लेखनीय है कि भारत बर्मिंघम 2022 में अब तक तीन स्वर्ण और तीन कांस्य सहित छह मुक्केबाज़ी पदक जीत चुका है। अब भारत के सागर पुरुष 91 किग्रा के फाइनल में अपनी दावेदारी पेश करेंगे।

भारत ने तिहरी कूद में जीते स्वर्ण, रजत

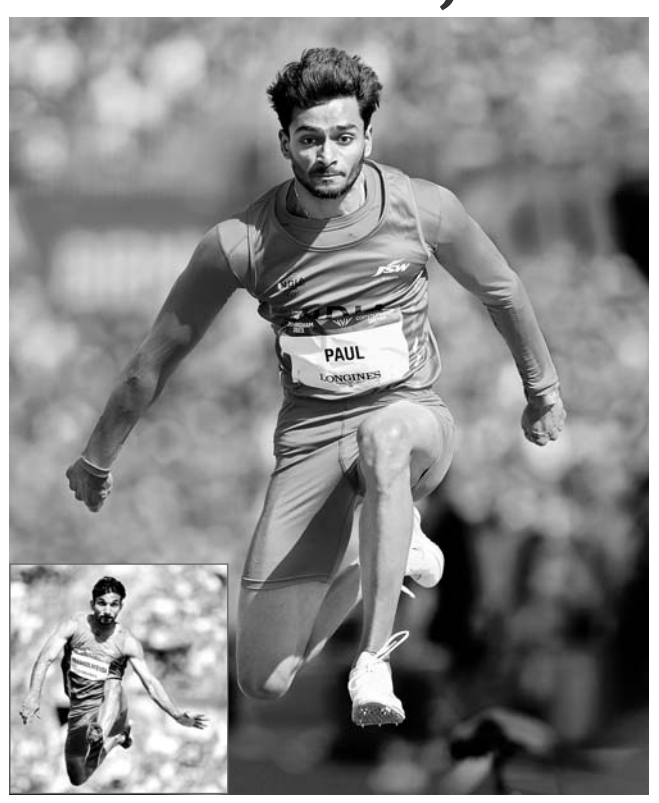

बर्मिंघम, 7 अगस्त। भारत के एल्डोस पॉल और अब्दुल्ला अबूबकर ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में एथलेटिक्स में भारत की विजय पताका लहराते हुए तिहरी कूद में स्वर्ण व रजत पदक जीता। एल्डोस ने 17.03 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि अब्दुल्लाह ने उनसे सिर्फ 0.01 मीटर पीछे रहते हुए 17.02 के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ रजत पदक अपने नाम किया। एल्डोस और अब्दुल्ला के हमवतन प्रवीण चित्रावेल कांस्य पदक से तीन सेंटीमीटर के अंतर से चूक गये और 16.89 मीटर के प्रयास के साथ चौथे स्थान पर रहे।

पिता के अवैतनिक अवकाश ने मुक्केबाजी में नीतू गंघास को बनाया चैम्पियन

बर्मिंघम, 7 अगस्त। युवा भारतीय मुक्केबाज नीतू गंघास ने राष्ट्रमंडल खेलों में अपने पहले स्वर्ण पदक को पिता जय भगवान को समर्पित किया, जिन्होंने अपनी बेटी के सपने को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

हरियाणा सचिवालय के कर्मचारी जय भगवान दो बार की विश्व युवा चैंपियन नीतू को प्रशिक्षित करने के लिए पिछले तीन वर्षों से अवैतनिक अवकाश पर है। पिता की बलिदान रविवार को रंग लाया जबनीतू ने महिलाओं के मिनिममवेट (45-48 किग्रा) वर्ग के फाइनल में विश्व चैम्पियनशिप 2019 की कांस्य पदक विजेता रेन्जटान डेमी जेड को सर्वसम्मत फैसले में 5-0 से पराजित कर जीत दर्ज की। गले में स्वर्ण पदक पहने नीतू ने कहा, तिरंगे को ऊपर जाते हुए देखना सबसे बड़ा अहसास था, मेरी एक पुरानी इच्छा आज पूरी हो गई। मैं सभी के आशीर्वाद के लिए आभारी हूं। यह पदक देशवासियों और मेरे पिता (जय भगवान) के लिए है।"

नीतू ने कहा, " कोई कसर नहीं छोड़ा उन्होंने मेरे लिये। वह कई मुश्किल परिस्थितियों से गुजरे लेकिन हमेशा सुनिश्चित किया कि मुझे सर्वश्रेष्ठ मिले। मैं उनके समर्थन के बिना यहाँ नहीं होती।" हरियाणा की 21 साल की यह मुक्केबाज रिंग के अंदर किसी से कम नहीं है लेकिन जब वह खेल क्षेत्र से बाहर निकलती है तो काफी शर्मीले स्वभाव की है। शर्मीलापन इतना कि उनकी बातों को सुनने के लिए ध्यान लगाना पड़ता है। भारतीय टीम के कोच भास्कर चंद्र भट्ट नीतू को 'गब्बर शेरनी' कह कर बुलाते है।

उन्होंने कहा, "वह हमेशा से ऐसी (शर्मीले स्वभाव की) ही रही है। शिविर में और शिविर के बाहर ही आप मुश्किल ही उसकी आवाज सुन पाते है।

रिंग के अंदर वह 'गब्बर शेरनी' की तरह है।" अपनी 'आदर्श' और छह बार की विश्व चैंपियन मैरीकॉम के स्थान पर राष्ट्रमंडल खेलों के लिए चुनी गयी नीतू यहां अजेय रहीं। नीतू ने कहा, "मैरीकॉम मैम की जगह एक अलग ही है। उन्होंने वैश्विक स्तर पर भारतीय मुक्केबाजी को एक पहचान दी है। मैं उनके सामने कहीं नहीं हूं।'

संदीप कुमा ने पैदल चाल में जीता कांस्य

बर्मिंघम, 7 अगस्त। भारत के अनुभवी रेसवॉक एथलीट संदीप कुमार पूनिया ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में इतिहास रचते हुए रविवार को पुरुष 10 किमी पैदल चाल में कांस्य पदक जीता। संदीप ने 38:49.21 के निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ 10,000 मीटर स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल किया। भारतीय एथलीट चार किमी तक प्रथम स्थान पर चल रहे थे।आगे चलकर उनकी रफ्तार में कमी आयी लेकिन वह पोडियम पर स्थान हासिल करने में सफल रहे। यह रेसवॉकिंग में भारत का तीसरा राष्ट्रमंडल पदक है।

भुल्लकर ने जीता इंडोनेशिया ओपन

जकार्ता, 7 अगस्त। भारत के गगनजीत भुल्लर ने रविवार को दो शॉट की जीत के साथ 500,000 बैंक मंदिरी इंडोनेशिया ओपन गोल्फ टूर्नामेंट जीत लिया और चार साल का अंतर्राष्ट्रीय खिताब काअपना सूखा समाप्त कर दिया। भुल्लर (68-67-68-65) ने आखिरी राउंड में सात अंडर 65 का बेहतरीन कार्ड खेला और 20 अंडर 268 के स्कोर के साथ खिताब जीता। यह उनका 11वां अंतर्राष्ट्रीय और एशियन टूर पर 10वां खिताब है। इंडोनेशिया ओपन में यह उनकी तीसरी खिताबी जीत है।

शरत-सत्यन की जोड़ी ने जीता रजत, श्रीजा हारी

बर्मिंघम, 7 अगस्त। सत्यन ज्ञानसेकरन और अचंत शरत कमल की स्टार टेबल टेनिस जोड़ी ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में रविवार को पुरुष युगल का फाइनल मैच हारने के बाद रजत पदक से संतोष किया। शरत-सत्यन को इंग्लैंड के पॉल ड्रिंकहॉल और लायम पिचफोर्ड ने करीबी मुकाबले में 3-2 से मात दी। इंग्लिश जोड़ी ने पांच गेमों के मैच में 8-11, 11-8, 11-3, 7-11,11-4 से जीत दर्ज की। यह बर्मिंघम 2022 खेलों में भारत का दूसरा टेबल टेनिस पदक है। इससे पहले भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम ने सिंगापुर को हराकर स्वर्ण जीता था। उल्लेखनीय है कि भारत की युवा टेबल टेनिस खिलाड़ी श्रीजा अकुला को महिला एकल के कांस्य पदक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की यांग्ज़ी लियु के हाथों 4-3 से हार मिली। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा ले रही श्रीजा को सात गेमों के मैच में 3-11, 11-6, 11-2, 7-11, 15-13, 9-11, 11-7 से मात देकर कांसे का तमगा हासिल किया।

अन्नू रानी ने जैवलिन थ्रो में जीता ऐतिहासिक पदक

बर्मिंघम, 7 अगस्त। भारतीय एथलीट अन्नू रानी ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में इतिहास रचते हुए रविवार को भाला फेंक स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। अन्नू ने अपने चौथे प्रयास में जैवलिन को 60 मीटर की दूरी पर फेंककर तीसरा स्थान हासिल किया। इस जीत के साथ अन्नू भारत के लिये राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने वाली पहली महिला जैवलीन थ्रोअर बन गयीं। विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की केल्सी-ली बार्बर ने 64.43 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया जबकि उनकी हमवतन मकैंज़ी लिटल (64.27 मीटर) ने रजत पदक अपने नाम किया। रानी से पहले काशीनाथ नायक और ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा भी जैवलिन थ्रो में भारत के लिये पदक जीत चुके हैं।

सिंधु, लक्ष्य के बाद सात्विकसाईराज-चिराग की जोड़ी फाइनल में

बर्मिंघम, 7 अगस्त। भारत की शीर्ष शटलर पीवी सिंधु, युवा खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अपने-अपने एकल फाइनल में जगह बनायी, हालांकि किदांबी श्रीकांत सेमीफाइनल में हार गये। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने पुरुष युगल के फाइनल में जगह बनायी जबकि त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीनाथ को महिला युगल सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा।

सिंधु ने महिला एकल सेमीफाइनल में सिंगापुर की जिया मिन यिओ को रविवार को 21-19, 21-17 से सीधे गेमों में मात देकर फाइनल में जगह बनायी। सिंधु ने विश्व की 18वें नंबर की खिलाड़ी को हराकर लगातार दूसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों के एकल फाइनल में जगह बनायी है। उन्होंने गोल्डकोस्ट 2018 खेलों में रजत पदक हासिल किया था।

दूसरी ओर, लक्ष्य को फाइनल में पहुंचने के लिये थोड़ी मेहनत करनी पड़ी, लेकिन अंतत: उन्होंने सिंगापुर के जियाह हेंग टेह को 21-10, 18-21, 21-16 से मात दी। थॉमस कप विजेता टीम के खिलाड़ी लक्ष्य ने पहला गेम आसानी से जीत लिया, लेकिन दूसरे गेम में सिंगापुरी खिलाड़ी ने अपनी लय हासिल की और मैच को निर्णायक गेम में भेज दिया। तीसरे और अंतिम गेम में दोनों खिलाड़ियों ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन ब्रेक तक 11-8 की बढ़त हासिल करने के बाद लक्ष्य ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और अपने पहले ही राष्ट्रमंडल खेलों में अपने लिये एकल पदक सुनिश्चित किया।

भारत ने महिला हॉकी में 16 साल बाद जीता राष्ट्रमंडल पदक

बर्मिंघम, 7 अगस्त। भारतीय महिला हॉकी टीम ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में रविवार को न्यूज़ीलैंड को शूटआउट में मात देकर 16 साल बाद राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीता। भारत ने कांस्य पदक मैच में न्यूज़ीलैंड को 1-1 (शूटआउट में 2-1) से हराकर कांसे का तमगा अपने नाम किया। सलीमा टेटे (29) ने भारत का एकलौता गोल किया, जबकि कीवी टीम की ओर से ओलिविया (59) ने गोल किया।

शूटआउट में भारत के लिये सोनिका और नवनीत ने गोल किये। मैच का पहले क्वार्टर में भारत ने न्यूज़ीलैंड पर दबदबा बनाया मगर कीवी गोलकीपर ने भारत को खाता नहीं खोलने दिया। दूसरे क्वार्टर में भारत ने आक्रामक रवैया बरकरार रखा और जब हाफ टाइम में दो मिनट का समय बचा था तब सलीमा टेटे ने गेंद को नेट तक पहुंचाकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलायी।

मैच के तीसरे क्वार्टर में न्यूज़ीलैंड मैच को बराबरी पर लाने के लिये आतुर थी। जब

क्वार्टर-3 की समाप्ति में सिर्फ दो मिनट बचे थे तब न्यूज़ीलैंड ने एक गोल किया भी, मगर भारत के वीडियो रेफरल के बाद उसे अमान्य घोषित कर दिया गया।

भारत मैच के 58वें मिनट तक 1-0 से आगे चल रहा था और कांस्य पदक से एक हाथ की दूरी पर था कि तभी लालरेमसियामी को येलो कार्ड मिला और फील्ड पर सिर्फ 10 भारतीय खिलाड़ी रह गये। ज्यादा खिलाड़ियों की बदौलत न्यूज़ीलैंड ने भारतीय हाफ में जगह बना ली। यहां पहले कीवियों को पेनल्टी कॉर्नर और फिर पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसके उपयोग से न्यूज़ीलैंड ने स्कोर 1-1 से बराबर कर लिया।

भारत को सेमीफाइनल मैच के शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया से 3-0 से मात मिली थी, और यह मैच भी शूटआउट में जा चुका था। न्यूज़ीलैंड ने पहले प्रयास में स्कोर किया जबकि भारत असफल रहा, जिससे टीम पर दबाव बढ़ गया।

यहां भारत की अगुवाई करते हुए कप्तान सविता पूनिया ने न्यूज़ीलैंड के अगले चारों प्रयास रोके, जबकि सोनिका और नवनीत ने एक-एक गोल करके भारत को 2-1 से जीत दिलायी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने 16 साल बाद राष्ट्रमंडल खेलों में कोई पदक जीता है। इससे पहले मैनचेस्टर 2006 खेलों में भारत ने महिला हॉकी का रजत पदक जीता था।

कबड्डी खिलाड़ियों ने प्रो. कबड्डी नीलामी में सोने पर निशाना साधा, पहली बार कोई खिलाड़ी 2 करोड़ के पार

मुंबई, 7 अगस्त। वीवो प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 9 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी मुंबई में मशाल स्पोर्ट्स द्वारा 5-6 अगस्त, 2022 को सफलतापूर्वक आयोजित की गई। पवन कुमार सहरावत, जिन्हें तमिल थलाइवाज द्वारा सबसे महंगी बोली लगाकर खरीदा गया, लीग इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी साबित हुए। दो दिवसीय आयोजन में में 12 फ्रेंचाइजी टीम ने कुल 130 खिलाड़ियों के साथ करार किया।

नीलामी का मुख्य आकर्षण पवन कुमार सेहरावत रहे, जिन्होंने तमिल थलाइवाज द्वारा 2.26 करोड़ रुपये की भारी राशि में खरीदे जाने के बाद अब तक के सबसे महंगे खिलाड़ी का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस बीच, विकास कंडोला को बेंगलुरु बुल्स के रूप में एक नया घर मिला। बुल्स ने उन्हें 1.70 करोड़ रुपये (पवन कुमार सेहरावत की बोली लगाने तक का रिकॉर्ड) में खरीदा। इस तरह कंडोला वीवो प्रो कबड्डी लीग प्लेयर नीलामी इतिहास में अब तक के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए। फ्रैंचाइजी द्वारा 90 लाख रुपये में फाइनल बिड मैच कार्ड का उपयोग करने के बाद परदीप नरवाल एक बार फिर यूपी योद्धा टीम में लौट आए।

इस बीच, रेडर गुमान सिंह वीवो प्रो कबड्डी लीग प्लेयर नीलामी में सबसे महंगे श्रेणी-बी खिलाड़ी के रूप में उभरे। गुमान को यू मुंबा ने 1.21 करोड़ रुपये में खरीदा। इसके अलावा, डिफेंडर सुनील कुमार श्रेणी-बी में दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। उन्हें जयपुर पिंक पैंथर्स ने 90 लाख रुपये में खरीदा। हरियाणा स्टीलर्स द्वारा 65.10 लाख रुपये में खरीदे जाने के बाद अमीर होसिन बस्तमी श्रेणी-सी में सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। इस बीच, दबंग दिल्ली केसी. द्वारा 64.10 लाख रुपये में खरीदे जाने के बाद रवि कुमार सरप्राइज पिक के रूप में उभरे। नीरज नरवाल (43 लाख रुपये) और रिंकू नरवाल (40 लाख रुपये) ने भी भारी कमाई की।

पूर्व भारतीय खिलाड़ी चाहते है भूटिया एआईएफएफ अध्यक्ष पद के लिये चुनाव लड़े

नयी दिल्ली, 7 अगस्त। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के आगामी चुनावों के लिये निर्वाचक मंडल में आधी संख्या पूर्व खिलाड़ियों की होगी तो भारत के कुछ पूर्व खिलाड़ियों को लगता है कि महान फुटबॉलर बाईचुंग भूटिया को अध्यक्ष पद के लिये चुनाव लड़ना चाहिए। उच्चमत न्यायालय ने बुधवार को सुनवाई को बाद देश में इस खेल का संचालन कर रही प्रशासकों की समिति (सीओए) ने चुनाव की तारीख 28 अगस्त रखी है जिसके लिये 13 अगस्त से चुनावी प्रक्रिया शुरू होगी। शीर्ष अदालत ने कहा था कि एआईएफएफ की कार्यकारी समिति के निर्वाचक मंडल में 36 राज्य संघों के प्रतिनिधियों के अलावा 36 दिग्गज खिलाड़ियों का प्रतिनिधित्व होगा जिसमें से 24 पुरूष और 12 महिला खिलाड़ी होंगी।

दो साल बाद हम वनडे क्रिकेट को खो देंगे : मोईन

लंदन, 7 अगस्त। इंग्लैंड के आलराउंडर मोईन अली एक और बड़े क़द के अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी बने हैं जिन्होंने व्यस्त क्रिकेट कार्यक्रम के चलते वनडे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के भविष्य पर चिंता जताई है। हाल ही के दिनों में मोईन के कई साथी, जैसे जॉस बटलर, जो रूट और बेन स्टोक्स, इस विषय पर बात कर चुके हैं। अपने कार्यक्रम के चलते इंग्लैंड ने भारत और साउथ अफ्रीका के विरुद्ध क्रमश: 25 दिनों में 12 सीमित ओवर मैच खेले थे। द हंड्रेड प्रतियोगिता में अपनी टीम बर्मिंघम फ़ीनिक्स के पहले मुक़ाबले से पहले एक प्रायोजक के कार्यक्रम के दौरान मोईन ने कहा, "कार्यक्रम अभी बहुत विस्तृत है। आप चाहते हैं कि आप फ्रैंचाइज़ी क्रिकेट के लिए ख़ुद को उपलब्ध रखें लेकिन इसका मतलब होगा टेस्ट या वनडे मैच मिस करना। आप चाहते हैं आप इंग्लैंड के लिए सारे ही मुक़ाबले खेल सकें। मेरे हिसाब से यह धारणीय नहीं है।"

उन्होंने कहा,"मुझे डर है दो साल बाद हम वनडे क्रिकेट को खो देंगे क्योंकि यह एक लंबा बोरिंग प्रारूप है। टी20 अपनी जगह सुरक्षित है और फिर आपके पास टेस्ट क्रिकेट भी है जो बढ़िया है। इन दोनों के बीच 50-ओवर क्रिकेट को महत्त्व नहीं मिलता। मुझे व्यक्तिगत तौर पर लगता है बहुत ज़्यादा क्रिकेट खेला जा रहा है। एक हिसाब से यह खेल के लिए अच्छा भी है लेकिन इसके वजह से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट पर रुकावट नहीं होनी चाहिए।" स्टोक्स ने हाल ही में अपने टेस्ट कप्तानी और टी20 क्रिकेट में खेलते रहने के लिए वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। मोईन का कहना है कि ऐसा क़दम कई और खिलाड़ी अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए ले सकते हैं।

पुरुष मुक्केबाज अमित पंघल ने पुरुष 51 किग्रा. फाइनल में इंगलैण्ड के कियेरेन मैकडॉनल्ड को मात देकर सोने का तमगा हासिल किया। गोल्डकोस्ट 2018 खेलों के सिल्वर मैडलिस्ट अमित ने मैच की शुरुआत से ही कियेरेन पर मुक्कों की बारिश कर दी और पहले राउण्ड में ही अपने विपक्षी को कई चोटें पहुंचायीं। दूसरे राउण्ड में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अमित ने 4-0 के एकतरफा फैसले से स्वर्ण हासिल किया।

'केन्द्रीय मंत्रिमण्डल में शामिल नहीं होगा जे.डी.यू.'

जे.डी.यू. के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने यह बयान देकर भाजपा और नीतीश की पार्टी के बीच चल रही तनातनी खुलेआम जाहिर कर दी

नई दिल्ली, 7 अगस्त। भाजपा और जेडीयू में अनबन इन दिनों काफी बढ़ गई है, जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे आर.सी.पी. सिंह ने नीतीश की पार्टी से इस्तीफा दे दिया है तो वहीं जेडीयू के मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने ऐलान करते हुए कहा कि, जदयू नरेंद्र मोदी सरकार के केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि हम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 2019 के फैसले पर कायम हैं। साथ ही पूर्व केंद्रीय मंत्री आर.सी.पी. सिंह के नरेंद्र मोदी सरकार में शामिल होने को लेकर उन्होंने कहा कि वे कैसे मंत्रिमंडल में शामिल हुए थे, ये वही बताएंगे।

वहीं भाजपा के साथ 2024 लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन को

■ 2024 में भाजपा के साथ गठबंधन करने के संबंध में ललन सिंह ने कहा कि, कल किसने देखा है।

लेकर ललन सिंह ने कहा कि कल किसने देखा है।

मालूम हो कि बिहार में एन.डी.ए. की साथी होने की वजह से बीजेपी ने केंद्र सरकार में जेडीयू को एक मंत्री पद दिया था, जिसके जरिए तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष आर.सी.पी. सिंह को केंद्रीय मंत्री बनाया गया था। हालांकि, आर.सी.पी. सिंह के राज्यसभा से कार्यकाल खत्म होने के बाद जेडीयू से उन्हें फिर उच्च सदन नहीं भेजा गया। इसी वजह से आर.सी.पी. सिंह को केंद्रीय मंत्री पद से अपना इस्तीफा देना पड़ा था।

जेडीयू अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा कि आर.सी.पी. सिंह का तन जदयू में और मन कहीं और था। ललन सिंह ने आगे कहा कि देर-सबेर आर.सी.पी . सिंह को इस पार्टी से जाना ही था। वहीं आर.सी.पी. सिंह के जेडीयू को डूबता जहाज कहने पर उन्होंने कहा कि जदयू डूबता नहीं दौड़ता जहाज है, आर.सी.पी. को इसकी एबीसीडी भी नहीं पता है। आर.सी.पी. जदयू के संघर्ष के नहीं सत्ता के साथी हैं।

रास्ते से भटक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सकेगा। इसरो ने कहा कि, समस्या की ठीक से पहचान कर ली गई है।

गौरतलब है कि, इसरो ने स्मॉल सैटलाइट लॉन्च वीइकल से देशभर की 750 ग्रमीण छात्राओं द्वारा बनाया गया सैटलाइट भी लॉन्च किया था। आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में इसकी पूरी तैयारी की गई थी। बताया जा रहा था कि इस मिशन को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी थी क्योंकि इसकी कामयाबी के साथ ही स्मॉल सैटलाइट लॉन्चिंग के लिए दुनियाभर की नजरें भारत की ही तरफ होतीं। हालांकि कुछ गड़बड़ी की वजह से इस बार यह कामयाब नहीं हो पाया।

राज्यपाल कोश्यारी पर लगाम

मुंबई, 7 अगस्त। मराठी मानुष और मारवाड़ियों पर बयान देना महाराष्ट्र के गवर्नर भगत सिंह कोश्यारी के गले की फांस बनता जा रहा है। बताया जा रहा है कि पार्टी ने उन्हें अब अपना मुंह बंद रखने के निर्देश दिए हैं। इस अनुमान को हवा उस वक्त मिली जब दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान कोश्यारी ने मीडिया को देखकर मुंह फेर लिया। हालांकि कोश्यारी ने अपने बयान के लिए माफी भी मांग ली है, इसके बावजूद पार्टी पूरी तरह से अलर्ट मोड में है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी गठबंधन की सरकार को उखाड़ फेंकने के बाद भाजपा अब फूंक-फूंककर कदम रख रही है।

महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी इस समय दिल्ली में हैं। उन्होंने महाराष्ट्र सदन में हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत की। महाराष्ट्र टाइम्स के मुताबिक इस दौरान उन्होंने मीडिया से दूरी बनाए रखी। कोश्यारी ने कहा कि मैं बात नहीं करूंगा। यहां एक मुख्यमंत्री है,

■ यही वजह है कि, राज्यपाल कोश्यारी ने दिल्ली में मीडिया को देखकर मुंह फेर लिया और चुपचाप ही कार्यक्रम से निकल गये।

उनसे बात करें। मैं बात नहीं करना चाहता। कोश्यारी ने यह भी कहा कि राज्यपाल को नहीं बोलने का आदेश दिया गया है। कोश्यारी के इस बयान से अंदाजा लगाया जा रहा है कि पार्टी द्वारा उन्हें मुंह बंद रखने का आदेश दिया गया है। हालांकि राज्यपाल के संवैधानिक पद होने के कारण अब इस सवाल पर बहस हो सकती है कि क्या कोई उन्हें इस तरह से बोलने से मना कर सकता है। राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने हाल ही में मुंबई में एक कार्यक्रम में विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि अगर गुजराती और मारवाड़ियों ने छोड़ दिया तो मुंबई आर्थिक राजधानी नहीं होगी। उनके इस बयान के बाद पूरे प्रदेश में गुस्से की लहर दौड़ गई थी। जिसके चलते भाजपा दुविधा में थी। उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस समेत भाजपा और एकनाथ शिंदे समूह के नेताओं ने भी राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी की टिप्पणी से खुद को अलग कर लिया था।

कर्नाटक में हिन्दुओं की दरगाह सर्वधर्म समभाव की जबरदस्त नज़ीर है

बेलगावी जिले के हरलापुर गांव में हिन्दू लोग पूरे जोश-खरोश से सभी मुस्लिम पर्व मनाते हैं

बेलगावी, 7 अगस्त (वार्ता)। कर्नाटक के बेलगावी जिले के सावदत्ती तालुक में एक छोटा सा गांव हरलापुर है जहां हिंदुओं ने ना केवल एक दरगााह का निर्माण किया है बल्कि वहां मुसलमानों का हर पर्व मनाकर सर्व धर्म समभाव का नजीर भी पेश करते हैं।

दिलचस्प बात यह है कि इस गांव में एक भी मुस्लिम परिवार नहीं है। स्थानीय लोगों के विचार व दिमाग धार्मिक समरसता में बहुत बड़ा माना जाता है। इसलिए हिंदुओं ने यहां एक फकीर स्वामी दरगाह बनाई है और अब वे मुहर्रम मना रहे हैं।

मुहर्रम यहां हर साल भव्यता के साथ मनाया जाता है। मुस्लिम धर्म के सभी अनुष्ठान यहां हिंदुओं द्वारा किए जाते हैं, जिसमें पंजा की स्थापना, पूजा, डोली का निर्माण और उनके जुलूस को

■ दिलचस्प बात यह है कि, इस गांव में एक भी मुस्लिम परिवार नहीं है। स्थानीय लोगों के विचार व दिमाग धार्मिक समरसता में बहुत बड़ा माना जाता है। इसलिए हिंदुओं ने यहां एक फकीर स्वामी दरगाह बनाई है और अब वे मुहर्रम मना रहे हैं।

धारा में शामिल किया जाता है। इस बार भी वे दो हफ्ते से तैयारी कर रहे थे।

अधिकांश लोगों ने अपने घरों में नए कपड़े खरीदे हैं। संत राजू गंजी मास्टर के मार्गदर्शन में युवाओं ने लाजिम और कोलाटा प्रशिक्षण आयोजित किया है। युवा पुट्टनागौड़ा पाटीला की सुरीली आवाज में कथन के शब्दों को सुनना अद्भुत है। लोग यहां दिन-रात नाचते गाते हैं। त्योहार के दिन एक जुलूस के सामने, रंग-बिरंगे कपड़े पहने और रंग-बिरंगे गुलदस्ते पकड़े हुए नृत्य करना एक संस्कार है।

जैसा कि गांव के बड़े बताते हैं मुहर्रम और उर्स यहां चार पीढ़ियों से मनाया जाता रहा है। गांव के वरिष्ठ लोगों और युवाओं ने चंदा एकत्र किया और आठ लाख रुपये की लागत से फकीर स्वामी दरगाह का निर्माण किया।

यह दरगाह इस मामले में भी अनूठा है कि यहां हिंदू, बौद्ध, ईसाई, वीरशैव-लिंगायत देवताओं और महात्मा की तस्वीरों की भी पूजा की जाती है।

बताया जाता है कि पहले इस कस्बे में मुस्लिम समुदाय का एक फकीर भगवान की चार मूर्तियों की पूजा करता था। उनकी मृत्यु के बाद, उन्हें रामचंद्र निंबकार के खेत में दफनाया गया था। वहाँ से वे मुट्ठी भर मिट्टी लाए और गांव के मुख्य भाग में एक मकबरा बनाया। गांव के लोग यह नहीं जानते कि वह फकीर कहां से आया था।

फकीर गांव के लोगों के लिए एक मार्गदर्शक था। फकीर हिंदुओं के लिए भगवान से कम नहीं माने जाते और वृद्ध लोग उन्हें फकीरेश्वर कहते हैं।

दरगाह के ठीक बगल में एक बड़ा नीम का पेड़ है। जिन लोगों को सांप ने काट लिया है, उन्हें इस नीम के पेड़ के पत्ते और दरगाह का प्रसाद खिलाया जाता है। उल्टी होने के तुरंत बाद सांप के काटे हुए व्यक्ति की जान बच जाती है।

कुछ हफ्ते पहले विश्व चैंपियन बनीं मुक्केबाज निखत जरीन ने कॉमनवैल्थ गेम्स में गोल्ड मैडल जीत लिया है। निखत ने महिला 50 किग्रा. मैच में बेलफास्ट की कार्ली मेकनॉल को मात दी। निखत ने मैच की शुरुआत से ही कार्ली पर मुक्कों की बरसात शुरू कर दी और बेलफास्ट की मुक्केबाज़ को महत्वपूर्ण सबक सिखाया। तीन राउण्ड के बाउट में कभी भी नहीं लगा कि, कार्ली नियंत्रण में हैं, और अंततः निखत ने 5-0 के एकमत फैसले से स्वर्ण जीत लिया।

गुजरात में आदिवासी कार्ड खेला केजरीवाल ने

अहमदाबाद, 7 अगस्त। आपआम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि यदि उनकी पार्टी गुजरात में सत्ता में आती है, तो राज्य के आदिवासी क्षेत्रों में संविधान की 5वीं अनुसूची और पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम को लागू किया जाएगा। केजरीवाल ने यह भी गारंटी दी कि गुजरात की आदिवासी सलाहकार समिति का नेतृत्व मुख्यमंत्री के बजाय समुदाय के एक व्यक्ति द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गुजरात विधानसभा चुनाव सत्तारूढ़ बीजेपी और आप के बीच सीधा मुकाबला होगा। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने गुजरात के अपने दौरे के दूसरे दिन वड़ोदरा में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए यह बात कही।

गौरतलब है कि गुजरात में इस वर्ष

■ गुजरात में आदिवासियों के बीच रैली में केजरीवाल ने कहा कि, हम आदिवासियों के हर इलाके में स्कूल और मोहल्ला क्लिनिक शुरु करेंगे

के अंत में विधानसभा चुनाव होना है। केजरीवाल ने यह भी कहा कि अगर आम आदमी पार्टी गुजरात में सत्ता में आती है, तो प्रत्येक आदिवासी गांव में एक अच्छा सरकारी स्कूल और एक मोहल्ला क्लिनिक खोला जाएगा। इसके अलावा आदिवासियों के मुफ्त इलाज के लिए क्षेत्र में मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल भी स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने जाति प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया को सरल बनाने और उन लोगों को घर देने का भी वादा किया, जिनके पास खुद का घर नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार आदिवासी गांवों को भी सड़कों से जोड़ेगी। दरअसल, संविधान की 5वीं अनुसूची अनुसूचित क्षेत्रों और अनुसूचित जनजातियों के प्रशासन व नियंत्रण से संबंधी प्रावधानों से संबंधित है। पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, जिसे पेसा अधिनियम के नाम से भी जाना जाता है, को 1996 में संसद की ओर से अधिनियमित किया गया था।

पेसा अधिनियम के तहत देश के विभिन्न राज्यों को अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभाओं को मजबूत करने के लिए इस अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए नियम बनाने को कहा गया था।

'मौसम विज्ञान एजेंसियों के लिए सटीक गणना करने का काम बहुत मुश्किल हो गया है'

आई.एम.डी. के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा, जलवायु परिवर्तन से मानसून में भारी उतार-चढ़ाव के कारण गणना का पैटर्न डिस्टर्ब हो गया है

नई दिल्ली, 7 अगस्त। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आइ.एम.डी.) के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा है कि, जलवायु परिवर्तन ने मौसम संबंधी गंभीर घटनाओं की सटीक भविष्यवाणी करने की विश्वभर की पूर्वानुमान एजेंसियों की क्षमता को प्रभावित किया है। लिहाजा, आइ.एम.डी. इस चुनौती से निपटने के लिए और अधिक रडार स्थापित कर रहा है और अपनी उच्च प्रदर्शन वाली गणना प्रणाली (हाई परफार्मेंस कंप्यूटिंग सिस्टम) को अपडेट कर रहा है।

मीडिया इंटरव्यू में भारत में मानसून पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव

■ महापात्र ने कहा कि, हालांकि 1970 से लेकर अब तक के वर्षा के दैनिक डाटा के विश्लेषण से पता चलता है कि, देश में भारी वर्षा के दिनों में वृद्धि हुई है, जबकि हल्की या मध्यम स्तर की वर्षा के दिनों में कमी आई है। इसका मतलब है कि, अगर वर्षा नहीं हो रही है तो एकदम नहीं हो रही है और अगर हो रही है तो बहुत ज्यादा पानी बरस रहा है।

के बारे में पूछे जाने पर महापात्र ने कहा, हमारे पास 1901 से लेकर अब तक का मानसूनी वर्षा का डिजिटल डाटा उपलब्ध है। इसके तहत उत्तर, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में वर्षा में कमी, जबकि पश्चिम राजस्थान जैसे पश्चिम के कुछ क्षेत्रों में वर्षा में वृद्धि हुई है। महापात्र ने कहा, पूरे देश पर गौर करें तो मानसूनी वर्षा का कोई स्पष्ट रुझान नजर नहीं आता। मानसून अनियमित है और इसमें व्यापक स्तर पर उतार-चढ़ाव देखने को मिलते हैं।

महापात्र ने कहा कि हालांकि 1970 से लेकर अब तक के वर्षा के दैनिक डाटा के विश्लेषण से पता चलता है कि देश में भारी वर्षा के दिनों में वृद्धि हुई है, जबकि हल्की या मध्यम स्तर की वर्षा के दिनों में कमी आई है। इसका मतलब है कि अगर वर्षा नहीं हो रही है तो एकदम नहीं हो रही है और अगर हो रही है तो बहुत ज्यादा पानी बरस रहा है।

अध्ययनों ने साबित किया है कि भारी वर्षा की घटनाओं में वृद्धि और हल्की वर्षा के दिनों में कमी जलवायु परिवर्तन का नतीजा है। जलवायु परिवर्तन से वातावरण में अस्थिरता बढ़ गई है।

श्रीकांत त्यागी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के बाद भाजपा ने उससे पल्ला झाड़ लिया था। सोसाइटी के लोगों के अनुसार, श्रीकांत सब पर अपनी पावर का रौब झाड़ता था और उसके द्वारा किए गए अतिक्रमण के खिलाफ बोलने पर अपशब्द कहता था। सोसाइटी के ज्यादातर लोग उसके आतंक से परेशान थे।

यह मामला मीडिया में आने के बाद भाजपा के स्थानीय सांसद डॉ. महेश शर्मा ने शनिवार को सोसाइटी के लोगों से मुलाकात कर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया था।

इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया था कि श्रीकांत त्यागी का भाजपा से कोई संबंध नहीं है और वह पार्टी का सदस्य भी नहीं है।

भाजपा के स्थानीय सांसद डॉ. महेश शर्मा ने बताया कि गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मामले को संज्ञान में लिया है।

उन्होंने कहा कि आरोपी पर कड़ी कार्रवाई होगी और 48 घंटे के अंदर उसे गिरफ्तार किया जाएगा। शर्मा ने कहा कि इस तरह की हरकत करने वाले समाज के दुश्मन हैं।

'कोटपूतली नगरपरिषद् ने तानाशाहीपूर्ण रवैये से मकान और दुकानें ध्वस्त कीं'

पीड़ितों का आरोप है कि, बिना भूमि अधिग्रहण और बिना मुआवजा दिये रात के अंधेरे में तोड़फोड़ की गई

कोटपूतली, 7 अगस्त (नि.सं)। कोटपूतली में मास्टर प्लान 2011 के अनुरूप कस्बे के मुख्य चौराहे से लेकर नगरपालिका तिराहा तक 80 फीट व पूर्व सिनेमा से लेकर पूतली कट तक 60 फीट सड़कों के चौड़ाई करण को लेकर स्थानीय नगर परिषद् प्रशासन सुबह करीब 5 बजे एल.एन.टी., जे.सी.बी. व पोपलैण्ड मशीनों के साथ नगर परिषद् स्टाफ व भारी मात्रा में पुलिस प्रशासन का अमला निर्माण हटाने के लिए पहुंचा।

शनिवार को प्रथम चरण में एल.बी.एस. कॉलेज के छात्रावास की ओर 22 दुकानों समेत पुरानी नगर पालिका तिराहे पर अग्रसेन सर्किल के पास शेखावत भवन, भरगड़ प्लाजा, कौशिक मार्केट, पुस्तक मार्केट में करीब 68 दुकानें हटाई गई। प्रशासन द्वारा गठित चारों टीमों ने एक साथ कार्यवाही को अंजाम देते हुए सुबह करीब 10 बजे तक अधिकांश संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया था। इस दौरान कई व्यापारिक प्रतिष्ठानों के व्यापारी सामान तक नहीं उठा पाये थे कि प्रशासन का पीला पंजा इमारतों को जमीरोंध करता नजर आया। कार्यवाही के दौरान पहले फेज में कुल 68 संरचनाओं को ध्वस्थ किया है। इसी बीच महालक्ष्मी मिष्ठान भण्डार के पास प्रशासन जैसे ही सामान से भरे अमृत कैलेक्शन शोरूम पर पीला पंजा चला रहा था।

उसी दौरान परिषद् का एक कर्मचारी अचानक बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। जैसे ही कर्मचारी के अचानक बेहोश होने भनक प्रशासन को लगी तो प्रशासनिक अधिकारियों में अफरा-तफरी मच गई और आनन-फानन में उक्त कर्मचारी को एम्बुलेंस की सहायता से राजकीय बी.डी.एम. अस्पताल पहुंचाया। इस दौरान कार्यवाही यथावत जारी रही। देर रात तक प्रशासन की जे.सी.बी., हाईवा व ड्रिल मशीनें चलती रही। आनन-फानन

■ इन लोगों के मुताबिक, नगरपरिषद् ने मात्र 24 घंटे का नोटिस चस्पा कर मकान-दुकानें खाली करने को कहा, जबकि राजस्थान हाईकोर्ट ने 7 जनवरी 2022 को आदेश दिये थे कि, पीड़ितों को कम से कम 15 दिन का नोटिस देकर सुनवाई की जाये, भूमि अधिग्रहित कर मुआवजा भी दें।

में की गई कार्यवाही से जहां बिजली विभाग को भी भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है। वहीं दिनभर लोग बिजली, पानी व इन्टरनेट सेवाओं तंग रहे। इधर प्रशासन द्वारा कि जा रही कथित दमनात्मक कार्यवाही का विरोध करने पर वरिष्ठ भाजपा नेता मुकेश गोयल, एडवोकेट बजरंग लाल शर्मा, एडवोकेट मनोज नारायण शर्मा, भाजपा नेता सुभाष घोघड़, भाजपा नेता प्रवीण बंसल व संघर्ष समिति के पंडित किशोरलाल नेताजी को हिरास्त में ले लिया। इस दौरान विरोध करने आये लोगों से प्रशासनिक अधिकारियों की तीखी नोंक-झोंख भी हुई। लोगों का आरोप था कि प्रशासन राजनैतिक दबाव में आकर व्यापारियों के खिलाफ दमनात्मक कार्यवाही कर रहा है। जो कोटपूतली की जनता की भावनाओं के लिए कुठाराघात है।

प्रशासन द्वारा कि जा रही कार्यवाही को आमजन दो नजरियों से देख रहा है। एक नजरिये में जहां आमजन इस कार्यवाही को विकास के आईने में देख रहा है। वहीं दूसरी और लोग इसे विकास की जगह विनाश के आईने से आंक रहे है। कार्यवाही के दौरान ए.डी.एम. जगदीश आर्य समेत एस.डी.एम. ऋषभ मण्डल, मौका मजिस्ट्रेट तहसीलदार सूर्यकान्त शर्मा, ए.एस.पी. विधा प्रकाश, यातायात ए.एस.पी. सुमित गुप्ता, डी.एस.पी. डॉ. संध्या यादव, शाहपुरा डी.एस.पी. सुरेन्द्र कृष्णियां, एस.एच.ओ. सवाई सिंह सहित पनियाला, सरूण्ड, प्रागपुरा, चंदवाजी, शाहपुरा, भाबरू समेत 8 थानों का पुलिस जाप्ता एवं एस.टी.एफ. जवानों की पूरी कम्पनी को मिलाकर करीब 500 जवान सहित बड़ी संख्या में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तैनात रहे। नगर परिषद् की ओर से आयुक्त फतेह सिंह मीणा के नेतृत्व में समस्त निर्माण हटाने की कार्यवाही की गई।

आयुक्त ने बताया कि प्रथम चरण में शनिवार को करीब 68 निर्माण हटाये गये है। साथ ही स्टे वाले निर्माणों को फिलहाल छोड़ दिया गया है। अगली कार्यवाही द्वितीय चरण में स्वतंत्रता दिवस के बाद की जायेगी। जिसके लिए अलग से नोटिस भी जारी किये जायेगें। जबकि तृतीय चरण में नीलाम की गई सम्पत्तियों के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी।

ए.डी.एम. जगदीश आर्य ने आमजन व व्यापारियों को प्रशासन का सहयोग करने के लिए धन्यवाद् दिया है।

गौरतलब है कि नगर परिषद् द्वारा मुख्य चौराहे से अग्रसेन सर्किल व आसपास के सम्पत्ति मालिकों को शुक्रवार को ही 24 घण्टों में निर्माण हटाने के निर्देश दिये गये थे। आयुक्त फतेह सिंह मीणा ने यह भी बताया कि राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा दिये गये निर्देशानुसार ही समस्त कार्यवाही पूर्णतया: शांतिपूर्ण तरीके से की गई है। जिसमें स्थानीय व्यापारियों का भी प्रशासन को भरपुर सहयोग मिला है। बड़ी संख्या में व्यापारियों ने स्वयं ही अपनी दुकानों को पहले ही खाली कर लिया था। परिषद् द्वारा दोनों मुख्य मार्गो को मास्टर प्लान के तहत क्रमश: 80 व 60 फिट चौड़ा किया जा रहा है। आपको बता दें कि विगत दिसम्बर 2021 में भी उक्त कवायद के चलते आम नोटिस व व्यक्तिगत नोटिस के माध्यम से दोनों मार्गो को चौड़ा करने की कार्यवाही शुरू की गई थी। जिसके विरोध में एक ओर जहाँ धरना प्रदर्शन शुरू हो गया था।

वहीं सम्पत्ति मालिकों ने उक्त कार्यवाही को विधि विरूद्ध बताते हुए राजस्थान हाईकोर्ट में याचिकायें दायर की थी। जिस पर न्यायालय ने नगर परिषद् को व्यक्तिगत सुनवाई करते हुए 30 दिवस में विस्तृत एवं सकारण आदेश पारित करने व तब तक याचीगण के विरूद्ध कोई कार्यवाही ना करने के निर्देश दिये गये थे।

साथ ही नगर परिषद् को मौका एवं दस्तावेजों की जाँच कर भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही करते हुए प्रभावितों की मुआवजा राशि तैय करने के लिए भी निर्देशित किया गया था।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्पाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908